आज का विचार

मीठा झूठ बोलने से अच्छा है कि कड़वा सच बोला जाए, इससे आपको सच्चे दुश्न जरूर मिलेंगे लेकिन झूठे दोस्त नहीं।

दैनिक सिटी दर्पण

आईना सच का

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

चंडीगढ़ I मंगलवार, 2 सितंबर, 2025 वर्ष 23, अंक 215, मूल्य: 3 रुपए, पृष्ठ 8 RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265 Established 2003 www.citydarpan.com

संकट की घड़ी में लोगों के साथ खड़ी है पंजाब सरकार

मान की ओर से होशियारपुर जिले के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत और बचाव कार्यों का जायजा

संवाददाता
चंडीगढ़

टांडा (होशियारपुर)

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज कहा कि पंजाब अब तक की सबसे भयावह बाढ़ का सामना कर रहा है। साथ ही, उन्होंने लोगों को भरोसा दिलाया कि इस संकट की घड़ी में राज्य सरकार उनके साथ मजबूती से खड़ी है और इस संकट से उबारने के लिए कोई कसर बाकी नहीं छोड़ी जाएगी।

मुख्यमंत्री ने आज होशियारपुर जिले के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, मियाणी के राहत शिविर में रह रहे बाढ़ पीड़ित परिवारों से मुलाकात की और उनकी दुख-तकलीफों को सुना। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि प्राकृतिक आपदा से राज्य को भारी नुकसान हुआ है, लेकिन राज्य सरकार ने प्रभावित लोगों के बचाव और राहत के लिए युद्ध स्तर पर कार्य शुरू कर दिया है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि राज्य सरकार ने इस चुनौतीपूर्ण समय में राहत कार्यों के लिए पहले ही व्यापक स्तर पर कदम उठाए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार बाढ़ प्रभावित जिलों में लोगों को संकट से निकालने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि निचले इलाकों से लोगों को निकालने और उन्हें तत्काल राहत देने के लिए प्रशासन को पहले ही निर्देश जारी किए जा चुके हैं। भगवंत सिंह मान ने कहा कि सभी विभागों को आपसी तालमेल के साथ एकजुट होकर बचाव और राहत कार्य करने को कहा गया है ताकि लोगों की अधिक से अधिक मदद की जा सके। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार लोगों को हुए नुकसान की एक-एक पाई की भरपाई करेगी। भगवंत सिंह मान ने कहा कि

प्राकृतिक आपदा से उत्पन्न स्थिति पर वह लगातार नजर रखे हुए हैं।

मुख्यमंत्री ने रड़ा पुल और अन्य स्थानों का दौरा कर बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में जमीनी स्तर पर स्थिति का जायजा लिया। भगवंत सिंह मान ने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर भारत सरकार से राज्य के रुके हुए 60,000 करोड़ रुपए के फंड को तत्काल जारी करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि हाल में आई बाढ़ से 1000 से अधिक गांव प्रभावित हुए हैं और लाखों लोगों का जन-जीवन पटरी से उतर गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारी बारिश और बांधों से पानी छोड़े जाने के कारण 10 से अधिक जिलों में बाढ़ आई है। उन्होंने कहा कि स्थिति गंभीर हो रही है और यह और भी चिंताजनक है कि आने वाले दिनों में हालात और खराब हो सकते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि लगभग तीन लाख एकड़ कृषि भूमि, मुख्य रूप से धान के खेत, बाढ़ के पानी में डूब गए हैं, जिसके कारण फसल कटाई से कुछ हफ्ते पहले ही फसलों का भारी नुकसान हुआ है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि पशुओं का भी काफी नुकसान हुआ है, जिससे अपनी आजीविका के लिए डेयरी फार्मिंग और पशुपालन पर निर्भर ग्रामीण क्षेत्र बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राहत और बचाव कार्यों को पूरा करने के लिए विभिन्न विभागों के कर्मचारी दिन-रात लोगों की मदद के लिए जुटे हुए हैं। भगवंत सिंह मान ने बाढ़ प्रभावित इलाकों में नदियों के किनारे टूटे हुए तटबंधों को भरने के साथ-साथ मेडिकल टीमों को बीमारियों से बचाव के लिए प्रत्येक गांव में स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि राहत कार्यों के साथ-साथ मेडिकल टीमों को पानी के नमूने लेने, घरों और गांवों के अंदर और बाहर कीटाणुनाशक छिड़काव, पानी की क्लोरीनेशन, बुखार का सर्वेक्षण, मलेरिया और डेंगू का समय पर पता लगाने के लिए कार्ड टेस्ट, सैनिटरी नैपकिन और मच्छरदानी वितरण जैसे कार्यों के लिए भी आवश्यक आदेश जारी किए जा चुके हैं।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि जल आपूर्ति और स्वच्छता विभाग को गांवों में साफ और पीने योग्य पानी उपलब्ध कराने के लिए पानी के टैंकरों को तब तक सेवा में लगाया जाए, जब तक जल आपूर्ति योजनाओं के माध्यम से आपूर्ति पूरी तरह बहाल नहीं हो जाती। भगवंत सिंह मान ने कहा कि इसी तरह वाटर टेस्टिंग टीमें सभी गांवों में पानी की गुणवत्ता की जांच करें ताकि किसी भी महामारी के फैलाव से बचा जा सके। उन्होंने कहा कि बाढ़ प्रभावित गांवों के लोगों को पानी के साथ-साथ सूखे राशन की किट, चीनी, चावल, आटा, घी, दूध पाउडर उपलब्ध कराया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाढ़ प्रभावित निचले गांवों से पानी निकालने के लिए पंपिंग कार्य पहले ही युद्ध स्तर पर चल रहे हैं। भगवंत सिंह मान ने कहा कि प्रभावित लोगों को राहत शिविरों और मेडिकल शिविरों के माध्यम से और यहां तक कि उनके घरों पर जाकर चिकित्सा सहायता प्रदान की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गांवों में मोबाइल मेडिकल यूनिट तैनात की जा रही हैं ताकि लोगों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान की जा सकें। उन्होंने कहा कि बाढ़ प्रभावित गांवों में डेंगू के लार्वा का पता लगाने के लिए समर्पित एंटी-लार्वा टीमें भी तैनात की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि विशेष टीमें गांवों का दौरा कर लोगों को मलेरिया, डेंगू, दस्त, टाइफाइड और त्वचा संबंधी समस्याओं जैसी बीमारियों को रोकने के उपायों के बारे में जागरूक करने के आदेश दिए गए हैं। भगवंत सिंह मान ने आगे कहा कि प्रभावित पशुओं के इलाज और टीकाकरण, पशुओं के कीटाणुनाशन और चारे की व्यवस्था के लिए बड़ी संख्या में पशु चिकित्सा टीमें तैनात की जाएंगी। उन्होंने कहा कि गांवों में व्यापक स्तर पर स्वच्छता अभियान चलाने के साथ-साथ पानी से होने वाली बीमारियों के फैलाव को रोकने के लिए फॉगिंग टीमें तैनात की जा रही हैं। भगवंत सिंह मान ने कहा कि सैनिटरी और मनरेगा कर्मियों को गांवों की सफाई का काम सौंपा जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नालों/नालियों में ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव किया जाएगा ताकि दुर्गंध को रोकने के साथ-साथ इससे होने वाली बीमारियों के फैलाव को रोका जा सके। उन्होंने भरोसा दिलाया कि संकट की इस घड़ी में लोगों की मदद के लिए कोई कसर बाकी नहीं छोड़ी जाएगी। भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाब सरकार ऐसी स्थिति से पूरी क्षमता के साथ निपटेगी।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री के साथ कैबिनेट मंत्री डॉ. रवजोत, लोकसभा सांसद डॉ. राज कुमार चब्बेवाल और अन्य भी मौजूद थे।

नायब सिंह सैनी ने उपायुक्तों के साथ की अहम बैठक, बारिश व बाढ़ के हालातों पर की समीक्षा

प्रशासन को सतर्क रहने के दिए निर्देश, जिला प्रशासन नदियों के जलस्तर पर रखे लगातार नजर

भूपेंद्र शर्मा
चंडीगढ़ह

रियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी उपायुक्तों के साथ अहम बैठक कर प्रदेशभर में भारी वर्षा और बाढ़ के हालातों की विस्तृत समीक्षा की और जिला प्रशासन को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि एहतियाती उपायों के तहत जिन जिलों में स्कूल बंद करने के आदेश जारी किए गए हैं, वहाँ प्रशासन यह सुनिश्चित करे कि सभी विद्यालय पूरी तरह बंद रहें। श्री नायब सिंह सैनी ने निर्देश देते हुए कहा कि पंजाब में बाढ़ से प्रभावित जो लोग हरियाणा में आ रहे हैं, उनकी मदद के लिए ठहरने, भोजन और अन्य आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था तुरंत प्रभाव से की जाए। साथ ही पशुओं के लिए चारे की भी समुचित व्यवस्था होनी चाहिए।उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि आबादी वाले क्षेत्रों में जलभराव न होने पाए, इसके लिए प्रशासन सभी आवश्यक इंतजाम करे। साथ ही, खेतों और दूरस्थ इलाकों में जलभराव तथा नदियों के जलस्तर पर लगातार निगरानी रखी जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि सिंचाई एवं जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के कार्यकारी अभियंता, सभी एसडीएम, तहसीलदार, पटवारी, डीआरओ, डीडीपीओ सहित संबंधित अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में तैनात रहकर हालात पर सतत नजर रखें। उन्होंने जिला प्रशासन को पंचायत प्रतिनिधियों, रेज़िडेंट वेलफेयर एसोसिएशनों और सिविल सोसाइटी संगठनों को राहत व बचाव कार्यों में सक्रिय रूप से शामिल करने के निर्देश दिए, ताकि प्रभावित लोगों तक जल्द से जल्द मदद सुनिश्चित हो सके। स्वास्थ्य विभाग को अलर्ट पर रहने के निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी अस्पतालों और मोबाइल मेडिकल टीमें, दवाइयां, ओआरएस, टीके तथा एंबुलेंस सेवाओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करें। इसी प्रकार, पशुपालन विभाग को पशुओं के लिए चारा, दवाइयाँ, टीकाकरण और प्रभावित क्षेत्रों में पशु चिकित्सा टीमों की सक्रियता बनाए रखने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने निर्देश देते हुए कहा कि हरियाणा डिजास्टर रिलीफ फोर्स (एचडीआरएफ) को अलर्ट पर रखा जाए। मुख्यालय से किसी भी प्रकार की सहायता की आवश्यकता पड़ने पर सभी विभागाध्यक्ष तत्परता से उपलब्ध रहें। साथ ही, पर्याप्त संख्या में पम्पिंग सेट्स की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए और शहरी क्षेत्रों की सफाई व्यवस्था चुस्त-दुरुस्त रखी जाए, ताकि वर्षा जल निकासी में कोई बाधा न आए। बैठक में मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री अरुण कुमार गुप्ता, बिजली विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री एके सिंह, जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के आयुक्त एवं सचिव श्री मोहम्मद शाइन, सूचना, जनसंपर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग के महानिदेशक श्री के मकरंद पांडुरंग, विशेष सचिव, निगरानी एवं समन्वय श्रीमती प्रियंका सोनी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

मोदी सरकार जम्मू-कश्मीर में हाल ही में आई बाढ़ से प्रभावित लोगों के पुनर्वास को सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्धः शाह

एजेंसी (हि.स.)
जम्मू

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार जम्मू-कश्मीर में हाल ही में आई बाढ़ से प्रभावित लोगों के पुनर्वास को सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने यहां सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्र का दौरा किया।

शाह ने जम्मू हवाई अड्डे के पास मंगूचक गाँव का दौरा किया और उनके साथ उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, जम्मू-कश्मीर विधानसभा में विपक्ष के नेता सुनील शर्मा और भाजपा की जम्मू-कश्मीर इकाई के प्रमुख सत शर्मा सहित अन्य वरिष्ठ भाजपा नेता भी थे।गृह मंत्री बाढ़ की स्थिति और राहत कार्यों का आकलन करने के लिए रविवार रात जम्मू पहुँचे थे। राजभवन में आगंतुकों से मिलने के बाद शाह स्थिति का प्रत्यक्ष जायजा लेने के लिए सबसे अधिक

प्रभावित गाँवों में से एक मंगूचक के लिए रवाना हुए। अधिकारियों ने बताया कि उन्होंने ग्रामीणों से बातचीत की और उन्हें उचित राहत और पुनर्वास का आश्वासन दिया। शाह ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि आज जम्मू में हाल ही में आई बाढ़ से प्रभावित गाँव चक मंगू (मंगूचक) का दौरा किया। आपदा प्रतिक्रिया बलों द्वारा राहत और बचाव कार्य पूरे जोर-शोर से चलाए जा रहे हैं साथ ही प्रभावित लोगों को चिकित्सा सहायता भी प्रदान की जा रही है। मोदी सरकार प्रभावित लोगों के पुनर्वास के लिए पर्याप्त कदम उठाने के लिए प्रतिबद्ध है। इससे पहले गृह मंत्री बिक्रम चौक के पास तवी पुल पर रुके और नदी के किनारे हुए नुकसान का निरीक्षण किया। उन्हें जम्मू के संभागीय आयुक्त रमेश कुमार और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने जानकारी दी। मंगूचक निवासी भान सिंह ने संवाददाताओं को बताया कि गृह मंत्री मेरे घर आए और मुझे राहत का आश्वासन दिया। पिछले हफ़्ते की बाढ़ के बाद घर में कुछ भी नहीं बचा है।

एक अन्य निवासी चायन दास ने कहा कि वह भाग्यशाली थे कि बाढ़ से बच गए जिसने पूरे गाँव को जलमग्न कर दिया था। उन्होंने कहा कि हमें खुशी है कि गृह मंत्री ने हमसे मुलाकात की और स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने उम्मीद जताई कि अधिकारी पानी निकाल देंगे और यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाएंगे कि ऐसी बाढ़ फिर कभी न आए। दौरा करने के बाद शाह राजभवन लौट आए और बाढ़ और राहत प्रयासों पर उपराज्यपाल सिन्हा, उमर अब्दुल्ला, सुनील शर्मा, पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) नलिन प्रभात और केंद्र व केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन के कई अधिकारियों की लगातार तीन बैठकों की अध्यक्षता की।

सदन में राजनीतिक लाभ के लिए दिए जाने वाले भाषणों से बहस की गुणवत्ता होती है प्रभावित : रिजिजू

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने सोमवार को कहा कि सदन में सार्थक बहस की बजाय बाहरी राजनीतिक लाभ के लिए दिए जाने वाले भाषणों से चचाओं की गुणवत्ता प्रभावित होती है। रिजिजू ने दिल्ली विधानसभा के पहले अध्यक्ष चरती लाल गोयल की 98वीं जयंती पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गोयल की विनम्रता से लेकर अनुशासन, निष्पक्षता और समर्पण के बल पर हासिल की गई ऊंचाइयों को याद किया। रिजिजू ने 1993 से दिल्ली विधानसभा के सुचारू संचालन में गोयल की भूमिका और उनके द्वारा स्थापित उच्च मानकों को रेखांकित किया। उन्होंने उनके जीवन की सादगी, ईमानदारी और चुनावी राजनीति से स्वेच्छा से दूर होने के दुर्लभ निर्णय की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे उदाहरण आज की राजनीति में बहुत कम देखने को मिलते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे नेताओं को याद करना

केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि लोकसेवा, सामाजिक कल्याण और सहभागी शासन के प्रति अपने संकल्प को नवीनीकृत करने का अवसर है।

रिजिजू ने यह भी उल्लेख किया कि पिछले कुछ महीनों में वह तीन बार दिल्ली विधानसभा आए और इस अवसर पर आमंत्रित करने के उन्होंने अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस तरह के अवसर उन्हें इस संस्था के समृद्ध इतिहास से जुड़ने और उसकी लोकतांत्रिक परंपराओं को गढ़ने वाले महान नेताओं को श्रद्धांजलि देने का अवसर प्रदान करते हैं।

कार्यक्रम में केंद्रीय राज्यमंत्री हर्ष मल्होत्रा, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता, उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट, दिल्ली के महापौर राजा इकबाल सिंह, गांधी स्मृति के वाइस चेयरमैन एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री विजय गोयल, पूर्व राज्यपाल जगदीश मुखी समेत कई प्रमुख लोग उपस्थित रहे। इस अवसर पर चरती लाल गोयल के जीवन-वृत्त पर आधारित एक विशेष स्मारिका का भी विमोचन किया गया।केंद्रीय राज्यमंत्री हर्ष मल्होत्रा ने अपने संबोधन में चरती लाल गोयल के साथ बिताए पलों को याद करते हुए उन्हें दिल्ली की नब्ज समझने वाले, जनसुनवाई करने वाले एक अभिभावक समान नेता बताया। उन्होंने 1995-96 की अपनी स्मृति साझा की, जब वह दिल्ली प्रिंटर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष थे और छोटे उद्योगों के स्थानांतरण का मुद्दा उठा। गोयल ने उनकी बातें धैर्यपूर्वक सुनीं और संबंधित मंत्री के साथ तत्काल वार्ता कराई, जिसके परिणामस्वरूप बाद में बवाना इंडस्ट्रियल एरिया की स्थापना हुई।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने चरती गोयल को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनकी गरिमामयी छवि, आदर्श आचरण और प्रेरक जीवन हमें यह याद दिलाता है कि सदन की कार्यवाही को शिष्टाचार, परस्पर सम्मान और रचनात्मक संवाद की भावना से संचालित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें अपने आचरण से अपने राजनीतिक विरोधियों का भी सम्मान अर्जित करना चाहिए, जैसा कि गोयल जी ने किया।

पंजाब भीषण बाढ़ का सामना कर रहा है

मुख्यमंत्री राहत कोष

में योगदान करें

पंजाब के बाढ़ प्रभावित परिवारों की सहायता के लिए अपना सहयोग दें

खाता नाम: पंजाब मुख्यमंत्री राहत कोष
खाता संख्या: 001934001000589
खाता प्रकार: बचत
आईएफएससी कोड: TPSC0000019
शाखा नाम: पंजाब स्टेट कोऑपरेटिव बैंक लिमिटेड
शाखा कार्यालय: पंजाब सिविल सचिवालय, सेक्टर-1, चंडीगढ़

क्यूआर कोड स्कैन कर दान करें

www.tinyurl.com/PunjabCMReliefFund

सूचना एवं लोक संपर्क विभाग, पंजाब

हिमाचल में अगस्त की बारिश ने तोड़ा 76 साल का रिकॉर्ड, सामान्य से 68 प्रतिशत अधिक हुई वर्षा

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

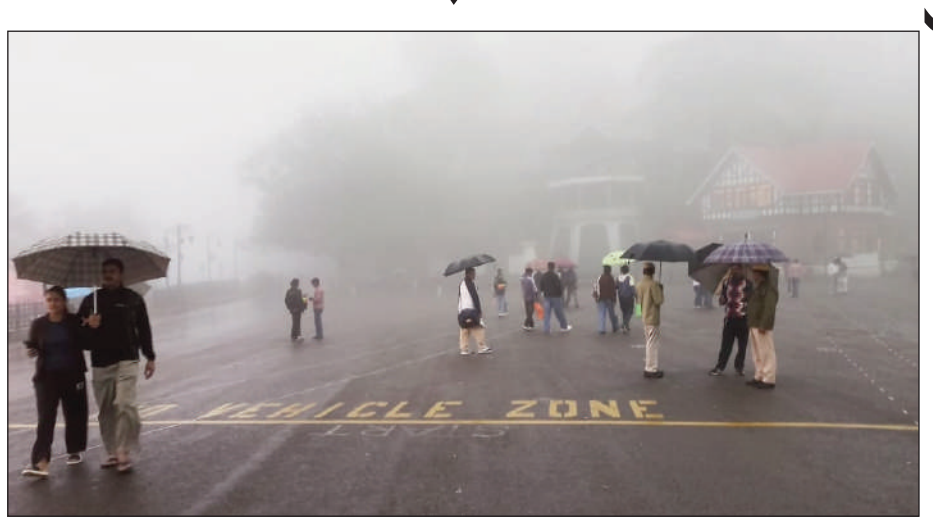

हिमाचल प्रदेश में अगस्त माह के दौरान हुई मूसलधार बारिश ने 76 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। पूरे प्रदेश में औसतन 431.3 मिलीमीटर वर्षा दर्ज हुई, जबकि सामान्य वर्षा 256.8 मिलीमीटर रहती है। इस तरह इस बार अगस्त में सामान्य से 68 प्रतिशत अधिक बारिश हुई। यह वर्ष 1901 से अब तक का नौवां सबसे ज्यादा बारिश वाला अगस्त रहा। 1949 के बाद पहली बार अगस्त माह में इतनी अधिक वर्षा दर्ज हुई है। अगस्त माह में अब तक का सबसे अधिक वर्षा का रिकॉर्ड वर्ष 1927 में बना था, जब 542.4 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई थी।

मौसम विज्ञान केंद्र शिमला से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार इस बार लगभग सभी जिलों में सामान्य से अधिक वर्षा दर्ज हुई। कुल्लू जिले में सामान्य 180.2 मिलीमीटर के मुकाबले 477.5 मिलीमीटर बारिश हुई जो 165 प्रतिशत अधिक है। शिमला जिले में 196.4 मिलीमीटर सामान्य के मुकाबले 438 मिलीमीटर वर्षा हुई यानी 123 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। सोलन में सामान्य 287.9 मिलीमीटर के मुकाबले 627.9 मिलीमीटर बारिश हुई, जो 118 प्रतिशत अधिक रही।

ऊना जिला भी बारिश में आगे रहा। यहां सामान्य 372.2 मिलीमीटर के मुकाबले 815.1 मिलीमीटर वर्षा दर्ज हुई, जो 119 प्रतिशत की बढ़ोतरी दशार्ती है। चंबा जिले में 291.7 मिलीमीटर सामान्य वर्षा के मुकाबले 561.6 मिलीमीटर बारिश हुई यानी 93 प्रतिशत अधिक। बिलासपुर जिले में सामान्य 316.8 मिलीमीटर के मुकाबले 598.7 मिलीमीटर वर्षा हुई जो 89 प्रतिशत अधिक रही।

किन्नौर जिले में भी सामान्य 77.6 मिलीमीटर के मुकाबले 143.3 मिलीमीटर बारिश दर्ज हुई यानी 85 प्रतिशत की बढ़ोतरी। हमीरपुर में सामान्य 400.6 मिलीमीटर के मुकाबले 617.9 मिलीमीटर बारिश हुई यानी 54 प्रतिशत अधिक। सिरमौर जिले में 402.1 मिलीमीटर सामान्य के मुकाबले 557.5 मिलीमीटर वर्षा हुई, यानी 39 प्रतिशत की वृद्धि।

कांगड़ा जिले ने इस बार सबसे अधिक वर्षा का रिकॉर्ड बनाया। यहां सामान्य 631.5 मिलीमीटर के मुकाबले 816.2 मिलीमीटर बारिश दर्ज हुई यानी 29 प्रतिशत अधिक। सबसे कम बढ़ोतरी लाहौल-स्पीति जिले में रही, जहां सामान्य 117.6 मिलीमीटर के मुकाबले 129.7 मिलीमीटर वर्षा हुई, यानी केवल 10 प्रतिशत की वृद्धि। वहीं मंडी जिले में सामान्य 395.3 मिलीमीटर के मुकाबले 667.9 मिलीमीटर वर्षा हुई यानी 69 प्रतिशत अधिक।

बारिश की इस असामान्य बढ़ोतरी से प्रदेश के कई हिस्सों में भूस्खलन, बाढ़ और जनजीवन अस्त-व्यस्त रहा। इस दौरान कई लोगों की जान गई और सम्पति को करोड़ों का नुकसान हुआ।

बारिश से विद्युत आपूर्ति आधार संरचना को भारी नुकसान: अनुराग पराशर

एजेंसी (हि.स.)
मंडी

हिमाचल प्रदेश में चल रही वर्षा से आपदा की स्थिति में प्रदेश में विद्युत आपूर्ति भी प्रभावित हुई है। इस भारी वर्षा से प्रदेश की विद्युत आपूर्ति आधार अधोसरंचना को भी भारी नुक्सान पंहुचा है। बोर्ड के सलाहकार अनुराग पराशर ने कहा है कि हिमाचल प्रदेशस्टेट इलैक्ट्रिसिटी बोर्ड लिमिटेड द्वारा युद्व स्तर पर कार्य कर प्रदेश की सभी स्थानों में विद्युत आपूर्ति बहाल की गई है। भारी वर्षा से विद्युत अधोसरंचना में होने वाले अचानक नुक्सान को एकदम ठीक करने के प्रयास कर बेहतर प्रबन्धन कर विद्युत आपूर्ति को बहाल करने की कोशिश की जाती है। ऐसी ही एक घटना में मंडी जिला में हाल ही में भारी वर्ष और भूस्खलन की घटनाओं के कारण नौ मील पंडोह क्षेत्र के पास स्थित 132 केवी डबल सर्किट बिजणी- लारजी - कांगू एक्स्ट्रा हाई वोल्टेज लाइन का टावर भी पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया है। यह विद्युत संचार लाईन मंडी स्थित 132के.वी. बिजणी विद्युत उपकेंद्र तथा विद्युत मंडल मंडी के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों को विद्युत आपूर्ति का मुख्य स्रोत थी।

उन्होंने बताया कि वर्तमान में वैक्लपिक संचार लाईन, -शानन-बिजणी 66 केवी लाइन और 33 केवी रत्ती-मेडिकल कॉलेज-बड़सू-बिजणी लाइन के माध्यम से मंडी विद्युत मंडल के अधीन आने वाले क्षेत्रों को विद्युत आपूर्ति किए जाने का प्रबन्धन किया गया है, लकिन लवांडी नाला नजदीक बिजणी क्षेत्र में लगातार हो रहे भूस्खलन और पेड़ों के गिरने की वजह से यह शानन-बिजणी 66 केवी लाइन बार-बार क्षतिग्रस्त हो रही है, जिसके कारण विद्युत मंडल मंडी के अंतर्गत आने वाले विद्युत उपभोक्ताओं को आए दिन बिजली आपूर्ति में बाधा या कटौती का सामना करना पड़ सकता है।

पराशर ने कहा कि बिजली बोर्ड द्वारा जहां नौ मील पंडोह के पास स्थित 132 के.वी. क्षतिग्रस्त टॉवर को पुनः स्थापित किए जाने की युद्ध स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं। वहीं बार-बार क्षतिग्रस्त होने वाली -शानन-बिजणी 66 केवी लाईन पर लगातार निरिक्षण कर इसे तुरंत दुरूस्त किया जाता है। अचानक क्षतिग्रस्त होने की स्थिति में विद्युत आपूर्ति को सभी स्थानों पर समान सुनिश्चित बनाए रखने की दिशा में और विद्युत लाईनों के रखरखाव प्रबंधन में मंडी विद्युत मंडल के अंतर्गत कुछ क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति प्रभावित सकती है।

हिमाचल विधानसभा में लोक उपयोगिता प्रतिषेध विधेयक पारित, अवरोध पर छह माह कैद और जुर्माना

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश विधानसभा ने सोमवार को लोक उपयोगिता प्रतिषेध विधेयक ध्वनिमत से पारित कर दिया। अधिसूचना जारी होते ही यह कानून लागू हो जाएगा। इसके तहत किसी भी लोक उपयोगिता में विघ्न डालने पर छह माह तक कैद और दो से 10 हजार रुपये तक जुमार्ना किया जा सकेगा। राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी की अनुपस्थिति में शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने सदन में यह विधेयक पारित कराने के लिए प्रस्तुत किया। बीते सप्ताह शुक्रवार को भी रोहित ठाकुर ने इसे सदन में पेश किया था।

विधेयक के अनुसार प्रदेश में कई रास्ते, नहरें, पेयजल व सिंचाई योजनाएं, सरकारी भवन और अन्य लोक उपयोगिता कार्य ऐसी जमीनों पर बने हैं, जिनका स्वामित्व निजी व्यक्तियों, कंपनियों या संस्थाओं के पास है। इनमें से कई मामलों में लिखित समझौते हैं तो कई जगह केवल मौखिक सहमति रही है। अब जमीनों की कीमत बढ़ने से कुछ लोग इन उपयोगिताओं पर अपना दावा करने लगे हैं और उनमें विघ्न डाल रहे हैं।

सरकार ने लोक हित में ऐसी स्थिति रोकने के लिए यह कानून बनाया है। इसके तहत किसी भी व्यक्ति को लोक उपयोगिता को नष्ट करने, बदलने या बाधित करने का अधिकार नहीं होगा। इस कानून को सिविल अदालत में चुनौती नहीं दी जा सकेगी। संबंधित मामलों की सुनवाई उपायुक्त करेंगे और उनके आदेशों को 30 दिन के भीतर वित्तायुक्त के पास चुनौती दी जा सकेगी। आदेशों की अवहेलना पर सजा भी होगी।

सोमवार को पूरी तरह से बंद रहा चंडीगढ़ मनाली राज मार्ग

एजेंसी (हि.स.)
मंडी

महीने की शुरूआत भी सोमवार को लगातार बारिश से हुई। रविवार को जारी बारिश सोमवार को भी बिना रूके होती रही। चंडीगढ़ मनाली राज मार्ग लगातार छठे दिन भी बंद रहा। 6 दिनों में यह मार्ग केवल 6 घंटे ही खुल पाया है और उस पर भी वाहन रेंगते हुए ही चले हैं। हालत बेहद बदतर हो गए हैं। करोड़ों का सेब मंडी की स्नोर, बालीचौकी, कुल्लू के बंजार, कुल्लू मनाली व लाहुल स्पीति में तैयार है जिसे तब तक मार्केट नहीं भेजा जा सकेगा जब तक रास्ता बड़े वाहनों के लिए सही तरह से खुल नहीं जाता। सब्जियां भी खेतों व वाहनों में पड़ी पड़ी सड़ गई हैं। बारिश, बाढ़ व भूसख्लन ने किसान बागवानों की कमर तोड़ कर रख दी है। सोमवार को बारिश के चलते बीच बीच में कुछ ही देर रास्ते को खोलने का प्रयास हुआ। मंडी से आगे कैंची मोड़, डयोडनाला, दवाडा, हणोगी, झलोगी व बनाला में लगातार भूसख्लन होता रहा। हणोगी पुल के पास भारी भूसख्लन ने परेशानी और बढ़ा दी है। हजारों ट्क वोल्वो बसें व दूसरे वाहन जहां तहां खड़े हुए हैं। घाटी में जरूरी वस्तुओं दूध, ब्रेड, अखबार आदि की सप्लाई भी बंद है। मौसम विभाग के रेड अलर्ट के चलते उपायुक्त मंडी के आदेश पर सोमवार को सभी शिक्षण संस्थान बंद रहे, अभी यह रेड अलर्ट दो सितंबर के लिए भी जारी किया गया है। उच्चतम ताप को प्रवाह करने वाली बिजली की लाइनों के कई टावर जमींदोज हो जाने से बिजली संकट बढ़ गया है। हर घंटे बाद कट लगाया जा रहा है जिससे सारा काम ठप होकर रह गया है। कंप्यूटर व बिजली उपकरण भी खराब हो रहे हैं। मंडी शहर में पेयजल संकट दो सप्ताह से बना हुआ है। लोग पानी के लिए मारे मारे फिरे हुए हैं। अभी तक भी टूटी लाइनें सही नहीं हो पाई हैं जबकि व्यास व उहल में गाद का स्तर लगातार बने रहने से पंपिंग में भी दिक्कत जारी है।

संक्षिप्त-समाचार

अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की बढ़ती भूमिका पीएम मोदी की कूटनीतिक सफलता

जम्मू। भाजपा जम्मू-कश्मीर की उपाध्यक्ष रेखा महाजन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सक्रिय विदेश नीति और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की बढ़ती भागीदारी की सराहना की। उन्होंने कहा कि मोदी के नेतृत्व में भारत ने चीन, रूस सहित कई वैश्विक शक्तियों के साथ सहयोग और संवाद को नए आयाम दिए हैं। रेखा महाजन ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी ने विदेश कूटनीति में उल्लेखनीय प्रगति की है। उनका दृष्टिकोण सिर्फ द्विपक्षीय वाताओं तक सीमित नहीं है, बल्कि आर्थिक साझेदारी, रणनीतिक सहयोग और आपसी विश्वास को भी मजबूत करता है।उन्होंने बताया कि मोदी की कूटनीति केवल राजनीतिक संबंधों तक सीमित नहीं है, बल्कि जलवायु परिवर्तन, व्यापार, प्रौद्योगिकी और वैश्विक चुनौतियों से निपटने पर भी केंद्रित है। भारत अब एक विश्वसनीय वैश्विक भागीदार के रूप में उभर रहा है। महाजन ने कहा कि हाल के वर्षों में प्रधानमंत्री ने बहुपक्षीय मंचों पर भारत की स्थिति को मजबूत किया है, रक्षा और आधारभूत ढांचे की परियोजनाओं में सहयोग बढ़ाया है तथा सांस्कृतिक और आर्थिक आदान-प्रदान को प्रोत्साहित किया है। यह न केवल क्षेत्रीय पड़ोसियों बल्कि विश्व शक्तियों के साथ संबंधों को भी सुदृढ़ करता है। उन्होंने आगे कहा कि मोदी की कूटनीतिक पहल से भारतीय व्यवसायियों, छात्रों और शोधकताओं के लिए नए अवसर खुले हैं। रणनीतिक सहयोग के माध्यम से भारत न केवल अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा कर रहा है बल्कि वैश्विक शांति और विकास में भी योगदान दे रहा है। यह दूरदृष्टि वाली कूटनीति है, जिसे सटीकता के साथ लागू किया गया है।

कुख्यात नशा तस्कर बाग हुसैन उर्फ बागू पर बिलावर पुलिस थाना में पीआईटी एनडीपीएस के तहत मामला दर्ज

कठुआ/बिलावर। नशा तस्करों के खिलाफ एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए एसएसपी कठुआ के नेतृत्व में कठुआ पुलिस ने एक कुख्यात ड्रग तस्कर के खिलाफ गंभीर एनडीपीएस से संबंधित कई अपराधों में संलिप्तता के बाद पीआईटी एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार जम्मू संभागीय आयुक्त के निर्देश पर आरोपी बाग हुसैन उर्फ बागू पुत्र शुमा अली निवासी गढ़ समना बंज तहसील मजालता जिला उधमपुर के खिलाफ हिरासत वारंट जारी किया गया था, जो एक आदतन नशा तस्कर है। वहीं एसएचओ बिलावर इंस्पेक्टर जहीर मुश्ताक के नेतृत्व में पुलिस स्टेशन बिलावर के पुलिस दल ने सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति के बाद आरोपी को गिरफ्तार किया और नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंसेज के अवैध व्यापार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 3 के तहत उक्त वारंट तामील किया। गौरतलब हो कि आरोपी बार-बार अपराधी रहा है और अपनी अवैध गतिविधियों से जनता में भय का माहौल पैदा कर रहा था। पीआईटीएनडीपीएस के तहत उसकी हिरासत अन्य नशा तस्करों और असामाजिक तत्वों को एक कड़ा संदेश देगी। आवश्यक कानूनी औपचारिकताएँ पूरी करने के बाद आरोपी को जिला जेल कठुआ में रखा गया है।

उमेश गब्बर ने अचानक आई बाढ़ से प्रभावित रेहड़ी-फड़ी संचालकों की दुर्दशा पर प्रकाश डाला

जम्मू। उमेश कुमार गब्बर अध्यक्ष भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा, जिला जम्मू दक्षिण ने हाल ही में आई अचानक आई बाढ़ के बाद रेहड़ी-फड़ी संचालकों को हो रही कठिनाइयों पर गहरी चिंता व्यक्त की। उमेश कुमार जम्मू रेलवे स्टेशन के पास प्रभावित समुदाय की एक बैठक को संबोधित कर रहे थे। बातचीत के दौरान रेहड़ी-फड़ी संचालकों ने उमेश कुमार को अपनी आजीविका पर आए गंभीर संकट से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि अचानक आई बाढ़ के बाद से जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है खासकर उन लोगों के लिए जो अपने परिवार का भरण-पोषण करने के लिए दैनिक आय पर निर्भर हैं। यहाँ तक कि बाढ़ से सीधे तौर पर प्रभावित न होने वाले व्यक्तियों को भी सामान्य व्यावसायिक गतिविधियों में व्यवधान के कारण अपनी अल्प आय का नुकसान उठाना पड़ा है। उमेश कुमार गब्बर ने उपस्थित लोगों को आश्वासन दिया कि भाजपा समाज के इन मेहनती और हाशिए पर पड़े वर्गों के साथ मजबूती से खड़ी है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पार्टी उनकी कठिनाइयों को पूरी तरह समझती है और उनकी शिकायतों के समाधान के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने हमेशा कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए काम किया है और आगे भी पूरी लगन से काम करती रहेगी। स्थानीय प्रशासन से अपील करते हुए उमेश कुमार ने रेहड़ी-फड़ी संचालकों को तत्काल सहायता प्रदान करने का आग्रह किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि उनके पुनर्वास और आजीविका की बहाली सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए क्योंकि वे कड़ी मेहनत और लगन से अपनी रोजी-रोटी कमाते हैं।

बाढ़ पीड़ितों के लिए विशेष पैकेज जारी करे केंद्र सरकार : नरेंद्र शर्मा

आरएस। पीडीपी के वरिष्ठ नेता नरेंद्र शर्मा ने केंद्र सरकार से मांग करते हुए कहा है कि सरकार बाढ़ पीड़ित लोगों को राहत देने के लिए विशेष पैकेज जारी करे। पीडीपी नेता नरेंद्र शर्मा ने यह बात आरएस पुरा के अलग-अलग गांव का दौरा करने के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए करते कही। सोमवार को पीडीपी नेता नरेंद्र शर्मा ने पंचायत कोटली शाह दुल्ला कस्बे की विभिन्न वार्डों तथा अन्य पंचायत का दौरा किया और कहा कि मौजूदा समय में मूसलाधार बारिश तथा बाढ़ के कारण स्थिति काफी गंभीर बनी हुई है और क्षेत्र में कुछ ऐसे गरीब परिवार हैं जिनके कच्चे मकान गिर चुके हैं और उनके पास राशन तक नहीं है। नरेंद्र शर्मा ने लोगों की भलाई के लिए आगे आ रहे सामाजिक कार्यकताओं की प्रशंसा करते हुए कहा कि अब समय है कि सभी लोग बाढ़ पीड़ित लोगों की मदद के लिए आगे आएं।

इंदौरा में नशा तस्करों के खिलाफ पुलिस की बड़ी कार्रवाई, तीन तस्करों से 20.93 चिट्टा बरामद

एजेंसी (हि.स.)
धर्मशाला

पुलिस जिला नूरपुर द्वारा नशे के विरुद्ध चलाये गये अभियान के तहत बीती रात तीन आरोपियों जिनमें एक महिला नशा तस्कर भी शामिल है, को चिट्टे के साथ गिरफ्तार किया है। यह तीनों ही एक अभ्यस्थ नशा तस्कर हैं और पहले भी इनके खिलाफ कई मामले दर्ज हैं। पुलिस ने इन तीनों से अलग अलग मामलों में 20.93 ग्राम चिट्टा बरामद किया है। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर नशा माफिया के खिलाफ बड़ी कार्यवाही अमल में लाते हुए पुलिस थाना इन्दौरा में नशा तस्करी के 3 मामले दर्ज किए हैं।

पहले मामले में पुलिस ने आरोपी कंसराज पुत्र चमन लाल निवासी तमौटा, तहसील इंदौरा जिला कांगड़ा के रिहायशी मकान गांव तमौटा में छापामारी के दौरान 7.80 ग्राम चिट्टा बरामद करने में सफलता हासिल की है। उक्त आरोपी मादक पदार्थ अधिनियम की धारा 21-61-85 के तहत पांच वर्ष के कठोर कारावास व 50 हजार रुपये जुमार्ने की सजा सुनाई थी। जोकि माननीय उच्च न्यायालय शिमला से जमानत पर रिहा है। इसके खिलाफ पहले से ही नशा तस्करी के इंदौरा और पंजाब के मुकेरियां पुलिस थाना में 9 मामले दर्ज हैं।

इसी तरह दूसरे मामले में आरोपिता पल्लवी पुत्री जम्मो निवासी तमौटा, तहसील इंदौरा जिला कांगड़ा के रिहायशी मकान गांव तमौटा में छापामारी के दौरान 6.3 ग्राम चिट्टा बरामद करने में सफलता हासिल की है।

तीसरे मामले में आरोपी जनक राज पुत्र चमन लाल निवासी तमौटा, तहसील इंदौरा जिला कांगड़ा के रिहायशी मकान गांव तमौटा में छापामारी के दौरान 7.6 ग्राम चिट्टा व 10,500 रुपये नगद बरामद करने में सफलता हासिल की है। इसके खिलाफ नशा तस्करी के चार मामले पहले ही दर्ज हैं। पुलिस ने इन तीनों आरोपितों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत पुलिस थाना इन्दौरा में दर्ज किया गया है।

उधर एसपी नूरपुर अशोक रत्न ने बताया कि जिला पुलिस नूरपुर न्याय दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है और यह सफलता पुलिस की सतर्कता और पेशेवर कार्यशैली का प्रमाण है। भविष्य में भी नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ जिला पुलिस नुरपुर का अभियान जारी रहेगा।

मौसम ने दिल्ली में ही रोके धर्मगुरु दलाई लामा के कदम, नही पंहुच पाए धर्मशाला

एजेंसी (हि.स.)
धर्मशाला

मौसम ने बौद्ध धर्मगुरू दलाई लामा के कदम दिल्ली में ही रोक दिए हैं। दलाईलामा ने सोमवार को अपने निवास स्थान धर्मशाला मैक्लोडगंज वापिस पहुंचना था। लेकिन कांगड़ा में बारिश का रेड अलर्ट होने और मैक्लोडगंज सड़क के क्षतिग्रस्त होने सहित अन्य कारणों को देखते हुए दलाईलामा की यात्रा को फिलहाल स्थगित कर दिया गया है। यह भी माना जा रहा है कि ऐसे मौसम और खराब सड़कों के बीच दलाईलामा को दोबारा दिल्ली या अन्य स्थानों पर जाना पड़े तो मुश्किल हो सकता है। ऐसे में अब उनके घर वापस के अगले शेडयूल का इंतजार किया जा रहा है।

गौरतलब है कि धर्मगुरु दलाई लामा पिछले करीब डेढ़ महीने से लद्दाख की यात्रा पर थेम बीते तीन दिन पहले ही वह लद्दाख से दिल्ली पहुंचे हैं लेकिन मौसम की खराबी के चलते वह आज मैकलोडगंज नहीं पहुंच सके।

आंगनवाड़ी सहायिका के रिक्त पदों के लिए आवेदन आमंत्रित

एजेंसी (हि.स.)
मंडी

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा संचालित समेकित बाल विकास सेवायें योजना के अंतर्गत प्रदान की जा रही सेवाओं के सुचारू संचालन के लिए बाल विकास परियोजना अधिकारी कार्यालय द्रंग में आंगनबाड़ी केंद्रों में आंगनवाड़ी सहायिका के रिक्त पद भरे जाने हैं। बाल विकास परियोजना अधिकारी द्रंग कुन्दन हाजरी ने बताया कि रिक्त पदों को भरने के लिए इच्छुक उम्मीदवारों से आवेदन अपेक्षित हैं।

उन्होंने बताया कि यह पद आंगनबाड़ी केंद्र चलौटी, कुम्हारडा, कारंझ, मलन, धनेड, सूही ,में आंगनबाड़ी सहायिका के पद रिक्त हैं, जिसके लिए इच्छुक उम्मीदवार सादे कागज पर अपने पूर्ण विवरण सहित 04 अक्टूबर 2025 को शाम 5 बजे तक उनके कार्यालय में आवेदन जमा करवा सकते हैं और सभी उम्मीदवार साक्षात्कार के लिए 13 अक्टूबर 2025 को उपमंडलाधिकारी नागरिक जोगिंद्रनगर जिला मंडी में सुबह 11 बजे अपने मूल दस्तावेज सहित उपस्थित होना होगा।

उन्होंने बताया कि जिस आंगनबाड़ी केंद्र हेतु आवेदन किया है, प्रार्थी का नाम उस आंगनबाड़ी केंद्र के परिवारों की सूची में शामिल होना आवश्यक है। साथ ही आवेदनकर्ता की आयु 4 अक्टूबर 2025 को 18 से 35 वर्ष के मध्य होनी आवश्यक है। उन्होंने बताया कि आंगनबाड़ी सहायिका के पदों के लिए शैक्षणिक योग्यता बारहवीं पास निर्धारित है। इसके साथ ही उम्मीदवार की पारिवारिक वार्षिक आय 50,000 से अधिक नहीं होनी चाहिए।

बारिश से प्रभावित जम्मू को केंद्रीय गृह मंत्री के दौरे के दौरान ठोस राहत पैकेज की उम्मीद : सधोत्रा

एजेंसी (हि.स.)
जम्मू

नेशनल कॉन्फ्रेंस के अतिरिक्त महासचिव और पूर्व मंत्री अजय कुमार सधोत्रा ने आज कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के दौरे से जम्मू में हाल ही में आई प्राकृतिक आपदाओं से हुए भारी नुकसान से जूझ रहे लोगों के लिए ठोस राहत पैकेज जारी होने की उम्मीद जगी है।

सुंजवान राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में हाल ही में आई बाढ़ से प्रभावित इलाकों के दौरे के दौरान लोगों से बातचीत करते हुए उन्होंने यह बात कही। जहाँ पर सरकार द्वारा पीड़ितों के लिए शिविर लगाया गया है और निचले बर्निनी का भी दौरा किया। इस दौरान शिविर के लोगों ने प्रशासन द्वारा प्रदान की जा रही सुविधाओं की सराहना की। सधोत्रा ने कहा यह दिखावे या प्रतीकात्मकता का समय नहीं है। जम्मू के लोग सहानुभूति, आश्वासन और तत्काल कार्रवाई के लिए देश के सर्वोच्च सत्ताधारियों की ओर देख रहे हैं। वे केवल शब्दों के नहीं बल्कि एक ठोस, उदार राहत और पुनर्वास पैकेज के हकदार हैं।

व्यापक तबाही पर प्रकाश डालते हुए सधोत्रा ने कहा कि पिछले कुछ हफ़्तों में प्रकृति के प्रकोप ने विनाश के ऐसे निशान छोड़े हैं जो हृदयविदारक और चिंताजनक दोनों हैं। कई इलाके बह गए हैं, घर मलबे में तब्दील हो गए हैं और कृषि क्षेत्र नष्ट हो गए हैं। बुनियादी ढाँचे, सड़कों, पुलों और सार्वजनिक उपयोगिताओं के नुकसान ने संकट को और बढ़ा दिया है जिससे लोग आवश्यक आपूर्ति और सेवाओं से कट गए हैं। उन्होंने आगे कहा कि सबसे बढ़कर विभिन्न स्थानों पर मानव जीवन की दुखद क्षति ने अनगिनत परिवारों पर दुःख और निराशा की लंबी छाया डाल दी है।

सधोत्रा ने कहा कि ऐसी असाधारण परिस्थितियों में असाधारण उपायों की आवश्यकता होती है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि केंद्र सरकार पीड़ितों को मुआवजा देने, क्षतिग्रस्त बुनियादी ढाँचे के पुनर्निर्माण और बाढ़ नियंत्रण एवं आपदा तैयारी के लिए दीर्घकालिक उपाय सुनिश्चित करने हेतु एक उदार और व्यापक पैकेज की घोषणा करेगी। उन्होंने आगाह किया कि विभिन्न क्षेत्रों में हुए भारी नुकसान को देखते हुए केवल सांकेतिक सहायता पर्याप्त नहीं होगी।

दैनिक सिटी दर्पण आईना सच का

नवोन्मेषक: स्व. कृष्णा शर्मा
स्व. गीता शर्मा
संस्थापक: सतपॉल शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक भुपेंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट नं. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एवं 801/1 सेक्टर-40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित- 160036

सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।

स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।
संपर्क: 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

माननीय राज्यपाल हरियाणा प्रो0 असीम कुमार घोष ने 5 टीबी रोगियों को निक्षय मित्र के रूप में अपनाया

संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के माननीय राज्यपाल श्री असीम कुमार घोष व उनकी धर्मपत्नी श्रीमती मित्रा घोष ने राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम (छज्म्च) के तहत 5 टीबी रोगियों को पोषण संबंधी सहायता प्रदान करके गोद लिया। इस कार्यक्रम में राज्य टीबी अधिकारी डा0 राजेश राजू और डब्ल्यूएचओ के नोमिनी डा0 सुखवंत ने राज्यपाल को प्रदेश में चल रहे टीबी अभियान की वर्तमान स्थिति के बारे में अवगत करवाया।

राज्यपाल प्रो0 असीम कुमार घोष ने सोमवार को हरियाणा राजभवन में निक्षय मित्र के रूप में पंजीकरण करवाया और 5 टीबी रोगियों को गोद लिया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश को टीबी मुक्त अभियान में हर प्रकार की सहायता के लिए वे तैयार हैं। उन्होंने समाज के प्रत्येक वर्ग को इस अभियान में साथ आने और टीबी रोगियों व उनके परिवारों को इस बीमारी के खिलाफ उनकी लड़ाई में समर्थन देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, ह्यआइए, हम सब मिलकर एक टीबी मुक्त समुदाय का निर्माण करें।

उन्होंने कहा कि सामुदायिक सहायता कार्यक्रम -निक्षय मित्र को 9 सितंबर, 2022 को माननीया राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू द्वारा ह्यप्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियानह्य के तहत लॉन्च किया गया था। इस पहल का उद्देश्य टीबी के इलाज के दौरान पोषण, जांच और व्यावसायिक सहायता के लिए अतिरिक्त सहायता प्रदान करके टीबी रोगियों के इलाज के परिणामों में सुधार करना है।

उन्होंने कहा कि हरियाणा में, इस पहल की शुरूआत 17 सितंबर, 2022 को की गई थी। प्रथम चरण में हरियाणा प्रदेश के लगभग 2200 गांव टीबी मुक्त हो चुके हैं। इसी प्रकार समस्त हरियाणा को टीबी मुक्त करने के लिए हरियाणा सरकार सराहनीय कार्य कर रही है। यह पहल समुदाय के विभिन्न सदस्यों, जैसे कि व्यक्तियों, गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ), कॉर्पोरेट संस्थाओं, स्वयं सहायता समूहों और धार्मिक संगठनों को ह्यनिक्षय मित्रह्य के रूप में टीबी रोगियों को गोद लेने के लिए प्रोत्साहित करती है। राज्यपाल ने प्रदेश के सभी टीबी मरीजों के लिए संभावित दानदाताओं को इस लड़ाई में समर्थन देने का आह्वान किया, ताकि हर मरीज को पूर्ण पोषण मिल सके और उनका उपचार सफलतापूर्वक संपन्न हो सके। उन्होंने कहा कि यह एक सामूहिक प्रयास है जो टीबी को जड़ से खत्म करने के लिए आवश्यक है। यह कार्यक्रम टीबी मुक्त हरियाणा की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है। सभी के सहयोग और जनभागीदारी से हम जल्द ही हरियाणा को टीबी मुक्त राज्य बनाने में सफल होंगे।

इस दौरान राज्यपाल के सचिव श्री डी.के बेहरा, वरिष्ठ निजी सचिव श्री जगन नाथ बैंस, डा0 राकेश तलवार, स्टेट टीबी प्रोग्रामर डा0 जसकिरत, डा0 संदीप छाबड़ा, जिला टीबी अधिकारी भी उपस्थित रहे।

चीन का ड्रैगन तेजी का निशान , भारत का हाथी' विशालता और शक्ति की पहचान

अनिल गोयल
लाडवा

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बणी के लैक्चरार पंकज वधवा ने कहा कि चीन के प्रधानमंत्री जिनपिंग के शब्द कि 'ड्रैगन और हाथी को साथ आना चाहिए' मेरे इस उपरोक्त दोहे को सशक्त बनाते हैं । तथाकथित वैश्विक दादा अमेरिका की टैरिफ नीति हर उभरने वाली अर्थव्यवस्था के लिए नागवार गुजरी है और भारत जैसी बड़ी और तेजी से उभरने वाली अर्थव्यवस्था के स्वास्थ्य के लिए एक वायरस की तरह है जो अमेरिका स्वयं के लिए ही भविष्य में घातक सिद्ध होगी यह बात शायद अभी जंप माफी चाहूंगा 'ट्रंप' महोदय की समझ से परे है ।बहरहाल चीन के तिआंजिन में रउड(शंघाई सहयोग संगठन) की बैठक में दोनों देशों के प्रमुख की मुलाकात भविष्य की दिशा तय करेगी, इससे पहले भी दोनों देश रूस के कजान में(ब्रिक्स सम्मेलन) पिछले वर्ष एक सकारात्मक मुलाकात कर चुके हैं लेकिन इस बार की मुलाकात काफी अहम है क्योंकि अमेरिका पूरे विश्व में आर्थिक ध्रुवीकरण की और अग्रसर है चाहे

भविष्य में भले ही उसका यह प्रयास सफल न हो । अब यहां कुछ बातें समझना जरूरी हो जाता है वो ये कि चीन एक निर्यातक अर्थव्यवस्था है जबकि भारत पूरे विश्व के लिए एक विशाल और खुला बाजार जिसका चीन फायदा उठा सकता है क्योंकि भारत पहले ही व्यापार घाटे का सामना कर रहा है और ऐसी स्थिति में अगर वो चीन को अपना बाजार थाली में परोस कर आगे कर देता है तो यह भारत के लिए स्वस्थ विकल्प नहीं होगा । भारत को भी मजबूती के साथ चीन को यह चेताना पड़ेगा कि वह भी अपने बाजार भारत के निर्यातकों के लिए स्वस्थ प्रतियोगिता के तहत खोले । यहां एक समस्या और भी है कि चीन भारत के धुर विरोधी पाकिस्तान का पुराना घनिष्ठ मित्र है , चीन की पाकिस्तान के लिए मोहब्बत जगजाहिर है, अभी पिछले दिनों 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान चीन ने ही पाकिस्तान को हथियार भेजे थे ।इन सभी परिदृश्यों को देखते हुए एक बात तो स्पष्ट है कि चीन के दोनों हाथों में लड्डू हैं और वो अब भारत के साथ तथाकथित मैत्रीपूर्ण संबंध स्थापित कर एक तीर से कईं निशाने साधने में लगा है ।इन सभी के बीच भारत को पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद से भी लड़ना है जिसके लिए वर्तमान परिप्रेक्ष्य में और सावधानी और सतर्कता की जरूरत होगी । इसमें कोई शक नहीं कि भारत आर्थिक और सैन्य रूप से एक शक्ति बनकर उभरा है परंतु भविष्य की आने वाली अनसुनी आहटों से सावधान रहना होगा ।

जिला स्तरीय स्केटिंग प्रतियोगिता में किया शानदार प्रदर्शन

संवाददाता
लाडवा

सहारा इंटरनेशनल स्कूल की छात्राओं ने अपनी प्रतिभा और कठिन परिश्रम से एक बार फिर विद्यालय का नाम रोशन किया है। हाल ही में आयोजित जिला स्तरीय स्केटिंग प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए पांचवीं कक्षा की दृष्टि व रूपाक्षी ने स्टेट लेवल स्केटिंग टूनामेंट के लिए क्वालिफाई किया। उनकी इस उपलब्धि पर विद्यालय प्रबन्धक विक्रांत अग्रवाल व गीतिका अग्रवाल ने बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि उनकी मेहनत, अनुशासन और शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है। उन्होंने विश्वास जताया कि हमारे छात्राएँ राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में भी अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन कर विद्यालय और अभिभावकों का नाम रोशन करेंगी। विद्यालय की उप प्रधानाचार्या रितु गोगिया ने भी विजेता छात्राओं को शुभकामनाएँ देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

लाडवा शराब ठेका पर फायरिंग की कोशिश मामले में 4 और आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता
लाडवा

अपराधिक वारदातो पर अंकुश लगाने व अपराधियों की धर पकड के लिये कुरुक्षेत्र पुलिस निरंतर कार्य कर रही है। जिला पुलिस ने पुलिस अधीक्षक के कुशल मार्ग-दर्शन में लाडवा शराब ठेका पर फायरिंग की कोशिश मामले में 4 और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जिला पुलिस की अपराध अन्वेषण शाखा-2 की टीम ने मामले में अरमान, करण, अभिषेक उर्फ नानू व सतनाम सिंह वासीयान बकाली जिला कुरुक्षेत्र को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।

जानकारी देते हुए अपराध अन्वेषण शाखा-2 प्रभारी निरीक्षक मोहन लाल ने बताया कि 26 अगस्त को अपराध अन्वेषण शाखा-2 की टीम अपराध तलाश के सम्बन्ध में लाडवा एरिया में गश्त पर थी। पुलिस टीम को

सूचना मिली थी कि एक संदिग्ध व्यक्ति जिसके पास अवैध असला हैं जो गांव बकाली से सम्भालखा रोड पर किसी बडी वारदात को अंजाम देने के लिए घुम रहा है। सूचना पर पुलिस टीम लाडवा से सम्भालखा रोड पर पहुंची जहां पर एक संदिग्ध व्यक्ति दिखाई दिया। पुलिस टीम ने द्वारा रुकने का इशारा करने पर आरोपी ने पुलिस टीम पर फायरिंग की थी। पुलिस जवाबी फायरिंग में आरोपी मानसा वासी हरविंद्र सिंह के पैर में गोली लगने से आरोपी घायल हो गया था। आरोपी की तलाशी लेने पर आरोपी से 2 पिस्टल देशी, 4 जिन्दा रौंद बरामद हुआ तथा मौका से 3 खोल, 1 सिक्का बरामद हुआ था। आरोपी के खिलाफ थाना लाडवा में मामला दर्ज करके जांच की गई। 31 अगस्त 2025 को अपराध अन्वेषण शाखा-2 प्रभारी निरीक्षक मोहन लाल के मार्ग निर्देश में उप निरीक्षक रणधीर सिंह, सहायक उप निरीक्षक सुरेन्द्र कुमार, लखन सिंह, मुख्य सिपाही नरेश कुमार, ललित व मुख्य सिपाही सुरेन्द्र कुमार की टीम ने मामले में आगामी कारवाई करते हुए मामले में शामिल आरोपी अरमान, करण, अभिषेक उर्फ नानू व सतनाम सिंह वासीयान बकाली जिला कुरुक्षेत्र को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों को माननीय अदालत में पेश करके अदालत के आदेश से 3 दिन की पुलिस रिमांड पर लिया गया।

संक्षिप्त-समाचार

राज्यपाल ने 5 टीबी रोगियों को ह्यनिक्षय मित्रह्य के रूप में अपनाया

चंडीगढ़। हरियाणा के राज्यपाल श्री असीम कुमार घोष व उनकी धर्मपत्नी श्रीमती मित्रा घोष ने राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम (ठळएढ) के तहत 5 टीबी रोगियों को पोषण संबंधी सहायता प्रदान करके गोद लिया। इस कार्यक्रम में राज्य टीबी अधिकारी डॉ राजेश राजू और डब्ल्यूएचओ के नोमिनी डॉ सुखवंत ने राज्यपाल को प्रदेश में चल रहे टीबी अभियान की वर्तमान स्थिति के बारे में अवगत करवाया। राज्यपाल प्रो0 असीम कुमार घोष ने सोमवार को हरियाणा राजभवन में ह्यनिक्षय मित्रह्य के रूप में पंजीकरण करवाया और 5 टीबी रोगियों को गोद लिया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हरियाणा को टीबी मुक्त अभियान में हर प्रकार की सहायता के लिए वे तैयार हैं। उन्होंने समाज के प्रत्येक वर्ग को इस अभियान में साथ आने और टीबी रोगियों व उनके परिवारों को इस बीमारी के खिलाफ उनकी लड़ाई में समर्थन देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सामुदायिक सहायता कार्यक्रम -ह्यनिक्षय मित्रह्य को 9 सितंबर, 2022 को राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मूर्मू द्वारा ह्यप्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियानह्य के तहत लॉन्च किया गया था। इस पहल का उद्देश्य टीबी के इलाज के दौरान पोषण, जांच और व्यावसायिक सहायता के लिए अतिरिक्त सहायता प्रदान करके टीबी रोगियों के इलाज के परिणामों में सुधार करना है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में इस पहल की शुरूआत 17 सितंबर, 2022 को की गई थी। प्रथम चरण में हरियाणा प्रदेश के लगभग 2200 गांव टीबी मुक्त हो चुके हैं। इसी प्रकार समस्त हरियाणा को टीबी मुक्त करने के लिए हरियाणा सरकार सराहनीय कार्य कर रही है। इस दौरान राज्यपाल के सचिव श्री डी.के बेहरा भी उपस्थित थे।

बिहार एसआईआर 2025 में दावे-आपत्तियों की प्रक्रिया संपन्न, बड़ी संख्या में आवेदन

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री ए. श्रीनिवास ने जानकारी देते हुए बताया कि बिहार एसआईआर 2025 के अंतर्गत प्रारूप निर्वाचक नामावली पर दावे और आपत्तियां दर्ज करने की प्रक्रिया 1 अगस्त से शुरू होकर 1 सितम्बर को संपन्न हुई। इस अवधि में विभिन्न राजनीतिक दलों और मतदाताओं द्वारा नाम जोड़ने एवं हटाने के लिए दावे और आपत्तियां प्रस्तुत की गईं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, राजनीतिक दलों की ओर से अब तक कुल 1 लाख 60 हजार 813 बीएलए नियुक्त किए गए हैं, जिनके माध्यम से 25 दावे नाम जोड़ने हेतु और 119 आपत्तियां नाम हटाने हेतु प्राप्त हुई हैं। इन पर अभी निस्तारण शेष है। निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) को सीधे तौर पर कोई दावा या आपत्ति प्राप्त नहीं हुई। वहीं, मतदाताओं की ओर से सीधे प्राप्त दावों में 36 हजार 475 दावे नाम जोड़ने के लिए तथा 2 लाख 17 हजार 49 आपत्तियां नाम हटाने के लिए दर्ज हुई हैं। इनमें से 40 हजार 630 का निस्तारण किया जा चुका है। इसके अलावा 18 वर्ष या उससे अधिक आयु के नए मतदाताओं से फॉर्म-6 और घोषणा पत्र के माध्यम से कुल 16 लाख 56 हजार 886 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 91 हजार 462 का निस्तारण किया गया है। उल्लेखनीय है कि नियमों के अनुसार, दावों और आपत्तियों का निस्तारण संबंधित ईआरओ या एईआरओ द्वारा पात्रता की जांच के उपरांत ही किया जाएगा तथा सात दिन की अनिवार्य नोटिस अवधि पूर्ण होने से पहले निस्तारण नहीं किया जाएगा। 1 अगस्त को प्रकाशित प्रारूप सूची में किसी भी नाम को बिना उचित जांच और सुनवाई के हटाया नहीं जा सकता। सम्मिलित या हटाए गए नामों की सूची कारण सहित जिला स्तर पर संबंधित अधिकारियों की वेबसाइट तथा मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी की वेबसाइट पर उपलब्ध है। यदि किसी व्यक्ति को सूची से संबंधित कोई आपत्ति है तो वह अपने दावे के साथ आधार कार्ड की प्रति प्रस्तुत कर सकता है।

योगाचार्य कमल किशोर ने योगासन प्रतियोगिता में जीता स्वर्ण पदक

लाडवा। लाडवा के योगाचार्य कमल किशोर ने जींद में आयोजित वरिष्ठ बी योगासन प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीतकर अपने माता पिता, पुरे लाडवा (कुरुक्षेत्र) का नाम रोशन किया। लाडवा शहर के लिए यह गौरव का विषय है जब लाडवा के योगाचार्य कमल किशोर जिन्होंने जींद में आयोजित राज्य स्तरीय योग प्रतियोगिता में भाग लिया। वहां पर उन्होंने सभी प्रतिभागियों को पीछे छोड़ते हुए प्रथम स्थान के साथ स्वर्ण पदक जीता और राष्ट्रीय स्तरीय योग प्रतियोगिता छत्तीसगढ़ में हरियाणा का प्रतिनिधित्व करने के लिए अपना स्थान बनाया। कमल किशोर ने बताया कि हरियाणा सरकार की मुहिम योग युक्त नशा मुक्त हरियाणा का सपना जो युवा पीढ़ी के योग से जुड़कर ही पूरा हो सकता है और योग को ओलंपिक तक ले जाने का जो सपना है। वह चाहते हैं कि वह उसे पूरा होती देखना चाहते हैं।

हरियाणा में भारी बारिश की चेतावनी, फील्ड अधिकारियों को मुख्यालय पर बने रहने के निर्देश

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने भारी बारिश की चेतावनी के बीच सभी फील्ड अधिकारियों को मुख्यालय पर बने रहने और 5 सितम्बर तक कड़ी निगरानी रखने के निर्देश निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी ने आज सभी सभी मंडल आयुक्तों, रेंज आईजीपी, एडीजीपी, उपायुक्तों, पुलिस अधीक्षकों तथा सब-डिवीजन मजिस्ट्रेट को लिखे एक पत्र में कहा है कि भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) द्वारा आगामी दिनों में राज्य के विभिन्न हिस्सों में भारी बारिश की संभावना जताई है और स्थानीय स्तर पर बाढ़ की आशंका भी जताई गई है। इसलिए इस अवधि में मुख्य सचिव या गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव स्तर पर स्वीकृति के बिना, किसी भी अधिकारी को अवकाश की अनुमति न दी जाए।

रेवाड़ी जिले में 6 स्वास्थ्य परियोजनाओं का कार्य शुरू

चंडीगढ़। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव के नेतृत्व में प्रदेश में स्वास्थ्य ढांचे को सुदृढ़ करने की दिशा में बड़े कदम उठाए जा रहे हैं। रेवाड़ी जिले के कोसली विधानसभा क्षेत्र में लगभग 2.93 करोड़ रुपये की लागत से उप-स्वास्थ्य केंद्रों और ब्लॉक प्राथमिक स्वास्थ्य इकाई के निर्माण कार्य शुरू हो गए हैं। जाटूसाना ब्लॉक के चौकी नं. 2 गांव, डहिना ब्लॉक के मौतला कलां गांव और नाहड़ ब्लॉक के लूखी गांव में उप-स्वास्थ्य केंद्रों का कार्य प्रगति पर है। इसके साथ ही, नाहड़ ब्लॉक के कोसली गांव में एक ब्लॉक प्राथमिक स्वास्थ्य इकाई का निर्माण किया जा रहा है।

संबंधित एजेंसियां करेंगी व्यापक वृक्षारोपण: अनिल विज

संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री श्री अनिल विज ने बताया कि केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी ने हरियाणा में राष्ट्रीय राजमार्गों के सौंदर्यकरण के लिए बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं।

केंद्रीय मंत्री द्वारा राज्य सरकार को भेजे गए पत्र में स्पष्ट किया गया है कि राष्ट्रीय राजमार्गों के किनारों पर वृक्षारोपण और सौंदर्यकरण का कार्य मानसून सत्र के दौरान उपलब्ध स्थान के अनुसार एजेंसियों अथवा राज्य के वन विभाग के माध्यम से किया जाएगा। इस वर्ष भी आगामी वर्षा ऋतु में बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण किया जाएगा, जिसके लिए क्षेत्रीय इकाइयों को दिशा-निर्देश पहले ही जारी किए जा चुके हैं।

- एनएचएआई के प्रयासों से हाल के वर्षों में हरियाणा में बने कई महत्वपूर्ण राष्ट्रीय राजमार्ग
- वृक्षारोपण से पर्यावरण संरक्षण और सड़कों की सुंदरता में होगी वृद्धि

गौरतलब है कि हाल ही में श्री अनिल विज ने राष्ट्रीय राजमार्गों के सौंदर्यकरण को लेकर नितिन गडकरी को पत्र लिखा था।

उन्होंने उल्लेख किया कि केंद्रीय मंत्री के मार्गदर्शन और भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के प्रयासों से हरियाणा में पिछले वर्षों में कई महत्वपूर्ण राष्ट्रीय राजमार्ग बने हैं। इनमें 152-डी, जम्मू-कटरा एक्सप्रेसवे, पानीपत-रोहतक, अम्बाला-हिसार और पंचकूला-यमुनानगर मार्ग प्रमुख हैं। इन सड़कों के निर्माण से प्रदेशवासियों को बड़ी सुविधा मिली है।

श्री अनिल विज ने इन राष्ट्रीय राजमार्गों की सौगात के लिए केंद्रीय मंत्री का आभार व्यक्त किया और कहा कि राजमार्गों के किनारों पर वृक्षारोपण से पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा और सड़कों की सुंदरता में वृद्धि होगी।

प्रदेश में भारी बारिश की स्थिति को लेकर सरकार पूरी तरह से अलर्ट: डॉ. अरविंद शर्मा

संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि प्रदेश में हो रही भारी बारिश के चलते लोगों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए सरकार पूरी तरह से अलर्ट है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे लोगों की मदद करें और जहां भी जलभराव की सूचना मिले, तुरंत मौके पर पहुंचकर पानी निकासी की व्यवस्था करें।

उन्होंने जिला अधिकारियों से स्टेटस रिपोर्ट मांगी और कहा कि सभी अधिकारी-कर्मचारी 24 घंटे अलर्ट मोड में रहें। सोमवार को रोहतक में डॉ. शर्मा ने बारिश की स्थिति को लेकर अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने बताया कि भारी बारिश को देखते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अपना विदेशी दौरा स्थगित कर दिया है

- जिला अधिकारियों से मांगी स्टेटस रिपोर्ट, 24 घंटे अलर्ट मोड पर रहें कर्मचारी

और स्थिति की स्वयं मॉनिटरिंग कर रहे हैं।

डॉ. शर्मा ने कहा कि लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है और सभी एक-दूसरे की मदद करें। प्रशासन पूरी तरह से जनता के साथ खड़ा है। उन्होंने फोन पर अधिकारियों से जलभराव की स्थिति की जानकारी भी ली। साथ ही एनएचएआई अधिकारियों से संपर्क कर सांपला स्थित हाईवे के पास जलभराव की समस्या का तुरंत समाधान करने के निर्देश दिए।

बाल आश्रम के संचालकों का धरना पांचवें दिन में हुआ प्रवेश

संवाददाता
लाडवा

बाल आश्रम के संचालक शीश पल मढ़ान ने कहा कि अपनी मांगों को लेकर आज जीवन मे विश्वास संस्था साक्षी बाल कुंज लाडवा मे पाँचवे दिन भी अनशन जारी रहा। उन्होंने कहा कि संचालक व स्टाफ सदस्य बारिश मे भी बाहर बैठे रहे।

लेकिन प्रशासन ने आज तक कोई गौर नहीं किया और अधिकारी 5 दिन से सोए हुए हैं। उन्होंने रोष भरे शब्दों में कहा कि बाल आश्रम मे किसी ने भी आकर उन की कोई सूझ बुझ नहीं ली। उन्होंने कहा कि जब सीएम सिटी लाडवा का ये हाल है तो पूरे हरियाणा प्रदेश का क्या हाल होगा। संस्था मे जब तक अनुदान राशि, स्टाफ सैलरी, बाल आश्रम की सडक, और बिजली का ट्रांसफार्मर नहीं हटेगा तब तक ये अनशन जारी रहेगा और बच्चों के जरूरी दस्तावेज बनवाये जाए ताकी उनको भविष्य मे कोई परेशानी का सामना ना करना पड़े। उन्होंने सरकार से मांग करते हुए कहा कि अनाथ बच्चों के हितों को देखते हुए सरकार को उनकी मांगे अति शीघ्र मान लेनी चाहिए।

अधिकारियों को दिए पानी निकासी के आदेश

राज्य सरकार किसानों के साथ: कृष्ण कुमार बेदी

संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री श्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि प्रदेश में लगातार हो रही बारिश रूपी प्राकृतिक आपदा के दौरान राज्य सरकार पूर्ण रूप से किसानों के साथ खड़ी है। बारिश से प्रदेश के इलाकों में अनेक जगह फसलों में जलभराव की स्थिति बनी हुई है, जिसमें नरवाना विधानसभा क्षेत्र के भी कई गांव प्रभावित है। इस विपरीत स्थिति में किसान को चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। बरसाती पानी से होने फसल या पशुधन इत्यादि नुकसान की भरपाई सरकार द्वारा की जाएगी।

कैबिनेट मंत्री श्री कृष्ण कुमार बेदी ने सोमवार को नरवाना के उझाना के बुर्जी नम्बर 85 पर लगे पम्पसेट का दौरा किया, इस दौरान उन्होंने किसानों से बातचीत भी की। उन्होंने धमतान डिस्ट्रीब्यूटरी पर संचालित पम्पसेट का

अधिकारियों की टीम के साथ मुआयना किया और जल निकासी के कार्य का जायजा लिया। श्री बेदी ने मौके पर मौजूद विभागीय अधिकारियों को पानी निकासी के कार्य को सुचारू रूप से निरंतर जारी रखने के निर्देश दिए।

कैबिनेट मंत्री को अधिकारियों ने बताया कि इन पम्पसेटों से प्रति सैकेंड 70 क्यूसेक पानी निकासी हो रही है। इनमें 20-20 क्यूसेक पानी निकासी क्षमता के दो पम्पसेट तथा 10-10 क्यूसेक पानी निकासी क्षमता के तीन सेट सुचारू रूप से संचालित है। इनसे उझाना, नेपेवाला, कोयल, कुराड़, दुब्बल सहित 5 गांवों के खेतों से बरसाती पानी की निकासी की जा रही है। कैबिनेट मंत्री श्री कृष्ण कुमार बेदी ने मौके पर मौजूद उझाना सहित आस-पास के गांवों से आए हुए किसानों से भी बातचीत की और बारिश की वजह से हो रहे फसल नुकसान के बारे में जाना। उन्होंने कहा कि आपदा की इस घड़ी में सरकार व प्रशासन किसानों के साथ है। किसान सरकार ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल पर अपने प्रभावित रकबा का ब्यौरा अपलोड करें ताकि उनके नुकसान की भरपाई संभव हो सके। उन्होंने किसानों, मजदूरों सहित आमजन से अनुरोध किया कि वे इन विपरीत हालात में संयम व भाईचारा बनाए रखें।

संपादकीय

ईंधन से पहले हेलमेट ! यू पी सरकार का ऐतिहासिक कदम लाखों जिंदगियां बचाने की तैयारी

जी हां उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने सड़क सुरक्षा को लेकर एक ऐतिहासिक पहल की है। 1 सितंबर 2025 से पूरे प्रदेश में 'नो हेलमेट-नो फ्यूल' अभियान शुरू कर दिया गया है। इस अनूठे नियम के तहत अब किसी भी पेट्रोल पंप पर उन लोगों को ईंधन उपलब्ध नहीं कराया जाएगा, जो दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट नहीं पहनते। यह कदम न सिर्फ सड़क हादसों में कमी लाने की दिशा में अहम माना जा रहा है, बल्कि यह आमजन में सुरक्षा के प्रति गंभीर चेतना जगाने का भी काम करेगा। याद रहे भारत सड़क दुर्घटनाओं के मामले में दुनिया के सबसे प्रभावित देशों में शामिल है। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो की ताजा रिपोर्ट बताती है कि हर साल देश में लगभग 1.5 लाख लोगों की मौत सड़क हादसों में होती है। इनमें से बड़ी संख्या दोपहिया चालकों और सवारियों की होती है, जिनमें से अधिकांश ने हेलमेट नहीं पहना होता। उत्तर प्रदेश भी इस समस्या से अछूता नहीं है। राज्य में प्रतिवर्ष हजारों लोग सड़क दुर्घटनाओं का शिकार होते हैं। हेलमेट न पहनने की आदत न केवल व्यक्तिगत लापरवाही है, बल्कि यह पूरे परिवार को संकट में डाल देती है। 'नो हेलमेट-नो फ्यूल' अभियान का मुख्य उद्देश्य लोगों को अनिवार्य रूप से हेलमेट पहनने की आदत डालना है। सरकार का मानना है कि केवल चालान काटने या दंड लगाने से लोग ज्यादा देर तक नियमों का पालन नहीं करते। लेकिन जब हेलमेट न पहनने पर ईंधन ही नहीं मिलेगा, तो यह सीधे तौर पर उनकी रोजमर्रा की जरूरतों को प्रभावित करेगा। इस तरह लोग मजबूरी में सही आदत अपनाने लगेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खुद जनता से अपील की है कि लोग इस अभियान को केवल कानून मानकर न देखें, बल्कि इसे अपने जीवन की सुरक्षा से जोड़ें। उनका कहना है कि 'पहले हेलमेट, बाद में ईंधन' का नियम हर नागरिक के लिए एक तरह से जीवन बीमा है। सरकार ने पेट्रोल पंप मालिकों और कर्मचारियों को स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए हैं। पंपों पर इस नियम का सख्ती से पालन कराने के लिए निगरानी समितियां भी गठित की गई हैं। प्रशासनिक स्तर पर भी जिलाधिकारियों और पुलिस अधिकारियों को यह जिम्मेदारी दी गई है कि वे सुनिश्चित करें कि अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन हो।

लखनऊ, वाराणसी, कानपुर, गोरखपुर और नोएडा जैसे बड़े शहरों में पहले दिन से ही इस अभियान का असर दिखाई देने लगा। कई जगहों पर बिना हेलमेट पहुंचे बाइक चालकों को ईंधन नहीं दिया गया। परिणामस्वरूप, लोग तत्काल नजदीकी दुकानों से हेलमेट खरीदने पर मजबूर हो गए। यह पहल केवल एक प्रशासनिक नियम भर नहीं है, बल्कि इसे सामाजिक बदलाव की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। सड़क सुरक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि जब तक जनता खुद जागरूक नहीं होगी, तब तक किसी भी कानून का असर स्थायी नहीं होता। यह अभियान लोगों को मजबूर करेगा कि वे अपनी सुरक्षा को प्राथमिकता दें। समय के साथ यह आदत जीवनशैली का हिस्सा बन जाएगी। डॉक्टरों और ट्रैफिक विशेषज्ञों का मानना है कि सड़क दुर्घटनाओं में मौत के मामलों को 40 से 60 प्रतिशत तक कम किया जा सकता है, यदि दोपहिया वाहन चालक और पीछे बैठने वाला व्यक्ति दोनों हेलमेट पहनें। हेलमेट सिर की चोट से बचाता है, जो अक्सर हादसों में मौत या विकलांगता का कारण बनती है। विशेषज्ञ यह भी कहते हैं कि हेलमेट पहनना केवल कानूनी बाध्यता नहीं, बल्कि परिवार और समाज के प्रति जिम्मेदारी भी है। एक व्यक्ति की लापरवाही उसके पूरे परिवार के भविष्य को प्रभावित कर सकती है। जहां सरकार इस पहल को बड़ी उपलब्धि मान रही है, वहीं कुछ लोगों का तर्क है कि इससे पेट्रोल पंपों पर विवाद बढ़ सकते हैं। कई जगहों पर पंप कर्मचारियों और ग्राहकों के बीच बहस की घटनाएं भी सामने आई हैं। हालांकि सरकार का कहना है कि प्रारंभिक असुविधा के बाद लोग इसे आदत बना लेंगे। सामाजिक संगठनों और सड़क सुरक्षा कार्यकताओं ने इस अभियान का स्वागत किया है। उनका मानना है कि यह पहल युवाओं में सबसे अधिक प्रभाव डालेगी, जो अक्सर हेलमेट पहनने को बोझ मानते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि सरकार को जागरूकता अभियान, स्कूलों और कॉलेजों में कार्यशालाएं, टीवी-रेडियो और सोशल मीडिया पर प्रचार जैसे कदम भी उठाने होंगे। जब तक लोग हेलमेट पहनने को फैशन और गर्व की बात नहीं समझेंगे, तब तक यह नियम केवल मजबूरी के तौर पर ही अपनाया जाएगा। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि उत्तर प्रदेश में यह अभियान सफल रहता है, तो अन्य राज्य भी इसे अपना सकते हैं। पहले से ही तमिलनाडु, राजस्थान और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में इस तरह के प्रयोगों की चर्चा हो चुकी है, लेकिन यूपी का मॉडल व्यापक और सख्त माना जा रहा है। उत्तर प्रदेश सरकार का 'नो हेलमेट-नो फ्यूल' अभियान निस्संदेह सड़क सुरक्षा और सामाजिक जागरूकता की दिशा में एक मील का पत्थर है। यह कदम उन लाखों परिवारों की जिंदगी बचा सकता है, जो हर साल सड़क हादसों की त्रासदी झेलते हैं।

मोदी सरकार में डिजिटल इंडिया की इस उपलब्धि को सराहा जाना जरूरी है

डॉ. मयंक चतुर्वेदी (हि.स)

भारत के डिजिटल सफर में एक नया मील का पत्थर जुड़ चुका है। जब कई राज्य सरकारें अब भी अपनी योजनाओं और सेवाओं को एक मंच पर लाने के लिए संघर्ष करती दिखती हैं, तब केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एक ऐसी ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज की है, जिसने नागरिक सेवाओं को पूरी तरह डिजिटल, सरल और सुलभ बना दिया है। राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस प्रभाग (एनईजीडी) ने डिजिलॉकर और ई-डिस्ट्रिक्ट प्लेटफॉर्म को जोड़ते हुए 1900 से अधिक सरकारी सेवाओं का अखिल भारतीय स्तर पर एकीकरण कर दिया, जो निश्चित ही किसी चमत्कार से कम नहीं है। यह कदम न केवल समय और ऊर्जा की बचत करेगा बल्कि भ्रष्टाचार पर भी अंकुश लगाएगा। जब नागरिक सीधे ऑनलाइन सेवाओं तक पहुंच सकते हैं तो बिचौलियों की भूमिका स्वतः समाप्त हो जाएगी।

वस्तुतः आज इसका सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि अब देश का हर नागरिक कहीं भी, कभी भी अपनी आवश्यक सेवाओं तक आसानी से पहुंच सकेगा, बिना किसी भटकाव या अतिरिक्त प्रक्रियाओं के अपने हाथ में थामें मोबाइल फोन के सहारे। यह न केवल सुविधा का प्रश्न है बल्कि सुशासन और पारदर्शिता की दिशा में एक ठोस कदम भी है। इस पहल से नागरिकों का जीवन सरल होगा, उन्हें अपने दस्तावेजों और योजनाओं से जुड़ी जानकारी के लिए अलग-अलग दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे।

देखा जाए तो डिजिटल इंडिया कार्यक्रम का मूल उद्देश्य नागरिकों को सशक्त बनाना और शासन को पारदर्शी बनाना है। यह पहल उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रधानमंत्री मोदी का विजन हमेशा से यही रहा है कि तकनीक का उपयोग केवल सुविधाजनक साधन के रूप में न होकर, यह नागरिकों के अधिकारों और सुविधाओं का सशक्तिकरण भी करे। ई-गवर्नेंस सेवाओं का यह राष्ट्रीय स्तर पर एकीकरण बताता है कि केंद्र सरकार किस तरह से प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए नागरिकों को सीधे और सरल रूप से शासन से जोड़ने का प्रयास कर रही है।

सेवाओं का राष्ट्रीय स्तर पर एकीकरण

वस्तुतः इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) के अंतर्गत आने वाले एनईजीडी ने यह सुनिश्चित किया है कि सभी 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के नागरिक अब एक ही प्लेटफॉर्म से तमाम सेवाओं का लाभ ले सकें। इसमें प्रमाण-पत्रों का निर्गमन, कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी और उनका लाभ, सुविधा केंद्रों के माध्यम से भुगतान और अन्य प्रशासनिक सेवाएं शामिल हैं। इससे शासन व्यवस्था में न केवल तेजी आएगी बल्कि दक्षता और पारदर्शिता भी बढ़ेगी। डिजिटल इंडिया का यह कदम सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) की प्राप्ति में भी महत्वपूर्ण योगदान देगा। कागज रहित और गतिशील प्रशासन की दिशा में यह प्रयोग भविष्य की आवश्यकताओं को देखते हुए और भी प्रासंगिक हो गया है।

इस एकीकरण ने राज्यों के बीच डिजिटल सेवाओं की संख्या को लेकर एक स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का वातावरण भी तैयार किया है। महाराष्ट्र इस मामले में सबसे आगे है, जहां नागरिकों के लिए 254 सेवाएं उपलब्ध कराई गई हैं। इसके बाद दिल्ली 123 सेवाओं के साथ दूसरे स्थान पर है, कर्नाटक 113 सेवाओं के साथ तीसरे पर, असम 102 सेवाओं के साथ चौथे पर और उत्तर प्रदेश 86 सेवाओं के साथ पांचवें स्थान पर है।

केरल और जम्मू-कश्मीर प्रत्येक 77 सेवाएं प्रदान कर रहे हैं, आंध्र प्रदेश में 76, गुजरात में 64, तमिलनाडु और गोवा में 63-63 सेवाएं, हरियाणा में 60 और हिमाचल प्रदेश में 58 सेवाएं उपलब्ध हैं। कुल मिलाकर इस समय 1,938 सेवाएं देशभर के नागरिकों के लिए उपलब्ध हो चुकी हैं। यह संख्या आने वाले समय में और बढ़ेगी, क्योंकि एनईजीडी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी नई तकनीकों को अपनाकर इस पोर्टफोलियो का विस्तार करने की योजना बना रहा है।

डिजिलॉकरः नागरिकों की डिजिटल तिजोरी

डिजिलॉकर, जिसे डिजिलॉकर डॉट जीओवी डॉट इन (Digilocker.gov.in) के माध्यम से एक्सेस किया जा सकता है। इस पूरी व्यवस्था का सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ है। यह प्लेटफॉर्म न केवल डिजिटल दस्तावेजों की सुरक्षा सुनिश्चित करता है, बल्कि अंतर-संचालनीयता और डेटा गोपनीयता की चुनौतियों का समाधान भी करता है। नागरिक अपने आधार कार्ड, पैन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, शैक्षणिक प्रमाणपत्र और अन्य जरूरी दस्तावेज सुरक्षित रूप से डिजिलॉकर में रख सकते हैं।

अब यदि किसी को राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी या प्रमाण-पत्र चाहिए, तो वे सीधे इस वेबसाइट पर जाकर अपनी आवश्यक सेवाओं तक पहुंच सकते हैं। इससे नागरिकों को सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगाने से मुक्ति मिलेगी और सेवा वितरण में पारदर्शिता सुनिश्चित होगी। इसलिए यह कहना गलत नहीं होगा कि यह उपलब्धि नागरिकों के जीवन में प्रत्यक्ष परिवर्तन लाने वाली है। अब किसी छात्र को कॉलेज में दाखिले के लिए प्रमाणपत्र की आवश्यकता हो या किसान को किसी कल्याणकारी योजना का लाभ लेना हो, या किसी कर्मचारी को वेतन पर्ची की जरूरत हो, सब कुछ एक क्लिक में उपलब्ध होगा। डिजिलॉकर डॉट जीओवी डॉट इन के जरिए यह सुनिश्चित हो गया है कि सरकारी सेवाएं नागरिकों की मुट्ठी में हैं।

फिलहाल जो जानकारी इस संबंध में सामने आ रही है, वह यही बताती है कि एनईजीडी अब इस सफलता के आधार पर और आगे बढ़ने की योजना बना रहा है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित समाधानों को अपनाकर सेवाओं का विस्तार किया जाएगा। राज्य स्तर पर संरचित प्रशिक्षण कार्यक्रम और कार्यशालाओं के माध्यम से नागरिकों को और अधिक जागरूक किया जाएगा, ताकि हर नागरिक इन सेवाओं का अधिकतम लाभ उठा सके। साथ ही, नई प्रौद्योगिकियों को अपनाकर सेवाओं को और तेज, सुरक्षित तथा समावेशी बनाया जाएगा।

वास्तव में आज इस बड़ी उपलबधि पर यही कहना होगा कि डिजिलॉकर और ई-डिस्ट्रिक्ट प्लेटफॉर्म का एकीकरण यह साबित करता है कि केंद्र सरकार का डिजिटल इंडिया अभियान केवल नारे तक सीमित नहीं है, बल्कि वह वास्तव में आम नागरिक के जीवन को बदलने का काम कर रहा है। अब आवश्यकता है कि इस सफलता का व्यापक प्रचार-प्रसार हो, ताकि हर नागरिक डिजिलॉकर जैसी सुविधाओं का पूरा लाभ उठा सके।

क्या राजनीति में सस्ती लोकप्रियता का मार्ग अपशब्द हैं

अरुण कुमार दीक्षित (हि.स)

संसदीय व्यवस्था में चुनावों से राष्ट्र का भाग्य तय होता है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक राष्ट्र है। भारत के लोग ही भारत के भाग्य विधाता हैं। निष्पक्ष चुनावों से लोकतांत्रिक व्यवस्था मजबूत होती है। जन गण मन का शासन मिलता है। भारतीय शासन प्रणाली में संसदीय जनतंत्र की महत्वपूर्ण भूमिका है। लोकतंत्र जनता के द्वारा जनता के लिए है। इन निष्पक्ष चुनाव के लिए राष्ट्रपति द्वारा एक चुनाव आयोग के गठन का अधिकार है। यह अधिकार संविधान के भाग 15 में दिया गया है। चुनाव आयोग की नैतिक जिम्मेदारी होती है कि वह निष्पक्ष चुनाव की व्यवस्था बनाए। निष्पक्ष चुनाव कराए। राजनीतिक दल चुनावों में भागीदारी करते हैं। बहुमत या गठबंधन से सरकारें बनाते हैं। कई बार गठबंधन से बनने वाली सरकारों पर सौदेबाजी के आरोप लगते हैं। संविधान प्रत्येक वयस्क भारतीय को मताधिकार का अधिकार देता है।

विषय बिहार राज्य के संभावित विधानसभा चुनाव की मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से संबंधित है। निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण कर नई मतदाता सूची बनाई जाएगी। इसी नई मतदाता सूची के पुनरीक्षण कराए जाने में निर्वाचन आयोग और विपक्षी दलों के बीच विवाद है। वे केंद्र सरकार पर हमलावर है। प्रकरण उच्चतम न्यायालय में है। निर्वाचन आयोग ने मतदाता सूची के ह्लगहन पुनरीक्षणह्व में बड़ी संख्या में नामों को अलग किया है। इसमें कुछ घुसपैठिये भी हैं। इसकी संख्या 65 लाख बताई जाती है। उच्चतम न्यायालय ने कहा था कि निर्वाचन आयोग 65 लाख नाम जो मतदाता सूची में गलत पाए गए हैं उन्हें आयोग उनके नाम और उनको बाहर करने का कारण सार्वजनिक जारी करे। मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण का यह प्रकरण इसलिए गहराया कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने कई बार अनेक स्थानों पर निर्वाचन आयोग पर वोट चोरी के आरोप लगाए हैं। यह आरोप मीडिया में सनसनी बने। सत्ता पक्ष ने इन आरोपों का खंडन किया है। निर्वाचन आयोग ने इस पर अपनी राय रखने और तथ्यपरक जानकारी राष्ट्र के सामने रखने में कोताही बरती है। यहां यह ध्यान देने योग्य है कि वोट चोरी जैसे शब्दों के प्रयोग ने निर्वाचन आयोग को आहत किया गया है। एसआईआर प्रकरण अभी भी उच्चतम न्यायालय में है।

भारतीय संविधान के भाग 15 अनुच्छेद 324 में संविधान के अधीन संसद और प्रत्येक राज्य के विधानमंडल के लिए कराए जाने वाले सभी निर्वाचनों के लिए तथा राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति के पदों के निर्वाचन के लिए निर्वाचन नामावली तैयार करने और निर्वाचनों के लिए एक आयोग होगा। इसे संविधान में निर्वाचन आयोग कहा गया है। अनुच्छेद 325 में धर्म, मूलवंश, जाति या लिंग के आधार पर किसी व्यक्ति का निर्वाचन नामावली में नाम सम्मिलित किए जाने का अपात्र न होना और उसके द्वारा किसी विशेष निर्वाचक नामावली में सम्मिलित किए जाने का दावा न किया जाना लिखा है। संसद या किसी राज्य के विधान मंडल के सदन या प्रत्येक सदन के लिए निर्वाचन के लिए प्रत्येक प्रादेशिक निर्वाचन के लिए एक साधारण निर्वाचक नामावली होगी। अनुच्छेद 326 में लोकसभा, विधानसभा के लिए निर्वाचन मताधिकार के आधार पर होंगे, अर्थात प्रत्येक व्यक्ति जो भारत का नागरिक है। 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुका है। समुचित विधानमंडल द्वारा बनाई गई किसी विधि के अधीन चित्त विकृति, अपराध या भ्रष्ट या अवैध आचरण के आधार पर अन्यथा अयोग्य नहीं कर दिया जाता है। मतदाता के रूप में रजिस्ट्रीकृत का हकदार होगा। अनुच्छेद 327 और 328 में कहा गया है, कि संविधान के उपबंधों के अधीन समय-समय पर संसद विधानमंडल सदन के लिए निर्वाचन नामावली निर्वाचन क्षेत्र का परिसीमन शामिल है। उस राज्य के विधान मंडल सदन के लिए संबंधित सभी विषयों जिसके अंतर्गत निर्वाचक नामावली तैयार कराना सदनों के सम्यक गठन सुनिश्चित करने की व्यवस्था है।

स्पष्ट रूप से भारत का प्रत्येक नागरिक लोकतांत्रिक व्यवस्था में सहयोग करेगा। मताधिकार का हकदार होगा। ऐसे किसी भी कारण और आरोप अवैध आचरण के बिना मताधिकार से वंचित किया जाना न्यायसंगत नहीं प्रतीत होता है। संविधान में प्रदत्त अधिकारों के अंतर्गत राजनीतिक दलों गठन होता है। राजनीतिक दलों का उद्देश्य राष्ट्र के वैभव के लिए ही होना चाहिए। राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता अपने अपने दलों की विचारधारा के प्रचार प्रसार के लिए स्वतंत्र होते हैं। अनेक मुददों पर राय भिन्न हो सकती है। इन राजनीतिक दलों के कार्यकताओं, निर्वाचन आयोग और समय समय पर निर्वाचन कार्यों में लगे अधिकारियों का आचरण संसदीय परम्परा अनुसार आदर्श आचरण वाला होना चाहिए। इनमें से कोई भी यदि निष्पक्ष नही है तो उसका व्यवहार लोकतंत्र का हनन करने वाला ही कहा जाएगा।

राजनीति में असंसदीय शब्दों के प्रयोग बढ़ें हैं। अमर्यादित आचरण हो रहा है। इस पर बहस होनी चाहिए। क्या राजनीति में सस्ती लोकप्रियता के लिए अपशब्द ही मार्ग है। विगत 01 अगस्त को लोकसभा, राज्यसभा दोनों सदनों में बिहार की मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के मुद्दे पर गतिरोध हुआ था। विपक्षी दलों ने इस पर हंगामा किया था। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा था कि जनता ने आपको इतना बड़ा अवसर दिया है। सदन की गरिमा बनाए रखें। अध्यक्ष ने यह भी कहा था कि अगर लोकतंत्र मजबूत करना है तो सदस्यों को प्रश्न काल के दौरान ही प्रश्न उठाने देने होंगे। इससे सरकार की जवाबदेही तय होती है। देश के लोगों की आकांक्षाएं पूरी होने दें और देश को आगे बढ़ाने में अपना सहयोग दें। इसी मुद्दे पर राज्यसभा में भी हंगामा हुआ था।

उसी दिन लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा था कि निर्वाचन आयोग वोट चोरी से शामिल है। उनके पास पुख्ता सबूत हैं। इस पर निर्वाचन आयोग ने कहा था कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के लगाए वोट चोरी संबंधी आरोप निराधार हैं। आयोग ने कहा कि इन गैर जिम्मेदाराना टिप्पणियों को नजरअंदाज किया जाना चाहिए। इससे पूर्व 12 अगस्त को संसद से निर्वाचन आयोग तक प्रदर्शन के लिए निकले राहुल गांधी ने तब कहा था कि यह लड़ाई संविधान बचाने के लिए है। सही मतदाता सूची बने इसके लिए है। सत्ता पक्ष से भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता धर्मेंद्र प्रधान ने यह कहा था कि यह प्रदर्शन अस्थिरता पैदा करने वाला है। विपक्षी दल अराजकता पैदा करना चाहते हैं।

राहुल गांधी का आरोप है कि निर्वाचन आयोग भाजपा के लिए वोट चोरी कर रहा है। इसमें जो भी शामिल है उसे बख्शा नहीं जाएगा। राहुल गांधी के यह आरोप तब आए जब निर्वाचन आयोग ने बिहार राज्य की मतदाता सूचियां के गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के बाद सूचियों का मसौदा प्रकाशित किया था। 17 अगस्त को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के विरुद्ध विपक्षी दलों के गठबंधन की मतदाता अधिकार यात्रा के बीच निर्वाचन आयोग ने अपने फैसले और प्रक्रिया को सही ठहराया था। विपक्ष के सभी आरोपों को खारिज भी किया था। यह भी कहा था कि राहुल गांधी को हलफनामा देना होगा या देश से माफी मांगनी होगी। तीसरा विकल्प नहीं है। उन्होंने कहा था उनका उद्देश्य मतदाता सूचियां ठीक करना है।

उधर बिहार के सासाराम में आयोजित एक मतदाता अधिकार रैली में राहुल गांधी ने फिर कहा था कि मतदाता सूची में गड़बड़ी नहीं होने दी जाएगी। गरीबों की ताकत वोट है, हम चोरी नहीं होने देंगे। 18 अगस्त को हुई बिहार की मतदाता अधिकार रैली में राष्ट्रीय जनता दल के अध्यक्ष लालू यादव, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, तेजस्वी यादव शामिल हुए थे। तब से लगातार विपक्षी दल चुनाव आयोग और विपक्षी दल सत्ता पक्ष पर हमलावर हैं। सभी राजनीतिज्ञों को यह बात समझनी चाहिए कि राष्ट्र सर्वोपरि है। राजनीति में मयार्दा गरिमा का स्थान सर्वोच्च होना चाहिए।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

आज का राशिफल

मेषः कार्यक्षेत्र में शुरूआती रुकावटें मिलेंगी, लेकिन दोपहर बाद परिस्थितियाँ आपके पक्ष में हो जाएँगी। प्रियजनों का सहयोग आपको मानसिक शक्ति देगा। जरूरतमंदों की मदद के लिए तत्पर रहेंगे। सरकारी कार्यों में सफलता के संकेत हैं।

वृषभः सुबह का समय अनुकूल नहीं रहेगा। छात्रों को पढ़ाई में ध्यान केंद्रित करना होगा। शुभ कार्यों पर धन खर्च हो सकता है। व्यापारियों को ग्राहकों के साथ मधुर व्यवहार बनाए रखना चाहिए। बुजुर्गों का आशीर्वाद मिलेगा। गलत तरीकों से बचना होगा।

मिथुनः आज के दिन विरोधी आपका मजाक उड़ा सकते हैं। तनाव और अस्थिरता बनी रहेगी। छोटी दूरी की यात्रा संभव है। गले से जुड़ी परेशानी हो सकती है। विवाहेतर संबंध जीवन में तनाव बढ़ा सकते हैं।

कर्कः आज के दिन कामकाज में दक्षता बढ़ेगी। भविष्य के लिए नई योजनाएँ बनाएंगे। किसी मांगलिक कार्यक्रम में शामिल हो सकते हैं। विद्यार्थी पढ़ाई में एकाग्र रहेंगे। अचानक आर्थिक लाभ की संभावना है।

सिंहः आज के दिन ऑफिस में सक्रियता बढ़ेगी। आज के दिन मौसम में बदलाव से सेहत बिगड़ सकती है। संतान को लेकर चिंता रहेगी। वैवाहिक जीवन की समस्याओं में सुधार होगा। बातचीत से लोग प्रभावित होंगे।

कन्याः आज के दिन हठी रवैया नुकसान पहुँचा सकता है। आज के दिन थकान और कमजोरी महसूस होगी। दूसरों की भावनाओं पर ज्यादा भरोसा न करें। शत्रुओं से सतर्क रहें। एलर्जी या खाँसी परेशान कर सकती है।

तुलाः आज कार्यक्षेत्र में अप्रत्याशित लाभ के योग हैं। मार्केटिंग से जुड़े लोगों के लिए समय शुभ है। नए संपर्क फायदेमंद होंगे। भाई-बहनों की तरक्की से खुशी मिलेगी। सहकर्मियों के बीच लोकप्रियता बढ़ेगी।

वृश्चिकः आज का दिन उत्साह और प्रसन्नता से भरा रहेगा। आज के दिन जीवनसाथी से मन की बातें साझा करेंगे। आज के दिन कार्यक्षेत्र में सहयोग मिलेगा। नए आय स्रोत बन सकते हैं। अधूरे कार्य समय पर पूरे होंगे।

धनुः आज के दिन विरोधियों पर भारी पड़ेंगे। आज के दिन संतान के आचरण से संतोष होगा। कानूनी मामलों में सफलता मिलेगी। आज के दिन पारिवारिक तालमेल मजबूत रहेगा। सभी जरूरी काम बिना रुकावट पूरे होंगे।

मकरः युवा नौकरी को लेकर चिंतित रहेंगे। यात्रा के दौरान सामान चोरी हो सकता है, सावधानी रखें। अनावश्यक कार्यों में समय न गँवाएँ। क्रोध और अहंकार से बचें। धैर्य और संयम से सफलता मिलेगी।

कुंभः अचानक यात्रा करनी पड़ सकती है। शेयर मार्केट में सोच-समझकर निवेश करें। रिश्तेदारों पर अधिक भरोसा न करें। प्रियजन के साथ समय बिताएँगे। पेट से जुड़ी समस्या परेशान कर सकती है। शाम को सहकर्मी से मतभेद हो सकता है।

मीनः निर्णय लेने की क्षमता बढ़ेगी। विरोधी सहयोगी बन सकते हैं। लक्ष्य हासिल करने के लिए मेहनत करेंगे और परिणाम भी अनुकूल मिलेंगे। परिजनों के साथ खुशी के पल बिताएँगे। अपनी प्रतिभा निखारने का अवसर मिलेगा।

मध्यप्रदेश के कण-कण में है सौंदर्य

डॉ. मोहन यादव (हि.स)

भारत का हृदय प्रदेश मध्य प्रदेश अप्रतिम सौंदर्य से समृद्ध प्रदेश है। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि मध्य प्रदेश सर्वाधिक सम्मोहित करने वाला राज्य है। इसके कण-कण में सौंदर्य है। जो एक बार आता है यहां की स्मृतियों के सम्मोहन में बंधकर बार-बार आता है। मध्य प्रदेश में हर आयु के पर्यटकों को आकर्षित करने की क्षमता है।

पर्यटन के संबंध में दशकों पहले की अवधारणाएं अब समाप्त हो गई हैं। मध्यप्रदेश के पर्यटन ने अब उद्योग का रूप ले लिया है। हमारी नीतियों और दूरदर्शी निर्णयों से पर्यटन क्षेत्र का तेजी से विस्तार हो रहा है। यह सर्वमान्य तथ्य है कि अर्थव्यवस्था में पर्यटन सर्वाधिक रोजगार उत्पन्न करने वाला सैक्टर है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अतुल्य भारत का वैश्विक स्तर पर मान-सम्मान बढ़ा है। इसका सकारात्मक प्रभाव सभी राज्यों के पर्यटन उद्योग पर पड़ा है। देश का घरेलू पर्यटन बढ़ने से मध्य प्रदेश जैसे तेजी से बढ़ते राज्य को सीधा लाभ हुआ है।

मध्य प्रदेश के शांतिप्रिय नागरिकों के लिये सबसे ज्यादा खुशी की बात है कि मध्यप्रदेश अब वैश्विक पर्यटन नक्शे पर ध्रुव तारे जैसा चमक रहा है। हमारे पर्यटन की सबसे बड़ी विशेषता है कि यह अत्यंत समृद्ध और विविधता से सम्पन्न है। साथ ही जिम्मेदार और सुरक्षित भी।

प्रदेश में पर्यटन की नई-नई शाखाएं उभरी हैं। प्राकृतिक पर्यटन हो या सांस्कृतिक पर्यटन, आध्यात्मिक पर्यटन हो या वन्यजीव पर्यटन, ग्रामीण पर्यटन हो या रोमांचकारी पर्यटन, कृषि पर्यटन हो या फिल्म पर्यटन या नया उभरता हुआ चिकित्सा पर्यटन। इन सभी नये स्वरूपों के साथ मध्यप्रदेश की पहचान बहु आयामी पर्यटन प्रदेश के रूप में हो रही है।

प्रदेश में अब पर्यटकों की संख्या हर वर्ष बढ़ती जा रही है। गत वर्ष देश में सर्वाधिक पर्यटक मध्यप्रदेश में आए। नैसर्गिक सौन्दर्य, वन्य प्राणी, धार्मिक स्थल, आकर्षक ऐतिहासिक विरासतें और हरे-भरे वन हमारी विशेषता हैं। हमारे वन जीवित हैं। देश में सर्वाधिक बाघ मध्य प्रदेश में हैं। चंबल सबसे साफ नदी है जिसमें घड़ियालों का संरक्षण हो रहा है। नर्मदा मैया के दर्शन करने हजारों श्रद्धालु दूर-दूर से आते हैं। प्रधानमंत्री मोदी की दूरदृष्टि से मध्यप्रदेश अब देश का एकमात्र चीता प्रदेश बन गया है। चीतों का परिवार पालपुर कूनो में फल फूल रहा है।

सांची, खजुराहो और भीमबेटका जैसी विश्वविख्यात धरोहर हमारी वैश्विक सांस्कृतिक पहचान है। अब यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में ग्वालियर किला, बुरहानपुर का खूनी भंडारा, चंबल के पत्थर कला स्थल, भोजेश्वर महादेव मंदिर भोजपुर, रामनगर मंडला के गोंड स्मारक और मंदसौर का धमनार भी जुड़ने की तैयारी में हैं। इसके अलावा नर्मदा परिक्रमा, गोंड चित्रकला और भगोरिया उत्सव भी पर्यटन के नक्शे पर प्रमुखता से उभरे हैं। मध्य प्रदेश ऐसा अग्रणी राज्य बन गया है, जिसने सबसे ज्यादा 18 स्थलों को विश्व विरासत सूची में शामिल करने की पहल की है।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार के सहयोग से मध्य प्रदेश के पर्यटन को नई दिशा मिली है। केन्द्र का भरपूर सहयोग मिल रहा है। मध्य प्रदेश देश का पहला राज्य है, जहां ईको सेंसिटिव जोनल मास्टर प्लान बनाने का काम शुरू किया गया और 27 राष्ट्रीय उद्यानों और वन्यजीव अभयारण्यों में से सतपुड़ा राष्ट्रीय उद्यान और बोरी वन्य जीव अभयारण्य में पूरा हो गया। हैरिटेज पर्यटन की कई परियोजनाएं शुरू की गई हैं।

प्रदेश में अधोसंरचना मजबूत होने, सड़क संपर्क में निरंतर सुधार होने और केन्द्र सरकार के सहयोग से रेल सुविधाओं के बढ़ने से पर्यटन क्षेत्र और उद्योग को लाभ मिला है। इस क्षेत्र में निवेश निरंतर बढ़ रहा है। हाल में रीवा पर्यटन कॉन्क्लेव में तीन हजार करोड़ के निवेश प्रस्ताव मिले। पर्यटन स्थलों में सुविधाएं निरंतर बढ़ाई जा रही हैं। पीएमश्री पर्यटन वायु सेवा की शुरूआत हुई है। भोपाल, इंदौर, जबलपुर, रीवा, सतना और सिंगरौली के मध्य वायु सेवा का संचालन हो रहा है।

मध्य प्रदेश सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पुनर्जागरण के दौर से गुजर रहा है। इसी समय आध्यात्मिक पर्यटन भी निरंतर विस्तार ले रहा है। भगवान श्रीमहाकाल की नगरी उज्जैन और यहां श्रीमहाकाल लोक विश्व विख्यात हैं। पिछले साल सात करोड़ श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। प्रदेश की जीडीपी में पर्यटन क्षेत्र के योगदान में आध्यात्मिक पर्यटन भागीदारी को और ज्यादा सशक्त बनाने की तैयारी चल रही है।

ओरछा में भगवान श्रीराम का मंदिर है। यह विश्व का एकमात्र मंदिर है, जहां भगवान को राजा के रूप में गार्ड ऑफ ऑनर दिया जाता है। यह अभूतपूर्व आध्यात्मिक घटनाक्रम है। यहां भगवान श्रीराम राजा की सरकार स्थापित है। ग्वालियर के ऐतिहासिक भव्य किले के संबंध में उल्लेख मिलता है कि भारत में पहली बार जीरो का लिखित इस्तेमाल कहां हुआ। ग्वालियर किले में नवीं शताब्दी के इस चतुर्भुज मंदिर में शून्य का सबसे शुरूआती शिलालेख पर उकेरा हुआ प्रमाण मिलता है। इस मंदिर को दुनिया में 'टैंपल ऑफ जीरो' के नाम से भी पहचाना जाता है। धार्मिक आयोजनों को नया स्वरूप दिया जा रहा है। बाबा श्रीमहाकाल की दिव्य सवारी को भव्य रूप दिया गया। रक्षा बंधन के त्यौहार और श्रीकृष्ण जन्माष्टमी को सार्वजनिक रूप से प्रदेश के कोने-कोने में मनाया गया।

धार्मिक महत्व के स्थलों में धार्मिक और सांस्कृतिक लोगो और स्मारकों का निर्माण आध्यात्मिक पर्यटन को नया आयाम देगा। संत रविदास लोक सागर, रानी दुर्गावती स्मारक जबलपुर, देवी लोक सलकनपुर सीहोर, श्री रामराजा लोक ओरछा, जाम सांवली श्री हनुमान लोक पांढुर्ना, श्री पशुपतिनाथ लोक मंदसौर, श्री परशुराम लोक जानापाव महू, महाराणा प्रताप लोक भोपाल, भादवा माता लोक नीमच, रानी अवंतीबाई स्मारक जबलपुर, माँ नर्मदा महालोक अमरकंटक अनूपपुर, देवी अहिल्या लोक खरगौन और नागलवाड़ी लोक बड़वानी में किया जा रहा है।

एक ओर जहां आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन समृद्ध हो रहा है वहीं दूसरी ओर फिल्म पर्यटन भी तेजी से बढ़ रहा है। फिल्म निमार्ताओं को मध्य प्रदेश में आकर्षक सुविधाएं मिल रही हैं। कई प्रसिद्ध फिल्मों की शूटिंग मध्यप्रदेश में हुई है। इससे स्थानीय कलाकारों को फिल्मो में काम मिला। फिल्म यूनिट के सदस्यों को होम स्टे की सुविधाओं का लाभ मिला। होम स्टे की संख्या निरंतर बढ़ती जा रही है। प्रदेश की ग्रामीण संस्कृति को देखने-समझने में होम स्टे अच्छी भूमिका निभा रहे हैं। फिलहाल 100 पर्यटन ग्राम विकसित किए गए हैं, जिनमें से 63 पर्यटन ग्राम विकसित हो चुके हैं। इनमें 470 से ज्यादा होम स्टे हैं। देश के पहले हैंडलूम गाँव प्राणपुर को वैश्विक पहचान मिली है। गॉड, भील पेंटिंग और मांडना आर्ट जैसी जनजातीय कलाओं से पर्यटक परचित हुए हैं।

हमारा लक्ष्य है कि पर्यटन उद्योग का निरंतर विस्तार हो, ताकि पर्यटन की संभावनाओं को पूरी तरह रोजगार सृजन के लिये उपयोग किया जा सके। वर्ष 2024 में 13 करोड़ 41 लाख से ज्यादा पर्यटक प्रदेश में आये, जो एक रिकार्ड है। विदेशी पर्यटकों की संख्या भी बढ़ रही है। बांधवगढ़, कान्हा, पन्ना और पेंच में आवागमन बढ़ा है। जिस प्रकार मध्य प्रदेश ने आर्थिक निवेश के द्वार खोले हैं, पर्यटन क्षेत्र पर इसका सीधा प्रभाव पड़ा है। स्थानीय समुदाय की भागीदारी, उद्योग समूहों के सहयोग और राज्य सरकार की प्रतिबद्धता से पर्यटन का क्षेत्र मध्य प्रदेश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा।

बाढ़ प्रभावित लोगों की मदद के लिए जमीनी स्तर पर डटी पंजाब सरकार

लोगों की परेशानियों को अपनी मानकर मंत्री, सांसद और विधायक कर रहे हैं 2477 काम

संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब सरकार प्राकृतिक आपदा की इस घड़ी में इंसानी जिंदगियों और पशुधन की रक्षा के लिए कोई कसर बाकी नहीं छोड़ रही है। सभी कैबिनेट मंत्री लगातार बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा कर रहे हैं ताकि प्रभावित परिवारों तक जरूरी सहायता जल्द से जल्द पहुंच सके।

पंजाब के वित्त मंत्री स हरपाल सिंह चीमा ने आज अजनाला सब-डिवीजन के बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए राहत सामग्री से भरे पाँच ट्रकों को मोहाली से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। राहत ट्रकों में 1,000 राशन किटें, पीने के पानी के 600 पैकेट, 400 मच्छरदानियाँ, 400 गद्दे और 200 फोल्डिंग बिस्तर शामिल हैं।

आम आदमी पार्टी के वालंटियरों और पंजाब की जनता का राहत कार्यों में भारी योगदान के लिए धन्यवाद करते हुए श्री चीमा ने कहा कि पंजाब ने देश के लिए अनगिनत कुर्बानियाँ दी हैं, अब समय आ गया है कि केंद्र सरकार अपने लोगों के साथ खड़ी हो। कृषि मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियां ने फाज़िल्का ज़िले के साबुआणा और माडीवाला गांवों का दौरा किया।

कैबिनेट मंत्री स हरजोत सिंह बैंस ने श्री आनंदपुर साहिब के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में बचाव कार्यों की ज़िम्मेदारी संभाली है और अपने हलके के विभिन्न इलाकों का दौरा किया। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार प्रभावित राज्यवासियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। वह स्थिति पर कड़ी नजर रख रहे हैं और जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बचाव एवं राहत कार्यों की निगरानी कर रहे हैं।

शिक्षा मंत्री स हरजोत सिंह बैंस ने श्री आनंदपुर साहिब हलके के बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए हेल्पलाइन नंबर 91 87279-62441 जारी किया है, जो हर समय उपलब्ध रहेगा।

पंजाब के खाद्य, नागरिक आपूर्ति, वन एवं वन्यजीव संरक्षण मंत्री लाल चंद कटारूचक, पठानकोट ज़िले के भोआ विधानसभा क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित गाँवों का लगातार दौरा कर स्थिति का जायजा ले रहे हैं और राहत सामग्री वितरित कर रहे हैं। उन्होंने आज गाँव ताश, मक्खनपुर, बसाऊ बरवान, कोलियाँ अड्डा और बमियाल क्षेत्रों का दौरा किया। उन्होंने गाँव ताश के चार परिवारों को आर्थिक सहायता प्रदान की और मवेशियों के लिए चारा भी वितरित किया। गाँव मक्खनपुर में भी चारा वितरित किया गया। उन्होंने बाढ़ प्रभावित लोगों को आश्वासन दिया कि राज्य सरकार इस कठिन समय में उनके साथ खड़ी है। जेल और परिवहन मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर ने आज तरनतारन ज़िले के खडूर साहिब, फतेहाबाद और धुंदा के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया और स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने जरूरतमंद लोगों को राशन, भोजन किट, पीने का पानी और पशुओं के लिए चारा वितरित किया। स भुल्लर ने कहा कि हमारी सरकार इस आपदा की घड़ी में उनके साथ खड़ी है और फसलों के नुकसान का आकलन (गिरदावरी) करने के बाद उन्हें उचित मुआवजा दिया जाएगा।कैबिनेट मंत्री हरभजन सिंह ई.टी.ओ. ने आज तरनतारन ज़िले के हरीके कस्बे के पास मरड़ गांव में जमीन धंसने से बने 50 फीट गहरे और 200 मीटर चौड़े गड्ढे को भरने में ग्रामीणों की मदद की। इसके अलावा उन्होंने कीरी गांव के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का भी दौरा किया और चल रहे राहत कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने प्रभावितों को आश्वासन दिया कि सरकार हर संभव मदद के लिए वचनबद्ध है।

कैबिनेट मंत्री हरदीप सिंह मुंडियां और मोहिंदर भगत ने सुल्तानपुर लोधी के मंड क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया और राहत कार्यों का जायजा लेते हुए लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार उनके नुकसान की पूरी भरपाई करेगी। लोकसभा सांसद गुरमीत सिंह मीत हेयर और विधायक कुलदीप सिंह धालीवाल ने अजनाला के चोगावां रोड स्थित दाना मंडी में बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए चल रहे राहत कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान पीड़ितों को मेडिकल किट, पशुओं के लिए चारा और अन्य जरूरी सामग्री वितरित की गई।

पंजाब स्वास्थ्य विभाग द्वारा 7 सबसे अधिक बाढ़ प्रभावित जिलों में तात्कालिक राहत को और मजबूत करने के लिए 138 नए मेडिकल अधिकारियों की नियुक्ति

संवाददाता
चंडीगढ़

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. बलबीर सिंह ने स्वास्थ्य संबंधी आपातकाल से निपटने के लिए तत्काल प्रभाव से तैनाती के दिए निर्देश

पंजाब स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग ने बाढ़ से उत्पन्न होने वाली किसी भी स्वास्थ्य आपात स्थिति से निपटने के लिए एक निर्णायक कदम उठाया है, जिसके तहत 138 नव-नियुक्त मेडिकल अधिकारियों को सात सबसे अधिक बाढ़ प्रभावित जिलों में तत्काल प्रभाव से नियुक्त किया गया है। फ्रंटलाइन मेडिकल मैनपावर की यह रणनीतिक भर्ती लोगों की सुरक्षा और देखभाल सुनिश्चित करने के दृष्टिकोण से की गई है।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. बलबीर सिंह ने नए अधिकारियों को उनके निर्धारित जिलों के सिविल सर्जनों को तुरंत रिपोर्ट करने के निर्देश देते हुए कहा कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में हमारे नागरिकों का स्वास्थ्य हमारी सबसे बड़ी और अहम प्राथमिकता है। इस कठिन घड़ी में हमारी स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करने और चिकित्सकीय चुनौतियों से निपटने के लिए जमीनी स्तर पर इन 138 डॉक्टरों की मौजूदगी बेहद महत्वपूर्ण है। स्थिति की गंभीरता पर जोर देते हुए डॉ. बलबीर सिंह ने कहा कि 1000 मेडिकल अधिकारियों की कुल भर्ती के पहले चरण में 322 मेडिकल अधिकारियों को नियुक्ति पत्र दिए गए हैं। बाढ़ के मद्देनजर आपात स्थिति को ध्यान में रखते हुए, 138 मेडिकल अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से बाढ़ प्रभावित जिलों के सिविल सर्जन को रिपोर्ट कर आवश्यक चिकित्सा सेवाएँ देने के निर्देश दिए गए हैं। इन चुनौतीपूर्ण समयों में हमारी स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत करने के लिए जमीनी स्तर पर इन डॉक्टरों की मौजूदगी का बहुत बड़ा महत्व है। उन्हों ने बताया कि राज्य द्वारा किए जा रहे राहत प्रयासों में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आई.एम.ए.) पंजाब, नर्सिंग कॉलेजों, निजी अस्पतालों और सरकारी व निजी मेडिकल कॉलेजों के आगे आकर सहयोग करने से इस बड़े मानव कार्यबल को और अधिक प्रोत्साहन मिला है।

डॉ. बलबीर सिंह ने खुलासा किया कि स्वास्थ्य विभाग ने 818 रैपिड रिस्पॉन्स और मोबाइल मेडिकल टीमों का विशाल बुनियादी ढांचा तैनात किया है, जो प्रभावित गाँवों और राहत शिविरों में प्रतिदिन मेडिकल कैंप लगा रही हैं। उन्होंने आगे बताया कि जलजनित बीमारियों से निपटने के लिए टीमें बड़े पैमाने पर घर-घर जाकर क्लोरीन की गोलियाँ वितरित कर रही हैं। इसके अलावा, पानी भरे क्षेत्रों में वेक्टर-जनित बीमारियों को रोकने के लिए व्यापक छिड़काव और फॉगिंग की जा रही है।

तात्कालिक चिकित्सा सहायता सुनिश्चित करने संबंधी जानकारी देते हुए डॉ. बलबीर सिंह ने कहा कि 424 एम्बुलेंसों का एक बेड़ा-जिसमें 170 विभाग द्वारा और 254 आई.एम.ए. व अन्य गैर-सरकारी संगठनों के सहयोग से उपलब्ध करवाई गई हैं, अब प्रभावित जिलों में सक्रिय हैं। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग इस संकटकालीन दौर में जन-जीवन की रक्षा और निर्बाध स्वास्थ्य सेवाएँ एवं रोकथाम संबंधी सेवाएँ प्रदान करने के लिए 24 घंटे लगातार काम कर रहा है।

वित्त मंत्री चीमा द्वारा बाढ़ प्रभावित पंजाब की अनदेखी के लिए प्रधानमंत्री की आलोचना, भाजपा की उदासीनता को उजागर किया

संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब के वित्त, योजना, आबकारी और कराधान मंत्री एडवोकेट हरपाल सिंह चीमा ने आज यहां कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पंजाब, एक ऐसा राज्य जिसने हमेशा देश की चुनौतियों का डटकर सामना किया है, में बाढ़ से हुई तबाही को पूरी तरह नजरअंदाज कर रहे हैं। वित्त मंत्री चीमा ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की भी निंदा की कि उन्होंने मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की उस चिट्ठी का जवाब देते हुए, जिसमें बकाया राशि जारी करने की अपील की गई थी, 60,000 करोड़ रुपये की बकाया राशि या राहत पैकेज जारी करने का कोई आश्वासन नहीं दिया।

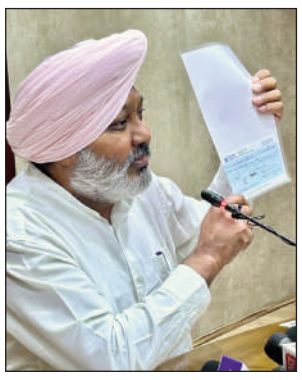

वित्त मंत्री चीमा ने कहा, ह्लइससे भी अधिक दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि पंजाब भाजपा अपनी केंद्र सरकार पर राज्य को सहायता दिलाने का दबाव बनाने की बजाय राजनीतिक रैलियों में व्यस्त है।ह्व

पंजाब भवन में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए मुख्यमंत्री राहत कोष हेतु राज्य के आबकारी और कर विभाग द्वारा जारी किया गया 50 लाख रुपये का चेक दिखाते हुए कहा कि जब पंजाब सरकार, उसके विभाग और राज्य के लोग मिलकर इस प्राकृतिक आपदा से निपट रहे हैं, तब भाजपा-नेतृत्व वाली केंद्र सरकार राज्य को पूरी तरह नजरअंदाज कर रही है। उन्होंने निराशा जताई कि प्रधानमंत्री, जो जन्मदिन की शुभकामनाएं तक ट्वीट करते हैं, उन्होंने पंजाब को प्रभावित करने वाली इस प्राकृतिक आपदा के बारे में एक शब्द भी नहीं कहा। उन्होंने पंजाब भाजपा नेताओं, राज्य अध्यक्ष सुनील जाखड़, कार्यकारी अध्यक्ष अश्विनी शर्मा और केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू, पर भी निशाना साधते हुए कहा कि वे अपने केंद्रीय नेतृत्व से कार्रवाई की अपील करने की बजाय समराला में राजनीतिक रैलियों में व्यस्त हैं। उन्होंने कहा, ह्लपंजाब भाजपा नेताओं को इस रवैये पर शर्म आनी चाहिए।ह्वमुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान द्वारा प्रधानमंत्री को लिखी गई चिट्ठी दिखाते हुए वित्त मंत्री चीमा ने बताया कि उसमें जीएसटी मुआवजे, आरडीएफ और एमडीएफ तथा प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत राज्य की 60,000 करोड़ रुपये से अधिक की बकाया राशि का विवरण दिया गया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने बाढ़ पीड़ितों को उचित मुआवजा सुनिश्चित करने के लिए राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष (एसडीआरएफ) और राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया कोष (एनडीआरएफ) के तहत सहायता प्रदान करने के नियमों में संशोधन करने की भी अपील की थी। उन्होंने कहा कि यद्यपि गृह मंत्री ने मुख्यमंत्री से फोन पर बातचीत तो की, लेकिन बकाया राशि जारी करने या बाढ़ पीड़ितों को सहायता देने के बारे में कोई आश्वासन नहीं दिया।

पंजाब का वित्तीय विकास मजबूती की ओर, शुद्ध जीएसटी प्राप्तियों में 26.47 प्रतिशत की वृद्धि: हरपाल सिंह चीमा

संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब के वित्त, योजना, आबकारी और कराधान मंत्री एडवोकेट हरपाल सिंह चीमा ने आज यहां बताया कि राज्य की वित्तीय स्थिति लगातार मजबूत विकास का संकेत दे रही है, जिस के तहत अगस्त 2025 में जीएसटी प्राप्तियों में पिछले वर्ष के इसी माह की तुलना में 18.66 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि दर्ज की गई है। उन्होंने कहा कि मौजूदा वित्तीय वर्ष में अगस्त 2025 तक जीएसटी प्राप्तियों में कुल 26.47 प्रतिशत का उछाल दर्ज हुआ है, जो पंजाब के कर प्रशासन की दक्षता और लचीलापन दर्शाता है।

आज यहां जारी प्रेस बयान में वित्त मंत्री ने कहा कि राज्य की कुल कर प्राप्तियों में भी वर्ष-दर-वर्ष काफी वृद्धि दर्ज की जा रही है जिस तहत अगस्त 2025 तक की अवधि में पिछले वित्तीय वर्ष की इसी अवधि की तुलना में कुल कर प्राप्तियों में 15.39 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि विभिन्न कर श्रेणियों से संबंधित यह प्रवृत्ति व्यापक आर्थिक गति और बेहतर कर अनुपालन को दर्शाती है।

विस्तृत आंकड़े प्रस्तुत करते हुए वित्त मंत्री ने बताया कि अगस्त 2025 में शुद्ध जीएसटी प्राप्ति 2138.80 करोड़ रुपये रही, जो अगस्त 2024 में प्राप्त 1802.50 करोड़ रुपये की तुलना में 336.30 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी है। उन्होंने आगे कहा कि चालू वित्तीय वर्ष दौरान अगस्त तक कुल शुद्ध जीएसटी प्राप्ति 11,338.47 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है, जबकि वित्तीय वर्ष 2024-25 की इसी अवधि में यह 8,965.32 करोड़ रुपये थी। यह 2,373.15 करोड़ रुपये की महत्वपूर्ण वृद्धि को दर्शाता है।

कुल कराधान राजस्व आंकड़े साझा करते हुए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि अगस्त 2025 तक वैट, सीएसटी, जीएसटी, पीएसडीटी और आबकारी से कुल शुद्ध प्राप्तियां 19,364.36 करोड़ रुपये तक पहुंच गईं, जबकि पिछले वित्तीय वर्ष की इसी अवधि में यह 16,781.08 करोड़ रुपये रही थीं। यह एक उल्लेखनीय बढ़ोतरी है और पंजाब के सुदृढ़ वित्तीय प्रबंधन तथा प्रभावी कर प्रशासन का प्रमाण है।

1.5 लाख रुपए की रिश्वत लेता वन गार्ड विजीलैंस ब्यूरो ने रंगे हाथों किया काबू

संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब विजीलैंस ब्यूरो ने राज्य में भ्रष्टाचार के विरुद्ध चलाई अपनी मुहिम के दौरान सोमवार को वन गार्ड अमनदीप सिंह, अतिरिक्त ब्लाक इंचार्ज, वन रेंज दफ़्तर, पटियाला को 150, 000 रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ़्तार किया है। इस बात का खुलासा करते हुये आज यहाँ राज्य विजीलैंस ब्यूरो के एक सरकारी प्रवक्ता ने कहा कि गिरफ़्तार किये गए मुलजिम ने देवीगढ़ रोड, पटियाला में एक नरसिंग होम के लिए खरीदी गई जमीन से सम्बन्धित ऐतराजहीनता सर्टिफिकेट जारी करने के एवज में शिकायतकर्ता से यह रिश्वत माँगी गई थी। शिकायतकर्ता ने विजीलैंस ब्यूरो को बताया कि सरवन सिंह, वन रेंज अफसर, पटियाला और उपरोक्त अमनदीप सिंह ने मिल कर यह रिश्वत माँगी है। प्रवक्ता ने आगे कहा कि इस शिकायत की प्राथमिक तस्दीक के बाद विजीलैंस ब्यूरो की टीम ने जाल बिछाया जिस दौरान उक्त मुलजिम अमनदीप सिंह को दो सरकारी गवाहों की हाजिरी में रिश्वत लेते हुये काबू कर लिया और रिश्वत की रकम मौके पर ही बरामद कर ली।

इस सम्बन्ध में उक्त मुलजिम के विरुद्ध भ्रष्टाचार रोकथाम कानून की धारा 7 और बीऐनऐस की धारा 61(2) के अंतर्गत विजीलैंस ब्यूरो के थाना पटियाला रेंज में मुकदमा दर्ज किया गया है। दूसरे सह-मुलजिम सरवन सिंह, वन रेंज अफसर को जल्द ही गिरफ़्तार कर लिया जायेगा। उन्होंने आगे कहा कि इस मामले की आगे जांच जारी है।

संक्षिप्त-समाचार

युद्ध नशों विरूद्ध के छह महीने: 1129 किलोग्राम हेरोइन समेत 27,796 नशा तस्कर काबू

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निदेर्शों पर चलाई जा रही निर्णायक जंग ह्लयुद्ध नशों विरुद्धह्व के छह महीने पूरे हो गए हैं। इसके तहत पंजाब पुलिस ने 1 मार्च 2025 से अब तक 27,796 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया है और 17,957 एफ.आई.आर. दर्ज की गई हैं तथा 1129 किलोग्राम हेरोइन बरामद हुई है। इस नशा विरोधी मुहिम की शुरूआत से अब तक, पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव के निदेर्शों के तहत, राज्य के सभी 28 पुलिस जिलों में रोजाना आधार पर एक साथ ऑपरेशन चलाया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पुलिस आयुक्तों, उपायुक्तों और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों से पंजाब को नशा मुक्त राज्य बनाने के लिए कहा है। राज्य सरकार ने नशों के खिलाफ युद्ध की निगरानी के लिए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा की अगुवाई में 5 सदस्यीय कैबिनेट सब-कमेटी का गठन भी किया है। पुलिस के विशेष महानिदेशक (स्पेशल डीजीपी) कानून एवं व्यवस्था अर्पित शुक्ला, जो इन कार्रवाइयों की व्यक्तिगत रूप से निगरानी कर रहे हैं, ने बताया कि 1129 किलो हेरोइन के अलावा पुलिस ने 384 किलो अफीम, 232 क्विंटल भुक्की, 29 किलो चरस, 430 किलो गांजा, 6.3 किलो आई.सी.ई., 33 लाख नशीली गोलियाँ और 12.44 करोड़ रुपये की ड्रग मनी भी जब्त की है। 184वें दिन के नतीजों की जानकारी देते हुए विशेष डीजीपी ने कहा कि पंजाब पुलिस ने 58 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया है और उनके कब्जे से 8.4 किलो हेरोइन, 4087 नशीली गोलियाँ और 2300 रुपये की ड्रग मनी बरामद की गई है। उन्होंने बताया कि 67 गजटेड अधिकारियों की निगरानी में 1000 से अधिक पुलिस कर्मचारियों वाली 120 से ज्यादा पुलिस टीमों ने राज्यभर में 309 स्थानों पर छापेमारी की, जिससे राज्यभर में 43 एफआईआर दर्ज की गईं। पुलिस टीमों ने दिनभर चले इस ऑपरेशन के दौरान 337 संदिग्ध व्यक्तियों की जांच भी की। उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार ने राज्य से नशों के खात्मे के लिए तीन-स्तरीय रणनीति - एनफोर्समेंट, डी-एडिक्शन और प्रिवेंशन (इडीपी) -लागू की है। पंजाब पुलिस ने ह्यनशा छुड़ानेह्ल के हिस्से के रूप में 14 व्यक्तियों को नशा छुड़ाने और पुनर्वास इलाज के लिए राजी किया है।

चुनाव आयोग द्वारा डिब्रूगढ़ जेल में नजरबंद सांसद अमृतपाल सिंह को उपराष्ट्रपति चुनाव 2025 के संबंध में डाक मतपत्र जारी करने के निर्देश

चंडीगढ़। मुख्य चुनाव अधिकारी, पंजाब के कार्यालय ने बताया कि भारत के चुनाव आयोग ने खडूर साहिब-03 संसदीय क्षेत्र, पंजाब से लोकसभा सांसद अमृतपाल सिंह, जो उपराष्ट्रपति चुनाव 2025 के मतदाता (निर्वाचन मंडल के सदस्य) भी हैं, को मतदान की सुविधा देने संबंधी आवश्यक निर्देश जारी किए हैं। गौरतलब है कि अमृतपाल सिंह इस समय असम की डिब्रूगढ़ स्थित केंद्रीय जेल में राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 के तहत नजरबंद हैं। राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति चुनाव नियम, 1974 के नियम 26 के प्रावधानों के अनुसार आयोग ने निर्देश दिया है कि उन्हें मतदान की सुविधा देने के लिए एक डाक मतपत्र (पोस्टल बैलेट पेपर) जारी किया जाए। निर्धारित प्रक्रिया के तहत नजरबंदी (प्रिवेंटिव डिटेंशन) के अंतर्गत जेल में बंद मतदाताओं के लिए डाक मतपत्र केवल मतदान के दिन ही उपलब्ध कराए जाते हैं और चिन्हित (मार्क किया हुआ) डाक मतपत्र का सीलबंद लिफाफा मतगणना शुरू होने से पहले रिटर्निंग अफसर तक पहुँचना अनिवार्य होता है। इसी अनुसार आयोग ने गृह मंत्रालय और असम सरकार के मुख्य सचिव को निर्देश दिए हैं कि यह सुनिश्चित किया जाए कि अमृतपाल सिंह द्वारा चिन्हित डाक मतपत्र वाला सीलबंद लिफाफा डिब्रूगढ़ (असम) से एक विशेष दूत (स्पेशल मेसेंजर) द्वारा हवाई मार्ग से पहुँचाया जाए, ताकि यह मतगणना के लिए निर्धारित तिथि 9 सितम्बर 2025 को शाम 6 बजे से पहले रिटर्निंग अफसर तक पहुँचे। संबंधित अधिकारियों को इस संबंध में तत्काल प्रबंध कर आयोग को सूचित करने के निर्देश जारी किए गए हैं।

नहरों, दरियाओं में हुए कटान भरने की कमान हरजोत बैंस ने संभाली

बाढ़ जैसे हालात से निपटने के लिए कैबिनेट मंत्री हरजोत बैंस ने हलके का खुद संभाला मोर्चा

संवाददाता
चंडीगढ़/ श्री आनंदपुर साहिब

अपने विधानसभा हलके में बाढ़ जैसे हालात से निपटने के लिए कैबिनेट मंत्री हरजोत बैंस ने खुद मोर्चा संभाल लिया है। उनकी ओर से नहरों, दरियाओं के किनारों के बांधों में आई दरारें और कटान भरने का काम प्रशासन, आप वॉलंटियरों, स्थानीय निवासियों और कार सेवा वालों के सहयोग से जोर-शोर से किया जा रहा है। स बैंस की ओर से खुद कमांड संभाली गई है और वे खुद इन राहत व बचाव कार्यों में लगे नजर आ रहे हैं।

आज सुबह झिंझड़ी/मीढ़वा स्थित नंगल हाइडल चैनल नहर में आई दरार की सूचना मिलते ही, स हरजोत सिंह बैंस कैबिनेट मंत्री अपने साथियों समेत मौके पर पहुंचे। प्रशासन और पुलिस अधिकारी, डिप्टी कमिश्नर श्री वरजीत वालिया, एस.एस.पी गुलनीत सिंह खुराना, अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर चंद्रज्योति सिंह, एस.डी.एम जसप्रीत सिंह, डी.एस.पी अजय सिंह समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे।

सोशल मीडिया पर यह जानकारी लोगों तक तेजी से पहुँची और आप वॉलंटियर, इलाका वासी और किला आनंदगढ़ साहिब कार सेवा वाले बाबा सतनाम सिंह अपने सेवादारों समेत इस स्थान पर पहुँचे और जे.सी.बी मशीनों, ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के साथ हुए कटाव को भरना शुरू कर दिया। इसमें स हरजोत सिंह बैंस भी ट्रैक्टर-ट्रॉली से लाई जा रही मिट्टी, तिरपाल और बोरे भरकर इस कटाव को बंद करने में लगे नजर आए।

स बैंस का जोश और उनकी सेवा भावना देखकर सैंकड़ों लोग इकट्ठे हो गए, जिनसे जरूरी सामान भी लाया गया। तिरपाल और बोरियों से काम शुरू करवाया गया और घंटों तक खुद स हरजोत सिंह बैंस इस स्थान पर मौजूद रहे। उनकी ओर से अपने हलके के

विभिन्न क्षेत्र, जिला रूपनगर और पंजाब के क्षेत्रों में आज हुई मूसलाधार बारिश से प्रभावित इलाकों की पल-पल की जानकारी ली जा रही थी।

इस मौके पर स हरजोत सिंह बैंस कैबिनेट मंत्री ने कहा कि हमने परमात्मा के आगे अरदास की है कि वह हम पर मेहर करे। अगले दो दिन बहुत भारी बरसात वाले हैं, भाखड़ा डैम का स्तर भी तेजी से बढ़ रहा है। डैम और पहाड़ी क्षेत्रों में बारिश का पानी बढ़ने से हमारा इलाका खतरे के जोन में है। भले ही अभी तक कोई जानी-माली या पशुधन का नुकसान नहीं हुआ है, लेकिन हालात ऐसे हैं कि अगर अगले दो-तीन दिन भारी बरसात पड़ती है या डैम से अतिरिक्त पानी छोड़ा जाता है, तो इस इलाके को नुकसान होने का अंदेशा है। इसलिए प्रशासन की हिदायतों का पालन किया जाए।

उन्होंने कहा कि लोग अफवाहों पर भरोसा न करें। किसी भी तरह की जरूरत झ रसद, डॉक्टरी सहायता या कोई अन्य सामग्री, चाहे पशु चारा या कोई निजी जरूरत हो झ हमने अपना हेल्पलाइन नंबर 87279-62441 जारी कर दिया है। उन्होंने कहा कि मैं खुद इस इलाके में मौजूद हूँ और लगातार हर क्षेत्र की निगरानी कर रहा हूँ। प्रशासन भी पूरी तरह चौकस है। सभी अधिकारी/कर्मचारी ड्यूटी पर मौजूद हैं। हमारे पार्टी वॉलंटियर, नेता, समाज सेवा संगठन, पंच, सरपंच, स्थानीय लोग और कार सेवा वाले बाबा सतनाम सिंह जी सेवा भावना से काम कर रहे हैं। यह प्राकृतिक आपदा की स्थिति है, लोग सहयोग दें।

इस मौके पर दीपक सोनी मीडिया कोऑर्डिनेटर, कमिक्कर सिंह हलका कोऑर्डिनेटर, जसप्रीत जे.पी, बलविंदर सिंह सरपंच, जर्मन, गुरनाम, जरनैल सिंह सरपंच, दलीप हंस सदस्य दलित विकास बोर्ड, राकेश कुमार, काकू ढेर, दलजीत सिंह, अमनदीप सिंह, लवदीप सिंह, नरिंदर सिंह, रामपाल काहीवाल तथा गाँववासी मौजूद थे।

इस दौरान, स हरजोत सिंह बैंस ने भी दही गाँव के पास भाखड़ा नहर के किनारों को मजबूत करने के लिए रेत की बोरियाँ भरने में सहयोग किया और बाढ़ जैसी स्थिति के प्रभाव को कम करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

मराठा आरक्षण : जरांगे के प्रदर्शन का चौथा दिन, पानी त्यागने का संकल्प लिया

कहा, वह मराठा समुदाय को आरक्षण देने की अपनी मांग को लेकर 'गोलियां' खाने को भी तैयार

एजेंसी (हि.स.)
मुंबई

सामाजिक कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने सोमवार को अपने अनशन के चौथे दिन से पानी पीना बंद करने का संकल्प लेते हुए कहा कि वह मराठा समुदाय को अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) श्रेणी में आरक्षण देने की अपनी मांग को लेकर 'गोलियां' खाने को भी तैयार हैं।

उन्होंने सरकार से उपलब्ध रिकॉर्ड को आधार बनाते हुए आरक्षण के आधार पर एक सरकारी आदेश जारी करने की मांग की है। महाराष्ट्र सरकार ने रविवार को कहा कि वह मराठा समुदाय के लिए कुनबी (एक ओबीसी जाति) का दर्जा देने संबंधी हैदराबाद गजेटियर को लागू करने के लिए कानूनी राय लेगी। हालांकि, जरांगे इससे प्रभावित नहीं हुए और उन्होंने कहा कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं हो जातीं, तब तक वह दक्षिण मुंबई के आजाद मैदान स्थित

सरकार से उपलब्ध रिकॉर्ड को आधार बनाते हुए आरक्षण के आधार पर एक सरकारी आदेश जारी करने की मांग की

धरना स्थल से नहीं हटेंगे, चाहे देवेंद्र फडणवीस सरकार प्रदर्शनकारियों पर गोलियां ही क्यों न चला दे। वह ओबीसी श्रेणी में मराठों के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण की अपनी मांग को लेकर शुक्रवार से आजाद मैदान में अनिश्चितकालीन अनशन कर रहे हैं। जरांगे ने रविवार को कहा कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं हो जातीं, वह मुंबई नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने कहा, सरकार के पास 58 लाख मराठों और कुनबियों का रिकॉर्ड है। सामाजिक कार्यकर्ता ने अपने समर्थकों से कहा, कल (सोमवार) से मैं पानी पीना बंद कर दूंगा

फोटोः हि.स.

क्योंकि सरकार मांगें नहीं मान रही है। लेकिन जब तक आरक्षण की मांग पूरी नहीं हो जाती, मैं वापस नहीं जाऊंगा। हम ओबीसी श्रेणी के तहत मराठों को आरक्षण दिलाकर रहेंगे, चाहे कुछ भी हो जाए। जरांगे ने रविवार रात प्रेस वार्ता में कहा, सरकार को यह कहना चाहिए कि मराठा कुनबियों की एक उपजाति हैं। 58 लाख अभिलेख मिले हैं, जो मराठों को कुनबियों से जोड़ते हैं। जो आरक्षण चाहते हैं, वे इसे ले लेंगे। अगर कोई कानूनी मुद्दा है, तो मराठों को कुनबी के रूप में सामान्यीकृत न करें। उन्होंने दावा किया कि मराठों को ओबीसी श्रेणी के तहत आरक्षण मिलने से कोई नहीं रोक सकता। मराठा प्रदर्शनकारियों के आजाद मैदान और आसपास के विभिन्न इलाकों में जमा होने और सप्ताहांत के बाद सोमवार को सरकारी और निजी कार्यालयों के फिर से खुलने के साथ पुलिस ने सुबह के समय दक्षिण मुंबई की ओर यातायात में कभी-कभी होने वाली रुकावटों के बारे में वाहन चालकों को आगाह किया है। मुंबई यातायात पुलिस ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट किया, आजाद मैदानः जारी आंदोलन के कारण कल (सोमवार) सुबह दक्षिण मुंबई की ओर जाते समय यातायात धीमा रह सकता है और कभी-कभी व्यवधान उत्पन्न हो सकता है। यातायात चौराहों पर दिए गए निदेर्शों का पालन करते रहें। व्यापारियों ने भी जारी मराठा आंदोलन पर चिंता जताई है और सामान्य स्थिति बहाल करने तथा दक्षिण मुंबई में व्यवसायों को दीर्घकालिक नुकसान से बचाने के लिए सरकार या उच्च न्यायालय से हस्तक्षेप की मांग की है। 'फेडरेशन ऑफ रिटेल ट्रेडर्स वेलफेयर एसोसिएशन' के अध्यक्ष वीरेन शाह ने कहा कि आजाद मैदान में उमड़ी भारी भीड़ ने दक्षिण मुंबई को पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है और दुकानों व बाजारों में सप्ताहांत की बिक्री प्रभावित हुई है।

सिंगापुर के प्रधानमंत्री ने नए नागरिकों से समाज में योगदान देने का आग्रह किया

300 नए नागरिकों को सिंगापुर की नागरिकता के प्रमाणपत्र प्राप्त

एजेंसी (हि.स.)
सिंगापुर

सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग ने नए नागरिकों से देश के 60 लाख लोगों के समुदाय में सक्रिय रूप से भाग लेकर समाज में योगदान देने का आह्वान किया है।अगस्त में आयोजित राष्ट्रीय नागरिकता समारोह में वोंग ने कहा कि नए नागरिक अपने पड़ोसियों को जानकर और विभिन्न पृष्ठभूमि के लोगों के साथ संबंध बेहतर करके भी ऐसा कर सकते हैं।

इस समारोह में 300 नए नागरिकों को सिंगापुर की नागरिकता के प्रमाणपत्र प्राप्त हुए। समारोह में नए नागरिकों ने सिंगापुर के प्रति अपनी प्रतिबद्धता और एक साझा भविष्य के निर्माण के लिए साथी सिंगापुरवासियों के साथ मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता जताई।मानव संसाधन की कमी और एक प्रतिशत से भी कम स्थानीय जन्म दर के साथ सिंगापुर हर साल लगभग 22,000 नए नागरिकों

फोटोः हि.स.

को स्वीकार करता है।'द स्ट्रेट्स टाइम्स' ने वोंग के हवाले से बताया, सक्रिय रूप से भाग लेकर आप न केवल नाम से बल्कि आत्मा और हृदय से भी सिंगापुर के नागरिक बनेंगे।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि नागरिक बनना सिंगापुरवासियों के साझा मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता है। उन्होंने बहुसंस्कृतिवाद को एक प्रमुख मूल्य बताते हुए कहा कि हमारा देश विभिन्न जातियों, धर्मों और संस्कृतियों के लोगों से बना है। उन्होंने कहा, विभिन्नताओं को हमने विभाजित करने देने के बजाय विविधता को एक ताकत के रूप में अपनाने का विकल्प चुना है। प्रधानमंत्री वोंग ने कहा कि नए नागरिक सिंगापुर की कहानी का हिस्सा हैं। अखबार ने वोंग के हवाले से लिखा, हमेशा याद रखें कि सिंगापुर का भविष्य सिर्फ सरकार नहीं लिखती। यह हम सब मिलकर लिखते हैं - चाहे नए हों या पुराने नागरिक। उन्होंने कहा, आपकी प्रतिबद्धता और आपके योगदान से हम अपनी सिंगापुरी भावना को जीवित रखेंगे तथा अपने राष्ट्र को और भी ऊंचाइयों पर ले जाएंगे।

सामाजिक सामंजस्य और एकीकरण को बढ़ावा देने के लिए काम करने वाली राष्ट्रीय एकता परिषद के समर्थन से पीपुल्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित राष्ट्रीय नागरिकता समारोह पहली बार 2007 में नागरिकता के महत्व को दर्शाने के लिए आयोजित किया गया था।

बिहार के कैमूर में आकाशीय बिजली गिरने से तीन की मौत

एजेंसी (हि.स.)
पटना

बिहार में कैमूर जिले के मोहनिया थाना क्षेत्र अन्तर्गत दनियालपुर कुरुई गांव में खेत में काम कर रही महिलाओं पर सोमवार को अचानक आकाशीय बिजली गिर गई। इस हादसे में तीन महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से झुलस गईं।गांव में मातम का माहौल है।

मृतकों में कुमारी देवी (पति मनोज राम), प्रेमशिला देवी (पति मदन राम), मांग्री देवी (पति अशोक राम) की मौत हो गई । वहीं मीरा देवी (पति रोहित राम), जानकी देवी (पति हरिश्चंद्र) ,कुंती देवी (पति श्रीराम), गीता देवी (पति मदन राम) घायल हो गई है। सभी महिलाएं एक ही गांव की बताई जा रही हैं। ग्रामीणों ने आनन-फानन में घायलों को मोहनिया अनुमंडल अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज जारी है। डॉक्टरों के अनुसार चार महिलाओं की स्थिति

फोटोः हि.स.

चिंताजनक बनी हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही जिला पार्षद गीता पासी मौके पर पहुंचीं। उन्होंने कहा कि आकाशीय बिजली से तीन महिलाओं की मौत और कई घायल होना बेहद दुखद है। मैं सरकार से मांग करती हूं कि पीड़ित परिवारों को तत्काल आपदा राहत राशि और मुआवजा दिया जाए।मोहनिया थाना प्रभारी ने बताया कि हादसे में तीन महिलाओं की मौत हुई है और पांच घायल हैं। मृतकों के शव को भभुआ सदर अस्पताल पोस्टमार्टम हेतु भेजा गया है। मौके पर पहुंचे अंचलाधिकारी ने भी घटना की पुष्टि की और आश्वासन दिया कि पीड़ित परिवारों को सरकारी सहायता मुहैया कराई जाएगी।

अटॉर्नी जनरल ने हाई कोर्ट से कहा, बर्खास्तगी की प्रक्रिया 'पूरी तरह अवैध'

नई दिल्ली। इजराइल की अटॉर्नी जनरल गली बहारीव-मियारा ने हाई कोर्ट में दायर याचिकाओं के जवाब में कहा है कि सरकार द्वारा उन्हें पद से हटाने की पूरी प्रक्रिया ह्लपूरी तरह अवैधह्व है। बहारीव-मियारा ने अपने बयान में कहा, ह्लसरकार ने अटॉर्नी जनरल का कार्यकाल समाप्त करने के नियमों में बदलाव किया, और यह बदलाव तब किया जब बर्खास्तगी की प्रक्रिया पहले ही शुरू हो चुकी थी। यह सिर्फ परिणाम सुनिश्चित करने के लिए किया गया।ह्व उनके अनुसार, सरकार ने मौजूदा कानूनी प्रक्रिया को छोड़कर एक नया रास्ता अपनाते हुए एक मंत्रिस्तरीय समिति गठित करने का निर्णय लिया, ताकि वही समिति बर्खास्तगी की सिफारिश कर सके। हाई कोर्ट इस मामले पर इस सप्ताह के अंत में सुनवाई करेगा। गौरतलब है कि अदालत ने सरकार के मतदान के तुरंत बाद बहाराव-मियारा की बर्खास्तगी पर रोक लगा दी थी।

'ब्राह्मण' भारतीय जनता की कीमत पर मुनाफाखोरी कर रहे हैं: नवारो

पीटर नवारो ने रूस से तेल की खरीद को लेकर भारत पर निशाना साधा

एजेंसी (हि.स.)
न्यूयॉर्क

रूस से तेल की खरीद को लेकर भारत पर एक बार फिर निशाना साधते हुए अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस' के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो ने कहा कि ब्राह्मण भारतीय जनता की कीमत पर मुनाफाखोरी कर रहे हैं और इसे रोकने की जरूरत है।

नवारो ने 'फॉक्स न्यूज संडे' से एक साक्षात्कार में कहा, देखिए (प्रधानमंत्री नरेन्द्र) मोदी एक महान नेता हैं। उन्होंने कहा कि मोदी दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश के नेता हैं और उन्हें समझ नहीं आता कि भारतीय नेता किस तरह रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के

फोटोः हि.स.

साथ सहयोग कर रहे हैं। नवारो ने कहा, तो मैं बस इतना ही कहना चाहूंगा, भारतीय जनता कृपया समझिए कि यहां क्या हो रहा है। आपके पास ब्राह्मण हैं जो भारतीय लोगों की कीमत पर मुनाफाखोरी कर रहे हैं। हमें इसे रोकने की जरूरत है।नवारो व्यापार तथा शुल्क (टैरिफ) पर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों को लेकर वाशिंगटन और नयी दिल्ली के बीच रिश्तों में आयी गिरावट के बाद पिछले कुछ दिनों से लगातार भारत को निशाना बना रहे हैं। ट्रंप ने भारत पर 25 प्रतिशत पारस्परिक शुल्क और रूसी तेल की खरीद के लिए अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क लगाया है। भारत ने उस पर लगाए गए शुल्क को अनुचित और विवेकहीन बताया है।

नवारो से चीन द्वारा रूसी तेल की खरीद को लेकर सवाल किया गया था। उनसे इस बारे में भी सवाल पूछा गया था कि क्या भारत पर अतिरिक्त शुल्क लागू करना पुतिन को घुटने टेकने के लिए मजबूर करने के वास्ते पर्याप्त है। इस पर उन्होंने कहा, खैर, साफ कहें तो हमने अब भारत पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाया है, लेकिन चीन पर भी 50 प्रतिशत से थोड़ा अधिक शुल्क है। तो सवाल यह है कि आप वास्तव में खुद को नुकसान पहुंचाए बिना कितना अधिक शुल्क लगाना चाहते हैं? नवारो ने कहा कि फरवरी 2022 में पुतिन द्वारा यूक्रेन पर आक्रमण से पहले भारत रूसी तेल नहीं खरीदता था और उसकी खरीद बहुत, बहुत कम मात्रा में होती थी।

जुगाड़ आयोग, सपा के 17 हजार से अधिक शपथ पत्रों का जवाब क्यों नहीं दे रहा : अखिलेश यादव

एजेंसी (हि.स.)
लखनऊ

समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सोमवार को निर्वाचन आयोग को 'जुगाड़ आयोग' करार देते हुए सवाल उठाया कि वह सपा के 17 हजार से अधिक शपथ पत्रों का जवाब क्यों नहीं दे रहा है।सपा प्रमुख यादव ने तंज कसते हुए अपने आधिकारिक 'एक्स' खाते पर एक पोस्ट में कहा जब 'जुगाड़ आयोग' एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) से सवा करोड़ रुपये का अपना घपला पकड़ सकता है तो फिर हमारे द्वारा दिये गये 18,000 में से केवल 14 हलफनामों (शपथ पत्र) का जवाब देने के बाद बचे 17986 हलफनामों का जवाब क्यों नहीं दे रहा है? इस पोस्ट में यादव ने एक समाचार चैनल का वीडियो साझा किया है जिसमें यह दावा किया गया है कि

फोटोः हि.स.

एआई के जरिए पंचायत चुनाव के मद्देनजर सवा करोड़ मतदाता कम किए गए हैं।

इसमें यह भी दावा किया गया है कि एआई के जरिए अलग अलग गांवों में डुप्लीकेट मतदाताओं की पहचान हुई है जिनके नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं। देश के मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार द्वारा पिछले माह एक प्रेसवार्ता में 'वोट चोरी' और अन्य अनियमितताओं के विपक्ष के आरोपों को गलत बताया गया था। यादव ने 'एक्स' पर एक अन्य संदेश में कहा था कि सपा ने 'वोट डकैती' के संबंध में 18 हजार शपथ पत्र आयोग को दिये थे, लेकिन कार्रवाई शून्य है। बाद में यादव ने भाजपा पर आरोप लगाते हुए कहा था भाजपा, चुनाव आयोग, जिलाधिकारी की तिकड़ी अभी तक हमारे द्वारा दिए गए 18 हजार हलफनामों में से सिर्फ 14 का ही जवाब दे पाई है। यादव ने 'एक्स' पर सोमवार को एक अन्य पोस्ट में कहा ह्लभाजपा ने जब से विश्वविद्यालयों का 'संगी-साथीकरण' किया है तब से विश्वविद्यालय प्रशासन की भेदकारी व पक्षपाती राजनीति का छात्रों की पढ़ाई और उनके जीवन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

पूर्वी अफगानिस्तान में आए शक्तिशाली भूकंप में कम से कम 250 लोगों की मौत

काबुल। पाकिस्तान की सीमा के निकट पूर्वी अफगानिस्तान में आए शक्तिशाली भूकंप में कम से कम 250 लोगों की मौत हो गयी तथा कम से कम 500 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण के अनुसार, भूकंप के झटके रविवार देर रात पड़ोसी नंगरहार प्रांत के जलालाबाद शहर के समीप कुनार प्रांत के कई कस्बों में महसूस किए गए। रात 11:47 बजे आए भूकंप की तीव्रता 6.0 मापी गयी और इसका केंद्र नंगरहार प्रांत के जलालाबाद शहर से 27 किलोमीटर दूर पूर्व-उत्तरपूर्व में था। भूकंप का केंद्र जमीन से आठ किलोमीटर की गहराई में था। कम गहराई वाले भूकंप ज्यादा नुकसान पहुंचाते हैं। कुनार आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने एक बयान में कहा कि नूर गुल, सोकी, वटपुर, मनोगी और चापाडारे जिलों में कम से कम 250 लोग मारे गए और 500 अन्य घायल हुए हैं।

बुलडोजर कार्रवाई पर बोले सदर विधायक अपराधी अब खाकी को दे रहे चुनौती

एजेंसी (हि.स.)
उरई

उरई कोतवाली क्षेत्र में मारपीट और आगजनी की घटना के बाद जिला व पुलिस प्रशासन द्वारा घटना में संलिप्त आरोपी के घर पर बुलडोजर चलाया गया। मामले को लेकर सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा का बयान सामने आया है। विधायक का कहना है कि आरोपी अवैध कारोबार में संलिप्त रहे हैं, जिससे उन्होंने अकूत संपत्ति अर्जित की। इन कार्यों में पुलिस की भी मूक सहमति रही है। अब वही माफिया खाकी को चुनौती दे रहे हैं।

बता दें कि रविवार को जालौन के उरई कोतवाली क्षेत्र के जेल रोड पर हुए बुलडोजर एक्शन के बाद सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा ने इसे 'योगी राज' करार दिया। उन्होंने कहा कि अपराधी किसी भी जाति, धर्म या संप्रदाय के हों, उन्हें किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। वहीं, विधायक ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी करते हुए कहा कि कालपी रोड पर शुक्रवार रात

फोटोः हि.स.

शताब्दी ट्रैवल्स के ऑफिस में जिस प्रकार महिलाओं के साथ अभद्रता की गई, व्यापारियों से मारपीट की गई और बाइकों को आग के हवाले किया गया। वह कृत्य अत्यंत निंदनीय है। जिला व पुलिस प्रशासन द्वारा आरोपियों पर की गई कार्रवाई उचित है। उन्होंने यह भी कहा कि आरोपी पूर्व में भी इस प्रकार की घटनाओं को अंजाम दे चुके हैं। इन्होंने लोगों को डरा-धमका कर संपत्ति अर्जित की है। विधायक ने यह भी आरोप लगाया कि इन लोगों का जुए और सट्टे का भी कारोबार रहा है, जिसमें पुलिस की भूमिका संदिग्ध रही है। पुलिस की सहमति से ही यह अवैध व्यापार फलता-फूलता रहा, जिससे आज ये अपराधी ताकतवर बन चुके हैं और इस तरह की घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं।

उ.कोरियाई नेता ने चीन की यात्रा से पहले नए मिसाइल कारखाने का निरीक्षण किया

एजेंसी (हि.स.)
सियोल

उत्तर कोरिया ने सोमवार को कहा कि उसके नेता किम जोंग उन ने सप्ताहांत में एक नए हथियार कारखाने का निरीक्षण किया, जो मिसाइलों के बड़े पैमाने पर उत्पादन की उनकी योजना को तेज करने के लिए महत्वपूर्ण है।उन्होंने यह दौरा चीन में एक बड़ी सैन्य परेड में शामिल होने से पहले किया है।

उत्तर कोरिया की आधिकारिक 'कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी' (केसीएनए) ने यह नहीं बताया कि किम ने रविवार को जिस कारखाने का निरीक्षण किया, वह कहां स्थित है लेकिन ऐसा अनुमान है कि यह जांगांग प्रांत में हो सकता है, जो चीन से सटा हुआ देश का प्रमुख शस्त्र उद्योग केंद्र है। चीन और उत्तर कोरिया दोनों ने पिछले सप्ताह पुष्टि की थी कि किम छह साल बाद पहली बार चीन जाएंगे और बुधवार को बीजिंग में आयोजित होने वाली सैन्य परेड में शामिल होंगे। यह परेड द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति और जापानी आक्रामकता के विरुद्ध चीन के प्रतिरोध की 80वीं वर्षगांठ

फोटोः हि.स.

पर हो रही है। इस परेड में चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग द्वारा आमंत्रित 26 विदेशी नेताओं में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भी शामिल हैं। पुतिन को यूक्रेन पर हमले में किम का बड़ा समर्थन मिला है। बीजिंग की यह परेड अमेरिका के दक्षिण कोरिया और जापान के साथ सुरक्षा सहयोग को मजबूत करने के प्रयासों के खिलाफ तीनों देशों की नजदीकी को प्रदर्शित करेगी। दक्षिण कोरियाई मीडिया में अटकल लगायी गयी है कि किम सोमवार को ट्रेन से चीन रवाना हो सकते हैं। चीन के दांडोंग सीमा शहर में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है और रेल यातायात रोक दिया गया है। दक्षिण कोरियाई अधिकारियों का कहना है कि किम रूस को तोपखाने और बैलिस्टिक मिसाइलों सहित बड़ी मात्रा में हथियार उपलब्ध करा रहे हैं और हजारों सैनिक भी भेज चुके हैं।

मिसाल गोटखिंडी गांव में हर साल मस्जिद में मनाया जात है गणपति उत्सव

मस्जिद में की जाती है गणपति बप्पा की स्थापना

अन्यत्र धार्मिक तनाव का सांगली जिले के गोटखिंडी गांव के निवासियों पर कभी असर नहीं पड़ाः पाटिल

एजेंसी (हि.स.)
सांगली (महाराष्ट्र)

महाराष्ट्र के गांव गोटखिंडी में चार दशक से अधिक समय से एक अनोखा गणेश उत्सव मनाया जा रहा है, जिसमें एक मस्जिद में गणपति बप्पा की मूर्ति स्थापित की जाती है।

स्थानीय गणेश मंडल के संस्थापक अशोक पाटिल ने को बताया कि अन्यत्र धार्मिक तनाव का सांगली जिले के गोटखिंडी गांव के निवासियों पर कभी असर नहीं पड़ा है। इस गांव की आबादी करीब 15,000 है, जिसमें मुस्लिम समुदाय के 100 परिवार शामिल हैं। पाटिल (60) ने बताया कि मुसलमान भी इस मंडल के सदस्य हैं। वे 'प्रसाद'

फोटोः हि.स.

बनाने, पूजा अर्चना करने और उत्सव की तैयारियों में मदद करते हैं। उन्होंने बताया कि यह परंपरा 1980 में शुरू हुई थी, जब भारी बारिश के कारण हिंदू और मुस्लिम समुदायों के सदस्यों ने सांगली जिले के गोटखिंडी गांव में एक मस्जिद के अंदर गणपति की मूर्ति को ले जाने का फैसला किया था।पाटिल ने कहा, तब से यह परंपरा शांतिपूर्वक जारी है और इसमें मुस्लिम समुदाय की सक्रिय भागीदारी है। गांव के झुंझार चौक पर 'न्यू गणेश तरुण मंडल' की स्थापना 1980 में हुई थी। मूर्ति को 10 दिन के उत्सव के लिए मस्जिद में रखा जाता है और फिर अनंत चतुर्दशी के दिन उत्सव के समापन पर स्थानीय जलाशय में विसर्जित कर दिया जाता है। पाटिल ने बताया कि एक बार बकरीद और गणेश चतुर्थी की तारीखें एक साथ पड़ीं, तो मुसलमानों ने अपना त्योहार केवल नमाज अदा करके और 'कुबार्नी' न देकर मनाया था। उन्होंने कहा, वे हिंदू त्योहारों के दौरान भी मांस खाने से परहेज करते हैं। उन्होंने कहा, पूरे देश को यहां के सामाजिक और धार्मिक सद्भाव के वातावरण से प्रेरणा लेनी चाहिए।

पाटिल ने बताया कि हर साल गणेश मूर्ति की 'प्राण प्रतिष्ठा' के लिए स्थानीय पुलिस और तहसीलदार को आमंत्रित किया जाता है इस साल 10 दिवसीय गणपति उत्सव 27 अगस्त से शुरू हुआ।

संक्षिप्त-समाचार

भूस्खलन के मलबे की चपेट में आए वाहन में सवार दो व्यक्तियों की मृत्यु, आधा दर्जन घायल

रुद्रप्रयाग। उत्तराखंड में केदारनाथ के समीप सोमवार को एक वाहन के भूस्खलन की चपेट में आने से उसमें सवार एक महिला समेत दो तीर्थयात्रियों की मौत हो गई तथा आधा दर्जन अन्य घायल हो गए । अधिकारियों ने यह जानकारी दी । उन्होंने बताया कि घायलों में से तीन की हालत चिंताजनक है । रुद्रप्रयाग के जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि हादसा सुबह साढ़े सात बजे केदारनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर सोनप्रयाग और गौरीकुंड के बीच मुनकटिया के पास हुआ जब पहाड़ी से अचानक मलबा और पत्थर गिरने लगे और उनकी चपेट में वहां से गुजर रहा एक बोलेरो वाहन आ गया । रजवार ने बताया कि मलबे और पत्थरों की चपेट में आने से वाहन में सवार एक महिला समेत दो श्रद्धालुओं की मौके पर ही मृत्यु हो गई जबकि छह अन्य घायल हो गए । उन्होंने बताया कि हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग एवं आपातकालीन सेवाएं मौके पर पहुंचीं और फाटा, सोनप्रयाग एवं गुप्तकाशी से कुल चार एंबुलेंस के जरिए घायलों को निकटवर्ती सोनप्रयाग अस्पताल पहुंचाया गया । अधिकारी ने बताया कि तीन घायलों की हालत गंभीर बतायी जा रही है जिन्हें बेहतर उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा जा रहा है । हादसे के समय वाहन में 11 व्यक्ति सवार थे । दो अन्य को हल्की-फुल्की चोटें आयीं । मृतकों की पहचान उत्तरकाशी जिले के बड़कोट की रहने वाली रीता (30) और चंद्र सिंह (68) के रूप में हुई है जबकि नवीन सिंह रावत, प्रतिभा (25) और ममता (35) दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए ।

साइबर जालसाज ने व्हाट्सऐप पर फर्जी जिला पुलिस प्रमुख बनकर, पुलिस कर्मियों को निशाना बनाया

कोल्लम (केरल)। केरल के दक्षिणी जिले कोल्लम में एक साइबर जालसाज ने जिला पुलिस प्रमुख बनकर और एक फर्जी व्हाट्सऐप अकाउंट के जरिए पैसे मांगकर पुलिसकर्मियों को ठगने की कोशिश की, जिसके बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस के एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। इस संबंध में कोल्लम साइबर थाने में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, कोल्लम ग्रामीण पुलिस के कई अधिकारियों को पिछले हफ्ते एक व्हाट्सऐप नंबर से संदेश मिले, जिस पर जिला पुलिस प्रमुख विशु प्रतीप टीके की वर्दी में प्रोफाइल तस्वीर लगी थी। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा, व्यक्ति ने पुलिसकर्मियों से 'चैट' (बातचीत) शुरू की और तत्काल आवश्यकता का हवाला देते हुए 40,000 रुपये हस्तांतरित करने का अनुरोध किया। हालांकि, राज्य भर में इसी तरह की साइबर धोखाधड़ी की घटनाओं से अवगत सतर्क अधिकारियों ने तुरंत वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित किया। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि इस घटना में किसी का पैसा नहीं गया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि सोशल मीडिया निगरानी प्रकोष्ठ ने बाद में साइबर थाने को सूचित किया और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 318(4) (धोखाधड़ी) और 3(5) (साझा इरादे से अपराध करना) के साथ-साथ सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 66सी (पहचान उपकरण, कंप्यूटर) और 66डी के तहत मामला दर्ज किया गया। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि धोखेबाज ने नयी दिल्ली के सोनगेट स्थित एक बैंक खाते में धन हस्तांतरण का अनुरोध किया था। पुलिस धोखाधड़ी के अन्य मामलों की कड़ी जोड़ने के लिए खाताधारक का पता लगा रही है।

देवरिया रेलवे स्टेशन पर किन्नरों ने आरपीएफ इंस्पेक्टर पर हमला किया, दो गिरफ्तार

देवरिया (उप्र)। देवरिया रेलवे स्टेशन पर रविवार की देर रात यात्रियों से अवैध वसूली कर रहे किन्नरों ने हस्तक्षेप करने पर रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के इंस्पेक्टर पर हमला कर दिया। आरपीएफ ने सोमवार को बताया कि मामले में दो किन्नरों को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरपीएफ इंस्पेक्टर आस मोहम्मद ने यहां पत्रकारों से कहा कि देवरिया सदर रेलवे स्टेशन पर यात्रियों ने आरपीएफ को शिकायत की थी कि स्टेशन पर किन्नरों द्वारा परेशान कर वसूली की जा रही है। मोहम्मद ने बताया कि जानकारी के बाद वे खुद बिना वर्दी पहने तत्काल मौके पर पहुंचे तथा किन्नरों को ऐसा न करने की चेतावनी दी, जिस पर किन्नर उनसे उलझ गये और हमला कर दिया। उन्होंने बताया कि इस मामले में राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) में मुकदमा दर्ज कर दो किन्नरों साहिल और चांद को गिरफ्तार कर लिया गया है। घटना का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर आया है जिसमें किन्नरों के हमले से बचने के लिए आरपीएफ इंस्पेक्टर भागते नजर आ रहे हैं।

मुंबई-अहमदाबाद राजमार्ग पर बस और ट्रक के बीच टक्कर में आठ यात्री घायल

पालघर। महाराष्ट्र के पालघर जिले में मुंबई-अहमदाबाद राजमार्ग पर एक निजी 'लग्जरी' बस के एक ट्रक से टकरा जाने से आठ यात्री घायल हो गए। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दुर्घटना रविवार दोपहर कासा के पास हुई, जब बस मुंबई से अहमदाबाद की ओर जा रही थी। कासा थाने के निरीक्षक अविनाश मांडले ने बताया कि बस ने आगे चल रहे एक ट्रक को टक्कर मार दी। उन्होंने बताया कि आठ पुरुष यात्रियों को मामूली चोटें आईं। उनका कासा उपजिला अस्पताल में इलाज किया गया और बाद में उन्हें छुट्टी दे दी गई। पुलिस ने बताया कि बस चालक के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और मोटर वाहन अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

मणिपुर में दो उग्रवादी गिरफ्तार

इंफाल। मणिपुर के इंफाल पूर्वी और पश्चिमी जिलों में दो पृथक अभियानों में मणिपुर पुलिस ने प्रतिबंधित संगठन प्रेपक (पीआरो) संगठन से संबद्ध दो उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। एक आधिकारिक बयान में सोमवार को यह जानकारी दी गई। बयान में कहा गया है कि ये गिरफ्तारियां रविवार को इंफाल पूर्वी जिले के ताखेल अवांग लीकाई और इंफाल पश्चिमी जिले के खोंगमपत मंत्री लीकाई में की गईं।इस बीच, सुरक्षा बलों ने शनिवार को इंफाल पश्चिम जिले के कांटो सबल में एक अभियान के दौरान तीन ग्रेनेड, विभिन्न 'कैलिबर' के 53 कारतूस और एक ऐसी सामग्री जब्त की, जिसके आईईडी होने का संदेह है।

विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप : नीरज चोपड़ा भारत की 19 सदस्यीय टीम की अगुवाई करेंगे

अविनाश साबले टोक्यो विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 से बाहर

- तीन एथलीट्स ने सीधे एंट्री स्टैंडर्ड पार कर क्वालीफाई किया

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एएफआई) ने रविवार को टोक्यो में अगले महीने शुरू होने वाली विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए भारत की अंतिम 19 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी। इस टीम में 14 पुरुष और 5 महिला एथलीट शामिल हैं, जो 15 अलग-अलग स्पधाओं में चुनौती पेश करेंगे।

भारत की सबसे बड़ी पदक उम्मीद एक बार फिर भाला फेंक विश्व चैंपियन नीरज चोपड़ा होंगे, जो डिफेंडिंग चैंपियन होने के नाते वाइल्ड कार्ड एंट्री से सीधे क्वालीफाई हुए हैं। उनके अलावा तीन और भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी—सचिन यादव, यश वीर सिंह और रोहित यादव—भी मैदान में

फोटोः हि.स.

उतरेंगे।तीन एथलीट्स ने सीधे एंट्री स्टैंडर्ड पार कर क्वालीफाई किया है—गुलवीर सिंह (5000 मीटर), प्रवीण चित्रावल (ट्रिपल जंप) और पारुल चौधरी (3000 मीटर स्टीपलचेज)।गुलवीर 10,000 मीटर दौड़ में भी हिस्सा लेंगे, वहीं मिडिल डिस्टेंस धाविका पूजा 800 मीटर और 1500 मीटर दोनों स्पधाओं में चुनौती पेश करेंगी।हालांकि, अविनाश साबले, नंदिनी आगरसरा और अक्षदीप सिंह ने क्वालीफाई किया था लेकिन मेडिकल कारणों से उन्हें टीम में जगह नहीं मिली। एएफआई के मुख्य कोच राधाकृष्णन नायर ने बताया कि 4 से 9 सितंबर तक टोक्यो में प्री-कम्पटीशन ट्रेनिंग कैंप होगा। 10 सितंबर को सभी खिलाड़ी आधिकारिक होटल में शिफ्ट होंगे। नीरज चोपड़ा 5 सितंबर को सीधे चेक गणराज्य से टीम से जुड़ेंगे। विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 13 से 21 सितंबर तक टोक्यो में खेली जाएगी।

भारतीय टीम

पुरुष

1. नीरज चोपड़ा-भाला फेंक (वाइल्ड कार्ड)।
2. गुलवीर सिंह -5000 मीटर (एंट्री स्टैंडर्ड)
3. प्रवीण चित्रावल -ट्रिपल जंप (एंट्री स्टैंडर्ड)
4. अब्दुल्ला अबूबकर -ट्रिपल जंप (रैंकिंग 31/36)
5. सर्वेश कुशारे -हाई जंप (रैंकिंग 34/36)
6. अनीमेश कुजूर -200 मीटर (रैंकिंग 42/48)
7. सचिन यादव -भाला फेंक (रैंकिंग 20/36)
8. यश वीर सिंह -भाला फेंक (रैंकिंग 30/36)
9. मुरली श्रीशंकर -लॉन्ग जंप (रैंकिंग 36/36)
10. सर्विन सेबेस्टियन -20 किमी रेस वॉक (रैंकिंग 34/50)
11. राम बाबू -35 किमी रेस वॉक (रैंकिंग 50/50)
12. गुलवीर सिंह -10,000 मीटर (इन्विटेशन)
13. संदीप -35 किमी रेस वॉक (इन्विटेशन)
14. रोहित यादव -भाला फेंक (इन्विटेशन)
15. तेजस शिर्से - 110 मीटर बाधा दौड़ (इन्विटेशन)

महिला

1. पारुल चौधरी - 3000 मीटर स्टीपलचेज (एंट्री स्टैंडर्ड)
2. अन्नू रानी -भाला फेंक (रैंकिंग 22/36)
3. प्रियांका गोस्वामी -35 किमी रेस वॉक (रैंकिंग 33/50)
4. अंकिता -3000 मीटर स्टीपलचेज (रैंकिंग 35/36)
5. पूजा - 1500 मीटर (रैंकिंग 49/56)
6. पूजा -800 मीटर (इन्विटेशन)

कप्तान नितीश राणा की ऑलराउंड चमक से वेस्ट दिल्ली लायंस ने जीता डीपीएल 2025 खिताब

- फाइनल में वेस्ट दिल्ली लायंस ने सेंट्रल दिल्ली किंग्स को 6 विकेट से हराया

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

फोटोः हि.स.

अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2025 के रोमांचक फाइनल में वेस्ट दिल्ली लायंस ने सेंट्रल दिल्ली किंग्स को 6 विकेट से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। टीम के कप्तान नितीश राणा एक बार फिर संकटमोचक बने और नाबाद 79 रनों की शानदार पारी खेलकर टीम को विजेता बनाया।

174 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्ट दिल्ली लायंस की शुरूआत खराब रही। सिमरजीत सिंह और अरुण पुंडीर ने शुरूआती झटके देकर टीम को 48/3 पर पहुंचा दिया। दबाव के इस मौके पर कप्तान राणा ने जिम्मेदारी संभाली और पहले मयंक गुसाईं के साथ 42 रनों की साझेदारी की। गुसाईं (15 रन, 11 गेंद) तेजस बारोका का शिकार बने, लेकिन राणा तब तक मैच पर पकड़ बना चुके थे। इसके बाद राणा को रितिक शौकीन का साथ मिला और दोनों ने नाबाद साझेदारी कर जीत पक्की कर दी। शौकीन ने संयम से खेलते हुए 42* (27 गेंद) बनाए, जबकि राणा ने नियंत्रित आक्रामकता दिखाते हुए लगातार चौके-छक्कों से स्कोरबोर्ड को आगे बढ़ाया। दोनों की अटूट साझेदारी ने सेंट्रल दिल्ली किंग्स के गेंदबाजों को पूरी तरह बेअसर कर दिया और टीम को खिताबी जीत दिलाई।

इससे पहले बल्लेबाजी करते हुए सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने खराब शुरूआत के बाद शानदार वापसी कर 20 ओवरों में 173/7 रन बनाए। एक समय टीम 78/6 पर जूझ रही थी, लेकिन युगल सैनी और प्रांशु विजयरण ने 78 रनों की अहम साझेदारी कर मैच का रुख बदल दिया। युगल सैनी ने 65 (48 गेंद) की धैर्यपूर्ण पारी खेली, जबकि प्रांशु विजयरण ने मात्र 24 गेंदों पर नाबाद 50 रन ठोककर आखिरी ओवरों में धूम मचा दी।

गेंदबाजी में वेस्ट दिल्ली लायंस के लिए मनन भारद्वाज ने 3 ओवर में 2/11 के आंकड़े के साथ शानदार प्रदर्शन किया। शिवांक वशिष्ठ ने भी 2 ओवर में 2/12 झटके। कप्तान नितीश राणा ने गेंद से भी योगदान दिया और 4 ओवर में सिर्फ 16 रन देकर 1 विकेट हासिल किया।

जापान की अकाने यामागुची ने तीसरी बार जीता बैडमिंटन विश्व चैंपियनशिप खिताब

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

पेरिस में खेले गए बैडमिंटन विश्व चैम्पियनशिप के महिला एकल फाइनल में जापान की अकाने यामागुची ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चीन की पूर्व विश्व नंबर-1 चेन यूफेई को सीधे सेटों में 21-9, 21-13 से हराकर तीसरी बार विश्व खिताब अपने नाम किया।

पांचवीं वरीयता प्राप्त यामागुची ने महज 37 मिनट में मुकाबला समाप्त कर 2021 और 2022 के बाद अपना तीसरा स्वर्ण पदक हासिल किया। मैच के दौरान वह पूरी तरह आत्मविश्वास से भरी नजर आईं और अपने प्रतिद्वंद्वी को कोई मौका नहीं दिया।

चीन की टोक्यो ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता चेन यूफेई ने सेमीफाइनल में शीर्ष वरीय और मौजूदा चैम्पियन दक्षिण कोरिया की आन से-यंग को हराया था। हालांकि, इस दौरान उनके

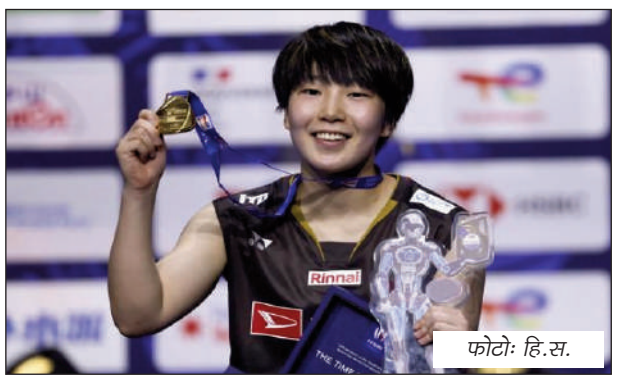

फोटोः हि.स.

टखने में चोट लग गई थी और फाइनल में उनकी मूवमेंट पर इसका असर साफ दिखाई दिया। यामागुची ने पहले गेम में पूरी तरह दबदबा बनाए रखा और दूसरे गेम में अंतराल के बाद लगातार अंक जुटाकर जीत सुनिश्चित कर ली। यह चेन का दूसरा विश्व चैम्पियनशिप रजत पदक है।

इसी टूर्नामेंट में मलेशिया की चौथी वरीय जोड़ी चेन टांग जी और तोह ई वी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चीन की दूसरी वरीय जोड़ी जियांग झेनबांग और वेई याक्सिन को 21-15, 21-14 से मात देकर मिक्स्ड डबल्स का खिताब अपने नाम किया।

वहीं पुरुष एकल फाइनल में चीन के विश्व नंबर-1 शी यूकी और मौजूदा चैम्पियन थाईलैंड के कुनलावुत वितिद्सर्न के बीच खिताबी मुकाबला खेला जाएगा।

यूपी टी20 लीगः मेरठ मैवरिक्स ने रिंकू सिंह और स्वस्तिक की तूफानी पारियों से नोएडा किंग्स को 8 विकेट से हराया

लखनऊ। भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम में खेले गए यूपी टी20 लीग सीजन-3 के रोमांचक मुकाबले में मेरठ मैवरिक्स ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए नोएडा किंग्स को 8 विकेट से मात दी। 201 रनों का विशाल लक्ष्य मैवरिक्स ने मात्र 18.3 ओवर में हासिल कर लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए नोएडा किंग्स ने निर्धारित 20 ओवर में 200/3 का बड़ा स्कोर खड़ा किया। टीम की ओर से कप्तान प्रशांत वीर ने 29 गेंदों पर 57 रन (8 चौके, 2 छक्के) की विस्फोटक पारी खेली, जबकि शिवम चौधरी ने नाबाद 85 रन (56 गेंद, 5 चौके, 6 छक्के) जड़े। रवि सिंह ने भी 21 रन का योगदान दिया। गेंदबाजी में मेरठ के लिए यश गर्ग (4 ओवर, 26 रन, 1 विकेट) सबसे किफायती रहे। 201 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी मेरठ मैवरिक्स की शुरूआत जोरदार रही। स्वस्तिक छिकारा ने 38 गेंदों पर 64 रन (2 चौके, 7 छक्के) जड़कर पारी को रफ्तार दी। उनके साथ रितुराज शर्मा ने 56 रन (44 गेंद, 4 चौके, 3 छक्के) बनाए। अंत में कप्तान रिंकू सिंह ने केवल 12 गेंदों पर 37 रन (3 चौके, 3 छक्के) की धमाकेदार पारी खेली, जबकि माधव कौशिक ने 38 रन (19 गेंद, 1 चौका, 4 छक्के) जड़कर टीम को 18.3 ओवर में जीत दिला दी।

ओवल इनविंसिबल्स ने तीसरी बार जीता द हंड्रेड खिताब

- ओवल इनविंसिबल्स ने फाइनल में ट्रेंट रॉकेट्स को 26 रन से हराया

एजेंसी (हि.स.)

लंदन

ओवल इनविंसिबल्स ने लगातार तीसरी बार 'द हंड्रेड' का खिताब अपने नाम किया। रविवार रात खेले गए फाइनल में उन्होंने ट्रेंट रॉकेट्स को 26 रन से हराकर ऐतिहासिक जीत दर्ज की। टीम की जीत के नायक रहे विल जैक्स (72 रन) और नाथन सोउटर (3/25), जिन्होंने निर्णायक प्रदर्शन किया।

पहले बल्लेबाजी करते हुए इनविंसिबल्स ने 168/5 का स्कोर खड़ा किया। विल जैक्स ने 41 गेंदों में 7 चौके और 4 छक्कों की मदद से 72 रन बनाए, जबकि जॉर्डन कॉक्स ने 40 रन जोड़े। दोनों के बीच 87 रनों की अहम साझेदारी हुई। हालांकि, आखिरी ओवरों में रॉकेट्स के गेंदबाजों ने शानदार वापसी की और सिर्फ 25 रन ही दिए, जिससे इनविंसिबल्स बड़ा स्कोर बनाने से चूक गए।

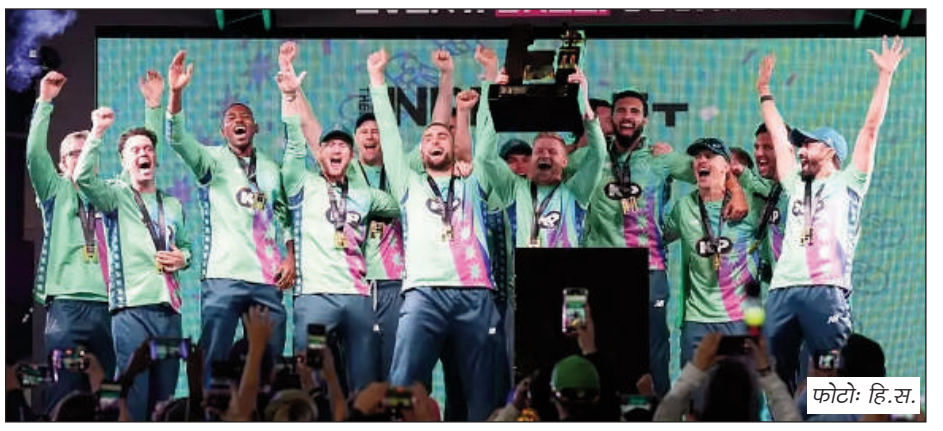

फोटोः हि.स.

लक्ष्य का पीछा करते हुए रॉकेट्स की शुरूआत धीमी रही। पावरप्ले में उन्होंने 32 रन बनाए लेकिन नाथन सोउटर ने मिडिल ओवर्स में कहर ढा दिया। उन्होंने जो रूट (10) को आउट करने के बाद रेहान अहमद और टॉम बैंटन को भी चलता किया। इससे रॉकेट्स का स्कोर 37/3 हो गया।

इसके बाद डेविड विली और मार्कस स्टोइनिस ने पारी को संभालने की कोशिश की। स्टोइनिस ने शानदार 64 रन (38 गेंद) बनाए और आखिरी तक जूझते रहे। रॉस व्हाइटली ने भी उनका साथ दिया और दोनों ने 38 रन की साझेदारी की, लेकिन रन रेट का दबाव भारी पड़ गया। आखिरी ओवर में 33 रन की दरकार थी, जो संभव नहीं हो सका और पूरी टीम 142/8 तक ही पहुंच सकी।

संक्षिप्त स्कोरकार्ड

ओवल इनविंसिबल्सः 168/5 (विल जैक्स 72, जॉर्डन कॉक्स 40; मैट कार्टर 2/24)

ट्रेंट रॉकेट्सः 142/8 (मार्कस स्टोइनिस 64; नाथन सोउटर 3/25, साकिब महमूद 2/22)

परिणामः ओवल इनविंसिबल्स 26 रन से विजयी

महिलाओं में इन लापरवाहियों की वजह से बढ़ जाता है थायरॉइड का खतरा

थायरॉइड ग्रंथि हमारे शरीर में गर्दन के निचले हिस्से में स्थित एक छोटी तितली के आकार की ग्रंथि है। यह हमारे शरीर के मेटाबॉलिज्म, ऊर्जा और हार्मोन को नियंत्रित करने के लिए महत्वपूर्ण हार्मोन बनाती है। महिलाओं में मासिक धर्म, गर्भावस्था और रजोनिवृत्ति के दौरान हार्मोनल उतार-चढ़ाव अधिक होते हैं, जिससे उनमें थायरॉइड की समस्या, जैसे हाइपोथायरायडिज्म और हाइपरथायरायडिज्म, अधिक देखने को मिलती है। अक्सर महिलाएं अपने स्वास्थ्य को नजरअंदाज कर देती हैं, जिससे यह समस्या धीरे-धीरे गंभीर रूप ले लेती है। यही वजह है कि उन्हें कुछ विशेष सावधानियां बरतने की जरूरत होती है। ऐसे में अक्सर कुछ महिलाएं ऐसी लापरवाही कर देती हैं जिससे उनमें थायरायड का जोखिम बढ़ जाता है। आइए इस लेख में जानते हैं महिलाओं को किस तरह की लापरवाहियों से बचना चाहिए।

आयोडीन की कमी

महिलाओं में थायरॉइड का सबसे बड़ा कारण पोषण की कमी है। डाइट में आयोडीन, सेलेनियम, और जिंक जैसे महत्वपूर्ण पोषक तत्वों की कमी से थायरॉइड ग्रंथि ठीक से काम नहीं कर पाती। ये तत्व थायरॉइड हार्मोन के उत्पादन के लिए बहुत जरूरी हैं। इसलिए अपनी डाइट में आयोडीन युक्त नमक, मछली, अंडे, और नट्स को शामिल करना चाहिए।

तनाव और हार्मोनल असंतुलन

लगातार रहने वाला तनाव महिलाओं में हार्मोनल संतुलन को बिगाड़ सकता है, जिससे थायरॉइड पर सीधा असर पड़ता है। तनाव के कारण कॉर्टिसोल नामक हार्मोन बढ़ जाता है, जो थायरॉइड के कार्य को बाधित कर सकता है। योग, ध्यान और पर्याप्त नींद तनाव को कम करने में मदद करते हैं।

शारीरिक निष्क्रियता

आजकल की जीवनशैली में शारीरिक गतिविधि की कमी भी थायरॉइड समस्याओं का एक बड़ा कारण है। नियमित व्यायाम, जैसे तेज चलना, जॉगिंग और योग, न केवल शरीर के मेटाबॉलिज्म को बेहतर बनाता है, बल्कि यह हार्मोनल संतुलन को भी बनाए रखता है, जिससे थायरॉइड की कार्यक्षमता में सुधार होता है।

थायरॉइड के शुरूआती लक्षणों की अनदेखी

कई महिलाएं थायरॉइड के शुरूआती लक्षणों (जैसे थकान, वजन बढ़ना, या मूड में बदलाव) को नजरअंदाज कर देती हैं। अगर परिवार में थायरॉइड की समस्या का इतिहास है, तो नियमित जांच करवाना बेहद जरूरी है। थायरॉइड फंक्शन टेस्ट एक सरल रक्त परीक्षण है जो इस समस्या का पता लगाने में मदद करता है। शुरूआती पहचान से इसका इलाज बहुत आसान हो जाता है।

अधिक वर्कलोड के कारण शरीर में हो सकती हैं ये स्वास्थ्य समस्याएं

आजकल के प्रतिस्पर्धी माहौल में, नौकरी में अत्यधिक वर्कलोड एक आम बात हो गई है। लंबे समय तक काम करना और लगातार दबाव में रहना न केवल हमें मानसिक रूप से थकाता है, बल्कि हमारे शारीरिक स्वास्थ्य पर भी इसका गंभीर प्रभाव पड़ता है। कई शोधों में इस बात की पुष्टि हुई है कि ज्यादा काम का बोझ सीधे तौर पर हमारे स्वास्थ्य को प्रभावित करता है। यह केवल मानसिक तनाव और थकान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह शरीर के अंदरूनी कार्यों पर भी बुरा असर डालता है, जिससे गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। यह समझना जरूरी है कि अत्यधिक वर्कलोड का असर हमारे शरीर के हर हिस्से पर पड़ता है। यह हमारे दिल, पाचन तंत्र, और प्रतिरक्षा प्रणाली को कमजोर कर सकता है।

मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा असर

अत्यधिक वर्कलोड से सबसे ज्यादा नुकसान हमारे मानसिक स्वास्थ्य को होता है। लगातार काम के दबाव में रहने से तनाव, एंग्जायटी और डिप्रेशन का खतरा बढ़ जाता है। लोग चिड़चिड़ापन, निराशा और ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई महसूस कर सकते हैं। यह समस्या अक्सर नींद की कमी के साथ मिलकर स्थिति को और भी खराब कर देती है।

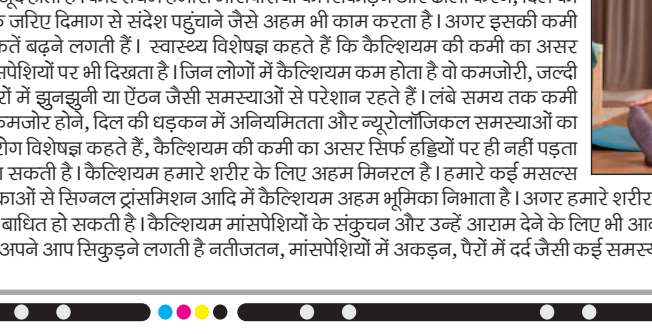

हृदय रोग का बढ़ता जोखिम

एक शोध के अनुसार ज्यादा वर्कलोड सीधे तौर पर उच्च रक्तचाप और हृदय रोगों से जुड़ा है। जब आप तनाव में होते हैं, तो आपका शरीर तनाव हार्मोन, जैसे कि कोर्टिसोल, छोड़ता है, जो रक्तचाप को बढ़ा सकता है। यह हार्मोनल असंतुलन लंबे समय में हृदय को नुकसान पहुंचाता है और दिल के दौरे का खतरा बढ़ा देता है।

मोटापा और पाचन संबंधी समस्याएं

अत्यधिक वर्कलोड के कारण लोग अक्सर अनहेल्दी खानपान की आदतें अपना लेते हैं। वे जल्दी-जल्दी खाते हैं, जंक फूड और प्रोसेस्ड फूड का सेवन ज्यादा करते हैं। तनाव के कारण शरीर में फैट भी जमा होने लगता है, जिससे मोटापा बढ़ता है। इसके अलावा मानसिक तनाव की वजह से पाचन तंत्र भी प्रभावित होता है, जिससे अपच, गैस और कब्ज जैसी समस्याएं भी देखने को मिलती हैं।

शारीरिक दर्द और कमजोर इम्यून सिस्टम

लंबे समय तक एक ही जगह बैठकर काम करने से पीठ, गर्दन और कंधों में दर्द हो सकता है। इसके अलावा अत्यधिक तनाव हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली को कमजोर कर देता है। जब इम्यून सिस्टम कमजोर होता है, तो हम आसानी से वायरल संक्रमण और अन्य बीमारियों का शिकार हो सकते हैं।

बचाव के उपाय

अत्यधिक वर्कलोड से बचने के लिए, काम और आराम के बीच संतुलन बनाना बहुत जरूरी है। नियमित ब्रेक लें, हल्का-फुल्का व्यायाम करें और संतुलित आहार अपनाएं। जरूरत पड़ने पर अपनी भावनाओं को व्यक्त करें और मदद मांगें।

हड्डी ही नहीं मांसपेशियों के लिए भी जरूरी है कैल्शियम

जब भी हम कैल्शियम का नाम सुनते हैं तो सबसे पहले दिमाग में हड्डियों और दांतों की मजबूती आती है। हमें बचपन से यही सिखाया गया है कि कैल्शियम का मतलब है मजबूत हड्डियां। लेकिन क्या आप जानते हैं कि कैल्शियम सिर्फ हड्डियों तक ही सीमित नहीं है ? शोध बताते हैं कि यह खनिज हमारी मांसपेशियों, नसों और दिल की कार्यप्रणाली के लिए भी उतना ही जरूरी है। कैल्शियम हमारे शरीर में सबसे ज्यादा पाया जाने वाला खनिज है। लगभग 99% कैल्शियम हड्डियों और दांतों में मौजूद होता है। कैल्शियम हमारी मांसपेशियों को सिकोड़ने और ढीला करने, दिल की धड़कन को सामान्य रखने और नसों के जरिए दिमाग से संदेश पहुंचाने जैसे अहम भी काम करता है। अगर इसकी कमी हो जाए तो शरीर में कई तरह की दिक्कतें बढ़ने लगती हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं कि कैल्शियम की कमी का असर हड्डियों में कमजोरी के साथ आपकी मांसपेशियों पर भी दिखता है। जिन लोगों में कैल्शियम कम होता है वो कमजोरी, जल्दी थकान, मांसपेशियों में खिंचाव, हाथ-पैरों में झुनझुनी या ऐंठन जैसी समस्याओं से परेशान रहते हैं। लंबे समय तक कमी रहने से ऑस्टियोपोरोसिस, हड्डियों के कमजोर होने, दिल की धड़कन में अनियमितता और न्यूरोलॉजिकल समस्याओं का भी जोखिम बढ़ जाता है। हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ कहते हैं, कैल्शियम की कमी का असर सिर्फ हड्डियों पर ही नहीं पड़ता है, इससे मांसपेशियों में भी अकड़न आ सकती है। कैल्शियम हमारे शरीर के लिए अहम मिनरल है। हमारे कई मसल्स फंक्शन जैसे मसल्स कॉन्ट्रेक्शन, तंत्रिकाओं से सिग्नल ट्रांसमिशन आदि में कैल्शियम अहम भूमिका निभाता है। अगर हमारे शरीर में पर्याप्त मात्रा में कैल्शियम न हो, तो ब्लड क्लॉटिंग की जटिल प्रक्रिया भी बाधित हो सकती है। कैल्शियम मांसपेशियों के संकुचन और उन्हें आराम देने के लिए भी आवश्यक है। जब शरीर में कैल्शियम की कमी होने लगती है, तो मांसपेशियां अपने आप सिकुड़ने लगती है नतीजतन, मांसपेशियों में अकड़न, पैरों में दर्द जैसी कई समस्याएं पैदा हो जाती हैं।

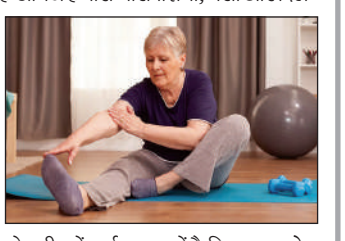

चंडीगढ़ प्रशासन के अधिकारियों ने सुखना लेक के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया

संवाददाता
चंडीगढ़

हाल ही में हुई भारी वर्षा के मद्देनजर, चंडीगढ़ के उपायुक्त श्री निशांत कुमार यादव, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक तथा उपमंडल मजिस्ट्रेट (पूर्व) ने सुखना झील के नियामक हेड और शहर के अन्य वर्षा-प्रभावित क्षेत्रों का व्यापक निरीक्षण किया। इस निरीक्षण का उद्देश्य झील के द्वारों से वर्षा जल की निकासी की स्थिति की समीक्षा करना, क्षति का आकलन करना, नागरिकों से संवाद करना तथा विभिन्न विभागों द्वारा की गई तैयारियों का मूल्यांकन करना था।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने जलभराव की स्थिति, सार्वजनिक ढांचे को हुए नुकसान तथा उन संवेदनशील स्थानों का जायजा लिया जो आगामी भारी वर्षा की स्थिति में जोखिम पैदा कर सकते हैं। संबंधित विभागों को निर्देश दिए गए कि नालों की शीघ्र सफाई, आपातकालीन प्रतिक्रिया दलों की उपलब्धता तथा राहत कार्यों के लिए मशीनरी की पर्याप्त तैनाती सुनिश्चित की जाए।

उपायुक्त ने इंजीनियरिंग विभागों, स्वास्थ्य सेवाओं, पुलिस तथा आपदा प्रबंधन प्राधिकरणों के बीच समन्वय पर विशेष बल दिया ताकि समय पर और प्रभावी ढंग से प्रतिक्रिया दी जा सके। उन्होंने सामुदायिक भागीदारी के महत्व को भी रेखांकित करते हुए नागरिकों से सतर्क रहने और किसी भी आपात स्थिति की तुरंत सूचना देने का आग्रह किया।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने जलभराव वाले क्षेत्रों में यातायात प्रबंधन तथा सुरक्षा उपायों की जानकारी दी और आश्वस्त किया कि पुलिस टीमें संवेदनशील इलाकों में सक्रिय रूप से नागरिकों की सहायता कर रही हैं। वहीं, उपमंडल मजिस्ट्रेट (पूर्व) ने राहत, पुनर्स्थापन और उपमंडल के भीतर महत्वपूर्ण बिंदुओं की निगरानी से जुड़ी व्यवस्थाओं की समीक्षा की।जोखिम को कम करने के लिए आवश्यक एहतियाती कदम उठाए जा रहे हैं, साथ ही दीर्घकालिक रणनीतियाँ भी तैयार की जा रही हैं ताकि चंडीगढ़ की आपदा से निपटने की क्षमता को और सशक्त बनाया जा सके।

निरीक्षण के उपरांत उपायुक्त श्री निशांत कुमार यादव ने कहा, प्रत्येक नागरिक की सुरक्षा और कल्याण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रशासन समय पर सहायता, बेहतर तैयारी और अधिक सशक्त चंडीगढ़ के निर्माण के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है।

पीजीआई बाढ़ पीड़ितों के लिए हमेशा तत्पर रहेगा

चंडीगढ़। चल रही भारी बारिश को देखते हुए, पीजीआईएमईआर ने मरीजों की सुरक्षा और निर्बाध चिकित्सा सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक उपाय लागू किए हैं। संस्थान पूरी तरह से तैयार है और समय-समय पर यूटी प्रशासन द्वारा जारी किए गए प्रोटोकॉल और सलाह का सख्ती से पालन करता रहेगा। पीजीआईएमईआर सभी से एहतियाती तैयारियों के इस दौर में सुरक्षित रहने, आधिकारिक सलाह का पालन करने और प्रशासन को पूरा सहयोग देने का आग्रह करता है।

मौसम विभाग द्वारा आज व कल भारी बारिश की चेतावनीः उपायुक्त

पंचकूला। उपायुक्त मोनिका गुप्ता ने बताया कि जिला प्रशासन की ओर से सभी नागरिकों को सूचित किया जाता है कि लगातार हो रही *भारी बारिश के कारण घग्गर नदी का जल स्तर खतरे के निशान के बेहद करीब पहुंच गया है। उन्होंने बताया कि *मौसम विभाग द्वारा आज व कल भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। उन्होंने कहा कि जिलावासी नदी, नालों और जलभराव वाले क्षेत्रों से पूरी तरह दूर रहें। यह जानलेवा हो सकता है। अनावश्यक घर से बाहर न निकलें। उन्होंने कहा कि मोरनी क्षेत्र में जाने से पहले सड़क की स्थिति की जानकारी अवश्य लें, फिर ही यात्रा करें। आपात स्थिति में फ्लड कंट्रोल रूम से संपर्क करेंः 0172-2562135

118 छात्राओं को वर्दी, जूते और लेखन सामग्री वितरित की

संवाददाता
पंचकूला

शिवालिक फाउंडेशन पंचकूला ने एक बार फिर से पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ कन्या विद्यालय, सेक्टर 15, पंचकूला में जरूरतमंद 118 छात्राओं को वर्दी के जूते और लेखन सामग्री वितरित की। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी संध्या छिक्कारा ने फाउंडेशन के पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया और छात्राओं से समाज सेवा की भावना विकसित करने का आह्वान किया। प्रधानाचार्या पूनम ने अतिथियों का धन्यवाद किया और समाज सेवा के महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर फाउंडेशन के मुख्य संरक्षक रमेश सिंगला ने अपने संक्षिप्त वक्तव्य कहा कि फाउंडेशन 20 वर्ष से समाज सेवा कार्यों में लगा हुआ है इसी प्रकार भविष्य में भी विद्यार्थियों के हित में काम करता रहेगा।

महासचिव रवींद्र कंबोज ने बताया फाउंडेशन विभिन्न स्कूलों में समय-समय पर विद्यालय की जरूरत के अनुसार अपेक्षित मदद करता रहता है। विद्यालय के वरिष्ठ लेक्चरर जयबीर सिंह ने छात्राओं को शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करने और समाज के सहयोग का सदुपयोग कर शिक्षा के क्षेत्र में अग्रसर रहने के लिए कहा।

शिवालिक फाउंडेशन के कोषाध्यक्ष प्रवीण गोयल के अतिरिक्त कार्यक्रम संयोजक विद्यालय की सुदेश दहिया, मंच संचालक निशा गुप्ता, योगिता जोशी, कीर्ति आदि उपस्थित रहे।

विद्यालय में एंटरप्रेन्योरशिप पर व्याख्यान का आयोजन

संवाददाता
पंचकूला

पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ कन्या विद्यालय, सेक्टर 15 पंचकूला में आज स्कूल इन्नोवेटिव काउंसिल के तत्वाधान में एंटरप्रेन्योरशिप पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में नवगठित स्कूल इन्नोवेटिव काउंसिल के सदस्य आरपी साहनी, सहायक फैक्लिटी एमडीयू रोहतक व सेवानिवृत्त चीफ जनरल मैनेजर, हैफेड पंचकूला उपस्थित हुए।

आरपी साहनी ने अपने व्याख्यान में विद्यार्थियों को नवाचार और उद्यमिता के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि सरकार की एमएसएमई स्कीम के तहत विभिन्न व्यवसायिक प्रयोजनों के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। उन्होंने जोमैटो, स्विगी, मैक्डी, उबर टैक्सी और चैट जीपीटी जैसे सफल व्यवसायों के उदाहरण देकर विद्यार्थियों को करियर विकल्पों के बारे में बताया।

आरपी साहनी ने बताया कि सभी व्यवसायों का आधार संसाधन, मांग और सप्लाई होते हैं। उन्होंने कहा कि व्यापारी के जोखिम उठाने की क्षमता उसे सफलता प्रदान करती है। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने विचारों को धरातल पर उतारने और नवाचार के लिए प्रोत्साहित किया।

विद्यालय की प्रधानाचार्य ने विद्यार्थियों को नवाचार के लिए प्रेरित करते हुए आरपी साहनी के बहु उपयोगी विचारों को उपयोग में लाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को अपने भविष्य को संवारने के लिए नवाचार और उद्यमिता के क्षेत्र में आगे बढ़ना चाहिए। विद्यालय के वरिष्ठ लेक्चरर जयबीर सिंह ने कहा कि देश का विकास युवाओं की नई सोच और प्रतिभा पर निर्भर करता है। उन्होंने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे स्कूली शिक्षा पूर्ण करने के बाद स्वरोजगार को अपनाएं और नौकरी देने वाले बनें, न कि केवल नौकरी प्राप्त करने वाले। इससे देश की आर्थिक स्थिति में सुधार होगा और युवाओं को आत्मनिर्भर बनने में मदद मिलेगी। कार्यक्रम का आयोजन स्कूल इन्नोवेटिव काउंसिल द्वारा किया गया था। इस अवसर पर विद्यालय के शैक्षणिक स्टाफ नीलम, रुचि और रिशु और विद्यार्थी उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में आरपी साहनी का आभार व्यक्त किया गया और विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी गईं।

डॉ. अंबेडकर मेधावी छात्र संशोधित योजना के अंतर्गत 31 जनवरी 2026 तक कर सकते हैं आवेदन : उपायुक्त

संवाददाता
पंचकूला

उपायुक्त मोनिका गुप्ता ने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा डॉ. अंबेडकर मेधावी छात्र संशोधित योजना के अंतर्गत वर्ष 2025-26 के ऑनलाइन आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 31 जनवरी 2026 तक है। योजना के तहत अनुसूचित जाति एवं पिछड़े वर्ग, विमुक्त जाति, घुमंतु एवं अर्ध घुमंतू जाति तथा टपरीवास जाति के छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान करने के लिए 31 जनवरी 2026 तक आवेदन पत्र पोर्टल पर ऑनलाइन कर सकते हैं। इस संबंध में जानकारी देते हुए जिला कल्याण अधिकारी विशाल बंसल ने बताया कि आवेदन करने वाले प्रार्थी की वार्षिक पारिवारिक आय 4 लाख रूपए से अधिक नहीं होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि इस योजना के अंतर्गत पात्र छात्र व छात्राओं का शैक्षणिक स्तर उंचा उठाने तथा उनमें प्रतिस्पर्धा की भावना उत्पन्न करने के लिए विद्यार्थियों को विभिन्न कोर्स में 8000 रुपए से 12000 रूपए तक प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाती है। उन्होंने बताया कि इस योजना का लाभ लेने के लिए आवेदनकर्ता हरियाणा का स्थाई निवासी होना चाहिए तथा उसने अगली कक्षा में प्रवेश लिया हो और उनके परिवार की वार्षिक आय 4 लाख रूपए से कम हो। उन्होंने बताया कि पात्रता मानदंड और योजना के अन्य विवरण विभाग की वेबसाईट ६६६.१८ल्लं२ु.ङ्म५.ल्ल पर देखे जा सकते हैं। किसी भी प्रकार की समस्या या जानकारी के लिए हेल्पलाइन नंबर 0172-2583378 एवं जिला कल्याण अधिकारी कार्यालय में संपर्क किया जा सकता है।जिला कल्याण अधिकारी ने बताया कि डा. अंबेडकर मेधावी छात्र संशोधित योजना के अंतर्गत अनुसूचित जाति, विमुक्त जाति, घुमंतु, अर्ध घुमंतु जाति एवं टपरीवास जाति के 10वीं कक्षा में उतीर्ण छात्र के लिए शहरी क्षेत्र में 70 प्रतिशत अंक तथा ग्रामीण क्षेत्र में 60 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य है। कक्षा 11वीं तथा सभी डिप्लोमा/सर्टिफिकेट कोर्स के प्रथम वर्ष में पढने वाले छात्रों को 8 हजार रुपए की वार्षिक छात्रवृति प्रदान की जाएगी। इसी प्रकार कक्षा 12वीं में उत्तीर्ण छात्रों के लिए शहरी क्षेत्र में 75 प्रतिशत अंक और ग्रामीण में 70 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य है। कक्षा स्नातक के प्रथम वर्ष आर्ट्स/कार्मस/साइंस व सभी डिप्लोमा कोर्सिस में पढ़ने वाले को 8 हजार रुपए वार्षिक छात्रवृति, इंजिनियरिंग तथा अन्य तकनीकी एवं व्यवसायिक कोर्सेज के छात्रों को 9 हजार रुपए वार्षिक व मेडिकल तथा अलाईड कोर्सेज के छात्रों को 10 हजार रुपए की राशि वार्षिक छात्रवृति के रूप में प्रदान की जाएगी। इसी प्रकार, स्नातक की परीक्षा में शहरी क्षेत्र में 65 प्रतिशत व ग्रामीण क्षेत्र में 60 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य है। स्नातकोत्तर कक्षा में पढने वाले प्रथम वर्ष आर्ट, कॉमर्स व साईंस के छात्र को 9 हजार रुपए वार्षिक छात्रवृति, इंजिनियरिंग तथा अन्य तकनीकी व्यवसायिक कोर्सेज के छात्रों को 11 व मेडिकल व अलाइड कोर्सेज के छात्रों को 12 हजार रुपए की राशि वार्षिक छात्रवृति के रूप में प्रदान की जाएगी।

विश्व हिंदू परिषद चंडीगढ़ महानगर की बैठक संपन्नः सुरेश राणा

संवाददाता
चंडीगढ़

विश्व हिंदू परिषद पंजाब प्रांत प्रचार प्रसार प्रमुख सुरेश राणा ने बताया कि विहिप चंडीगढ़ महानगर की कार्यकारिणी की बैठक पंजाब प्रांत सह मंत्री विजय छाबड़ा की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक संपन्न हुई । इस बैठक में संगठन के विस्तार हेतु विस्तृत चर्चा हुई। और यह निर्णय लिया गया कि जल्द ही विहिप अपने सभी प्रखंडों में प्रखंडों की कार्यकारिणी घोषित करेगी।तत्पश्चात विश्व हिंदू परिषद गऊ रक्षा सुरक्षा आयाम की बैठक हुई जिसमें छाबड़ा ने सभी कार्यकताओं को गौमाता के संरक्षण और संवर्धन की संपूर्ण जानकारी दी, और गौरक्षा विभाग की सभी समस्याओं का समाधान कैसे किया जाए इसके बारे में विस्तृत चर्चा की गई । इस बैठक में मुख्य रूप से सुरेश राणा,राकेश चौधरी,जितेंद्र सनातनी,जितेंद्र रावत,रवि शंकर,डॉ मनीष भंडारी, मनमोहन शर्मा,दिनेश दत्ता, रोशन भारद्वाज, मनी,विशाल कुमार, आशीष,राज कुमार, मुकेश,अंकित,जितेश,संजय, सुशांत सिंह,हर्ष,विशाल, सूरज यादव,मोहित,शिवांग, गोविंद, कार्तिक, विवेक,राज, हणु कोशिक,मोहित शर्मा, रोहित, अतुल, हिमांशु, अभिषेक,शिवांशु,संचित, विपिन, आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर लोगों की समस्याओं का समाधान करने के दिए निर्देश

उपायुक्त ने ग्रामीणों की पानी की निकासी न होने से फसल खराब होने के मामले में सिंचाई व पीडब्ल्यूडी के संबंधित अधिकारियों को मौके का मुआयना कर पानी की निकासी करवाने के दिए निर्देश

संवाददाता
पंचकूला

उपायुक्त मोनिका गुप्ता ने गांव मानक टाबरा के ग्रामीणों की नहर के पानी की निकासी न होने के कारण फसल खराब होने पर संज्ञान लेते हुए सिंचाई व पीडब्ल्यूडी के संबंधित अधिकारियों को मौके का मुआयना कर पानी की निकासी करवाने के निर्देश दिए।

उपायुक्त आज लघु सचिवालय के सभागार में जिलावासियों की सरकार द्वारा निर्देशित समाधान शिविर में समस्याएं सुन रही थी। उन्होनें जिलावासियों की चार समस्याएं सुनी और संबंधित अधिकारियों को समस्याओं का जल्द से जल्द प्राथमिकता के आधार पर निपटान करने के निर्देश दिए।

उपायुक्त ने बताया कि लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सैनी ने समाधान शिविर आयोजित करने का निर्णय लिया है। जिले में सोमवार व वीरवार को कार्यदिवस के दिन प्रातः 10 से 12 बजे तक समाधान शिविर का आयोजन लगातार किया जा रहा है। उन्होंने सभी अधिकारियों को गंभीरता से लोगों की समस्याओं का समाधान करने के निर्देश दिए। इसमें कोताही की कोई गुंजाईश नहीं है।

इस अवसर पर एसडीएम चंद्रकांत कटारिया, नगराधीश जागृति, जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी विशाल पराशर, जिला वन अधिकारी विशाल कौशिक, जिला बागवानी अधिकारी अशोक कुमार, स्वास्थ्य विभाग के डिप्टी सिविल सर्जन मीनू सासन, पीडब्ल्यूडी बी एंड आर, हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण, सिंचाई, नगर निगम, नगर परिषद तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

जिला नगर योजनाकार की टीम द्वारा अर्बन एरिया पंचकूला में की गई बड़ी कार्यवाही

पंचकूला। उपायुक्त श्रीमती मोनिका गुप्ता के मार्गदर्शन में डी.टी.पी. श्रीमती बबिता गुप्ता के नेतृत्व में जिला नगर योजनाकार की टीम द्वारा अर्बन एरिया पंचकूला में बड़ी कार्यवाही की गई। इस कार्यवाही में गांव बतौर, तहसील बरवाला, जिला पंचकूला में 1 कालोनी में 8 डी.पी.सी धवस्त की गई। उक्त कार्यवाही जितेन्द्र कुमार, उपमण्डल अभियंता, यूएचबीवीएन, बरवाला ड्यूटी मैजिस्ट्रेट, डिम्पी राठी, सहायक नगर योजनाकर, पंचकूला व विकास, कनिष्ठ अभियन्ता एवं भारी पुलिस बल की उपस्थिति में संपन्न हुई।

इस संबंध मं जानकारी देते हुए डीटीपी बबिता गुप्ता ने बताया कि उक्त कार्यवाही करने से पहले विभाग द्वारा नोटिस जारी किए गए थे, लेकिन चुककताओं द्वारा इन अवैध निमार्णो को नहीं हटाया गया, जिस कारण विभाग को यह कार्यवाही करनी पड़ी। उन्होंने बताया कि कोई भी निर्माण करने या कॉलोनी विकसित करने से पहले निदेशक, नगर तथा ग्राम आयोजना विभाग हरियाणा से अनुमति लिए बिना कोई भी अवैध निर्माण या कॉलोनी विकसित की जाती है तो विभाग उसके विरूद्ध सख्त कानूनी कार्यवाही जारी रखेगा। अतः आम जनता से अनुरोध किया जाता है कि विभाग से सी.एल.यु/लाईसेंस की अनुमति लिए बिना कोई भी निर्माण न करें।

संक्षिप्त-समाचार

पटवारी को रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया

चंडीगढ़। राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो करनाल द्वारा शिकायतकर्ता की शिकायत पर कार्यवाही करते हुये दिनांक 1.9.2025 को आरोपी धर्मपाल पटवारी, कार्यालय बी.डी.पी.ओ., नीलोखेडी, जिला करनाल को शिकायतकर्ता से 4,000/- (चार हजार) रुपए नकद रिश्वत लेते हुये कार्यालय बी.डी.पी.ओ. नीलोखेड़ी, जिला करनाल से रंगे हाथो गिरफ्तार किया गया तथा इस सम्बन्ध में आरोपी के विरुद्ध अभियोग संख्या 26 दिनांक 1.9.2025 धारा 7 पी.सी. एक्ट 1988 के तहत थाना राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो करनाल में दर्ज किया गया। शिकायतकर्ता ने राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो करनाल को दी गई अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि उसके भाई रामदास ने अपना मकान बनाने के लिये 2,90,000/- रूप्ये का लोन अभिनव बैंक, करनाल में अप्लाई किया था। इस लोन को पास करने के लिये बैंक को ड्रोन सर्वे फोटो की आवश्यकता होती है। जब वह ड्रोन सर्वे की फोटो लेने के लिए आरोपी धर्मपाल पटवारी, कार्यालय बी.डी.पी.ओ., नीलोखेड़ी जिला पानीपत से मिला तो आरोपी उपरोक्त द्वारा ड्रोन सर्वे की फोटो देने की एवज में उससे 4,000/- रुपए नकद बतौर रिश्वत की मांग की गई।

श्री राधा अष्टमी के अवसर पर झूमा सिटी ब्यूटीफुल चंडीगढ़

चंडीगढ़। श्री राधा अष्टमी के अवसर पर आर बी युवा शक्ति फाउंडेशन द्वारा सेक्टर 45 चंडीगढ़ में बड़ी धूम धाम के साथ मनाया गया। इस मौके पर श्री राधा बल्लभ भागवत सेवा ट्रस्ट, श्री राधा बल्लभ महिला संकीर्तन मंडल एवं आर बी युवा शक्ति फाउंडेशन, जिसके संस्थापक श्री विजय शास्त्री ने कार्यक्रम की शुरूआत गणेश जी और राधा बल्लभ जी की पूजा के साथ की। बच्चों द्वारा राधा जी के भजनों पर पर नृत्य प्रस्तुत किए गए उसके बाद शास्त्री जी द्वारा राधा जी की दिव्य कथा एवं भजन संध्या से सभी श्रोता झूम उठे। कार्यक्रम के बारे में पार्षद गुरुप्रीत सिंह गाबी , परीक्षित राणा, समाज सेवी पूनम कोठारी ,एडवोकेट कृष्ण गोपाल, सहजपाल उपस्थित हुए। आर बी युवा शक्ति फंडेशन के सदस्य,वंदना शर्मा,पिंकी कश्यप,मोनिशा भट्ट,मनीषा पटियाल,सोनिया,वर्षा पाल,प्रियंका कपूर, किरण पोखरियाल,रितु सोनी,नेहा रावत,प्रीति जायसवाल,अर्चना,सावित्री, ज्योति पटियाल,वंदना लखोटिया,किरण माहेश्वरी,रजनी,विनीता,प्रेमा देवी, रेखा,खुशबू पुष्पाकर,सपना राणा,शर्मिला, कशिश,किरण चोपड़ा, किरण राजपूत,मंजू,रेणु झांझी,मीरा शर्मा, अनीता कनोजिया,आरती शर्मा,सरोज नौटियाल,कविता कादियान,पूनम,शिवानी वशिष्ठ, रिंकी और ट्रस्ट एवं महिला संकीर्तन मंडल के सभी सदस्य उपस्थित रहे। आयोजको ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए नरेश कपूर, आशीष शर्मा ,महेश कालरा, नरेश गोयल, भारत भूषण भाटिया ,विक्की,समस्त 9 नंबर ब्लॉक, विशाल गोयल , इंस्पेक्टर नीरज सरना, अजय कश्यप और सोनू का धन्यवाद किया । कार्यक्रम के उपरांत भंडारे का आयोजन भी किया गया।

श्री राधा अष्टमी महोत्सव का भव्य आयोजन

मोहाली। श्री राधा अष्टमी के पावन अवसर पर श्री शिव मंदिर, फेज 9, मोहाली में एक दिवसीय दिव्य गौ कथा एवं भजन संध्या का आयोजन किया गया जिसकी प्रस्तुति दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान की ओर से की गई। इस अवसर पर अनेक श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से श्री राधारानी के दिव्य प्राकट्य दिवस को हर्षोल्लास से मनाया। भक्तिमय भजनों और श्रेष्ठ विचारों के माध्यम से दिव्य गुरु श्री आशुतोष महाराज जी की शिष्या साध्वी संयोगिता भारती जी ने कहा कि राधा अष्टमी न केवल एक पर्व है, बल्कि यह उस परम चेतना का स्मरण है जो अहंकार-विहीन, पूर्ण समर्पण और निष्काम भक्ति का प्रतीक हैं झ्र ऐसी भक्ति, जो किसी कारण या फल की अपेक्षा नहीं करती। कथा व्यास साध्वी संयोगिता भारती जी ने राधा जी की महिमा का वर्णन करते हुए बताया कि श्री राधा वो भक्ति की धारा हैं जो श्री कृष्ण जी को धूरी मान, उन्हीं की दिशा में बहती हैं। राधा जी वो कल्पवृक्ष हैं जो बिना मांगे भी सभी को श्री कृष्ण की भक्ति में रंग देती हैं। भक्ति और समर्पण की पराकाष्ठा हैं श्री राधारानी। साध्वी जी ने कहा कि राधा जी का प्रेम कोई सांसारिक प्रेम नहीं था, वह दिव्य प्रेम था जो आत्मा को परमात्मा से जोड़ता है। परंतु इस दिव्यता को देखने और समझने के लिए आपको भी राधा जी जैसा बनना होगा झ्र मन, वचन और कर्म से उनके दिखाए मार्ग पर चलना होगा। जैसे श्री राधा जी ने भगवान श्री कृष्ण रूपी गुरु की शरण ली उसी प्रकार हमें भी समय के पूर्ण सद्गुरु की खोज कर उनसे वो दिव्य दृष्टि प्राप्त करनी होगी जिससे हम हर पल श्री राधा और भगवान कृष्ण का दर्शन अपने भीतर ही कर सकें। साध्वी जी ने आगे समझाया कि प्रेम-मार्ग इतना सूक्ष्म और रहस्यमय है कि बिना सतगुरु की कृपा और मार्गदर्शन के उसमें प्रवेश करना संभव नहीं। सद्गुरु ही वह दिव्य चक्षु प्रदान करते हैं जिसके माध्यम से हम आत्मा और परमात्मा के मध्य छिपे हुए राधा तत्व का दर्शन कर सकते हैं। राधा अष्टमी स्मरण दिलाती है कि हम सब भी अपने जीवन में श्री कृष्ण रूपी पूर्ण सद्गुरु की खोज करें और उनको अपने जीवन की धूरी बनाकर जिएं। जैसे राधा जी हर कार्य करते हुए भी हर क्षण श्री कृष्ण में लीन रहती थीं, वैसे ही एक शिष्य भी सद्गुरु की कृपा से सांसारिक कार्य करते हुए भी अखंड भक्ति की ओर अग्रसर हो सकता है और भक्ति, ज्ञान और मोक्ष झ्र तीनों का अधिकारी बन जाता है।

सिमरन कौर धादली ने लॉन्च किया नया सिंगल ट्रैक प्यार नी सरया

चंडीगढ़। जहां पुत्त जट्ट द का दबदबा अभी भी पूरी दुनिया की प्लेलिस्ट में बना हुआ है, वहीं पंजाबी म्यूजिकी की पॉवरहाउस, सिमरन कौर धादली ने अपना अगला सिंगल, ह्यप्यार नी सरयाह्न लॉन्च कर दिया है। अपने जबरदस्त ट्रैक्स, शानदार लिरिक्स और निडर आवाज के लिए मशहूर सिमरन इस बार अपनी सिग्नेचर शैली से कुछ अलग लेकर आई हैं। यह ट्रैक एक मासूम, प्यारभरा गीत पेश करता है, जो प्यार के खत्म होने के बाद भी लंबे समय तक दिल में उसकी चुभन को बनाकर रखता है। इस गीत को सिमरन ने ही लिखा और कंपोज किया है, जबकि इसके प्रोडक्शन का जिम्मा देसी ट्रैप ने संभाला है। सिमरन की आवाज में प्यार नी सरया केवल एक गीत नहीं, बल्कि दिल टूटने के एहसास को श्रद्धांजलि देने का एक प्रयास है। यह एहसास सिमरन की आवाज में एक हल्का-फुल्का और भावुक प्रोडक्शन के माध्यम से प्रस्तुत होता है। गीत में उनकी आवाज की कोमलता और ईमानदारी को भव्यता से महसूस किया जा सकता है, जो उनके पिछले हिट गाने ह्यसाहिबाह्न में सुनी गई थी।इस गाने के बारे में सिमरन ने कहा, ह्लयह गाना मेरे हृदय की उस जगह से निकला है, जो मैंने इससे पहले कभी नहीं दिखाई। प्यार नी सरया ऐसा प्यार है, जिससे आप आगे बढ़ने की कोशिश करते हैं, लेकिन यह आपके अंदर बना रहता है। मुझे उम्मीद है कि जब लोग यह गाना सुनेंगे, तो उन्हें न केवल मेरे दर्द का एहसास होगा, बल्कि उन्हें अपनी यादें भी इसमें महसूस होंगी। सिमरन कौर धादली के इस नए ट्रैक के साथ, उन्होंने केवल एक और गाना नहीं पेश किया है, बल्कि एक नया अध्याय भी शुरू किया है, जिसमें कोमलता में शक्ति निहित है, और नाजुकता अपनी खुद की ताकत बन जाती है।

सरोवर होटल्स ने पठानकोट में रिवेरा सरोवर पोर्टिको किया लॉन्च

चंडीगढ़। सरोवर होटल्स ने रिवेरा होटल्स के साथ साझेदारी मे पठानकोट में रिवेरा सरोवर पोर्टिको के लॉन्च की घोषणा की है। यह पंजाब में सरोवर का 9वाँ होटल है। यह होटल हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर के एंट्री प्वाइंट पर स्थित है, जो यात्रियों को आराम, सुविधा और स्थानीय आकर्षण का सर्वोत्तम संयोजन प्रदान करता है। 48 कमरों वाले इस होटल में सुइट्स, एक्जीक्यूटिव, प्रीमियम और सुपीरियर कमरों के साथ सावधानीपूर्वक डिजाइन की गई आवास सुविधाएँ उपलब्ध हैं, जो अवकाश और व्यावसायिक यात्रियों, दोनों के लिए उपयुक्त हैं। मेहमान पूरे दिन खुले रहने वाले रेस्टोरेंट, फ्लेवर्स में विभिन्न प्रकार के व्यंजनों का आनंद ले सकते हैं, लीजर लाउंज, जार बार में आराम कर सकते हैं या रूफटॉप` डायनिंग स्थल, अल्तुरा से सुंदर दृश्यों का आनंद ले सकते हैं। कॉर्पोरेट और सामाजिक आयोजनों के लिए, होटल का सफायर बॉलरूम (प्री-फंक्शन एरिया सहित) 5,868 वर्ग मीटर में फैला है और शहर की सबसे बड़ी बैंक्वेटिंग सुविधा है, जहाँ 300 मेहमान बैठ सकते हैं। अन्य सुविधाओं में एक स्विमिंग पूल और फिटनेस सेंटर भी शामिल हैं, जो मेहमानों के समग्र अनुभव को और बेहतर बनाते हैं। इस लॉन्च पर बोलते हुए, सरोवर होटल्स के अध्यक्ष और लूवर होटल्स इंडिया के निदेशक, श्री अजय बकाया ने कहा कि पठानकोट में रिवेरा सरोवर पोर्टिको के उद्घाटन के साथ, हमें पंजाब में अपनी उपस्थिति को और मजबूत करने पर गर्व है। यह शहर एक पारगमन और अवकाश गंतव्य के रूप में अपार संभावनाओं से भरपूर है, और इस संपत्ति के साथ हमारा लक्ष्य अपने मेहमानों को एक यादगार प्रवास अनुभव प्रदान करना है, जो सरोवर के विशिष्ट आतिथ्य, आधुनिक सुविधाओं और उत्कृष्ट भोजन और बैंक्वेटिंग सुविधाओं से और भी बेहतर होगा।